जबलपुर, शुक्रवार
20 मार्च 2026
वर्ष 31 अंक 263
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

`खुद पर भरोसा करने का हुनर सीख लो, सहारे कभी स्थायी नहीं होते'

2 जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान..
5 जनभागीदारी से जल संरक्षण की ...
7 आस्था, इतिहास और चमत्कारों का...
11 'सृष्टि' के आरंभ की अमृत बेला का ...

खाड़ी युद्धः हमारे लिए ही नहीं दुनिया के लिए भी मुश्किल

विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान और होर्मुज पर भी जताई चिंता

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक संपर्क तेज कर दिए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह समय सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए परीक्षा का है। उन्होंने बताया कि भारत के नेता विभिन्न देशों के अपने समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है और शांति व स्थिरता के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत के शीर्ष नेता लगातार विभिन्न देशों के नेताओं के संपर्क में हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुवैत के क्राउन प्रिंस के बीच बातचीत हुई, जिसमें क्षेत्रीय हालात पर चिंता जताई गई। भारत ने कूटनीति के जरिए हालात को संभालने और अपने हितों की रक्षा करने की दिशा में काम जारी रखा है। भारत ने पाकिस्तान और होर्मुज क्षेत्र को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान का परमाणु प्रसार का पुराना गुप्त रिकॉर्ड दुनिया के लिए खतरा है। हाल ही में अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में भी पाकिस्तान को बड़े परमाणु खतरों में शामिल किया गया है। भारत ने कहा कि ऐसे बयान पाकिस्तान की गतिविधियों को लेकर पहले से मौजूद चिंताओं को और मजबूत करते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के

अफगानिस्तान में किए गए हवाई हमलों की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि नागरिक ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है और इससे आम लोगों को भारी नुकसान हुआ है। भारत ने काबुल के अस्पताल पर हमले को कायराना बताते हुए इसकी अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की है। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता के समर्थन की बात दोहराई और कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा हैं।

क्या भारतीयों की सुरक्षा पर भी है फोकस?

सरकार ने कहा है कि खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारतीय दूतावास और सरकार लगातार संपर्क में हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

ऊर्जा सुरक्षा को लेकर क्या रणनीति है?

भारत इस संकट के बीच अपनी ऊर्जा जरूरतों को भी सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहा है। होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर स्थिति को सामान्य बनाए रखना भारत के लिए जरूरी है, क्योंकि यही रास्ता तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा स्रोत है।

देश में सिलिंडर की सप्लाई स्थिर

जमाखोरी, कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण भारत में एलपीजी की सप्लाई पर असर पड़ा है, लेकिन सरकार ने हालात संभालने के लिए लगातार कदम उठा रही है। घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है और साथ ही पीएनजी को बढ़ावा देकर संकट कम करने की कोशिश की जा रही है। भारत में एलपीजी सप्लाई का संकट अब तीसरे हफ्ते में पहुंच गया है। पश्चिम एशिया से होने वाले आयात, जो देश की कुल सप्लाई का करीब 60 प्रतिशत है, प्रभावित होने के कारण दबाव बना हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का फैसला किया है ताकि आम लोगों को परेशानी कम हो। सरकार ने यह भी कहा है कि जहां-जहां पाइप्ड नेचुरल गैस की सुविधा उपलब्ध है, वहां लोगों को एलपीजी की जगह पीएनजी अपनाना चाहिए। इससे गैस की मांग को संतुलित करने में मदद मिलेगी और सप्लाई पर दबाव कम होगा। केंद्र सरकार ने उन राज्यों के लिए खास योजना बनाई है जो पीएनजी नेटवर्क को तेजी से बढ़ाएंगे। ऐसे राज्यों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त कमर्शियल एलपीजी दी जाएगी। इसके साथ ही राज्यों से कहा गया है कि वे मंजूरी प्रक्रिया तेज करें और चार्ज कम करें ताकि पीएनजी का इस्तेमाल बढ़ सके।

ऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत पहुंची

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देश में एलपीजी की सप्लाई अभी स्थिर है और कहीं भी पूरी तरह से गैस खत्म होने की स्थिति नहीं है। ऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है और घबराहट में बुकिंग करना अब कम हो गया है। कल 57 लाख से ज्यादा रिफिल बुकिंग दर्ज की गईं। सरकार ने यह भी कहा कि पिछले दो हफ्तों में करीब 1.25 लाख नए घरेलू, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे सप्लाई सिस्टम मजबूत हुआ है। हालांकि कुछ जगहों पर परेशानी की खबरें भी सामने आई हैं।

राज्यों को जमाखोरी रोकने के निर्देश

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के निर्देश दिए हैं। एलपीजी संकट से निपटने के लिए 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और 25 जगहों पर जिला स्तर पर निगरानी समितियां काम कर रही हैं। सरकार ने साफ किया है कि अभी डिस्ट्रीब्यूटर्स के पास गैस खत्म होने की स्थिति नहीं है और डिलीवरी सामान्य रूप से चल रही है। केंद्र सरकार द्वारा लोगों से घबराहट में एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग न करने और जरूरत के हिसाब से गैस लेने की अपील की गई है।

हकीकत में अलग-अलग दावे

मेरठ जिला अस्पताल के एक रसोइए ने आरोप लगाया कि चार दिनों से एलपीजी सिलेंडर की कमी है, जिसके कारण लकड़ी और गत्ते से खाना बनाना पड़ रहा है। इसका वीडियो भी सामने आया है। लेकिन अधिकारियों के बीच इस मामले पर मतभेद है। सीएमओ ने कमी की बात मानी, जबकि जिला आपूर्ति अधिकारी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। इससे जमीनी हालात को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर बेंगलुरु में एलपीजी की कमी को लेकर तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है।

कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा की विधायकी बरकरार

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली/भोपाल

मध्यप्रदेश की विजयपुर विधानसभा सीट को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मुकेश मल्होत्रा की विधायकी को बरकरार रखते हुए एमपी हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें रामनिवास रावत को विधायक घोषित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट में मुकेश मल्होत्रा का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने दलीलें पेश कीं, जिसके बाद अदालत ने मल्होत्रा को राहत दी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की डबल बेंच ने मुकेश मल्होत्रा को विधायक के रूप में जारी रखने की अनुमति तो दी है, लेकिन अंतिम फैसला आने तक कुछ पाबंदियां भी लगाई हैं।

वोटिंग राइट नहीं

मुकेश मल्होत्रा फिलहाल राज्यसभा के लिए मतदान नहीं कर सकेंगे। ऐसे में अब मुकेश जून में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए वोट नहीं डाल पाएंगे।

वेतन पर रोक

जब तक कोर्ट इस मामले में अपना अंतिम निर्णय नहीं सुना देता, तब तक उन्हें विधायक के रूप में मिलने वाला वेतन और भत्ते नहीं दिए जाएंगे। वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा ने बताया कि अब इस मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी।

भोजशाला का निरीक्षण करने पहुंची उच्च न्यायालय की टीम

एएसआई सर्वे के बाद अगली सुनवाई से पहले जमीनी हालात का लिया जायजा

धार

धार की ऐतिहासिक भोजशाला में गुरुवार को इंदौर हाईकोर्ट का एक प्रतिनिधिमंडल कड़ी सुरक्षा के बीच पहुंचा। दल ने परिसर का निरीक्षण किया और वापस लौट गया। यह दौरा आगामी सुनवाई से पहले जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि धार स्थित भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा 98 दिनों तक वैज्ञानिक सर्वे किया गया था। इस सर्वे की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाईकोर्ट में प्रस्तुत की जा चुकी है। याचिकाकर्ताओं और अन्य पक्षकारों को भी इसकी प्रतियां उपलब्ध कराई गई हैं।

2 अप्रैल को होनी है सुनवाई

हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल को निर्धारित की है। इससे पहले, हाईकोर्ट के न्यायाधीश स्वयं भी भोजशाला पहुंचकर जमीनी हकीकत का जायजा लेंगे। सूत्रों के अनुसार, इसी क्रम में हाईकोर्ट का यह दल पूर्व अवलोकन के लिए धार पहुंचा था। निरीक्षण के दौरान एएसआई के प्रशांत पाटणकर, धार एसडीएम राहुल गुप्ता, सीएसपी सुजावल जग्गा, तहसीलदार सहित पुलिस और प्रशासन का पूरा अमला मौके पर मौजूद रहा।

अभिव्यक्ति की आजादी को दबा रही सरकार

कांग्रेस ने सोशल मीडिया से कई अकाउंट डिलीट करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अभिव्यक्ति की आज़ादी को दबाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस सोशल मीडिया डिपार्टमेंट चेयरमैन सुप्रिया श्रीनेत ने गुरुवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आलोचनात्मक आवाज़ों को नियंत्रित करने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में भी विपक्ष की आवाज़ को दबाने के लिए माइक बंद कर दिए जाते हैं और अब सोशल मीडिया पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा रही है। उनका दावा है कि हाल ही में ट्विटर और इंस्टाग्राम पर कई ऐसे अकाउंट्स को बैन किया गया है,

जो सरकार से सवाल पूछ रहे थे। श्रीनेत के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के जरिए अकाउंट्स को बंद कराने का नया ट्रेंड शुरू किया गया है, जिससे यह तय किया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर क्या कंटेंट रहेगा और क्या नहीं। कांग्रेस ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए कहा कि सरकार युवाओं और आम लोगों के सवालों को दबाने की कोशिश क्यों कर रही है। उन्होंने कहा कि अकाउंट बैन करने से आवाज़ें नहीं दबेंगी, क्योंकि नए अकाउंट बनते रहेंगे। साथ ही, कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि जिन अकाउंट्स को बंद किया गया है, उनका पार्टी से कोई सीधा संबंध नहीं है। गौरतलब है कि सरकार सोशल मीडिया पर तेजी से फैलते भ्रामक कंटेंट पर लगाम लगाने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि अब सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ही नहीं, बल्कि कई अन्य मंत्रालय भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को सीधे फर्जी कंटेंट हटाने या ब्लॉक करने का आदेश दे सकेंगे।

मोदी ने 24 घंटे में 5 राष्ट्राध्यक्षों से की बात

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के दौरान 5 देशों के राष्ट्राध्यक्षों से फोन पर बात की। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उन्होंने फोन पर बातचीत के दौरान क्षेत्र में तनाव कम करने, संवाद बढ़ाने और शांति बहाली की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला-।। से बातचीत की। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से भी बात की थी। प्रधानमंत्री के मुताबिक, मैक्रों से बातचीत में कहा कि हालात चिंताजनक हैं और तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति जरूरी है। दोनों नेताओं ने शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक को ईद की बधाई दी और क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की। उन्होंने ओमान की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की और वहां से भारतीयों सहित लोगों की सुरक्षित वापसी में उसकी भूमिका की सराहना की। दोनों देशों ने होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित जहाजों की आवाजाही पर भी जोर दिया।

दिल्ली में बनाये जा रहे हैं दंगे जैसे हालात

राहुल गांधी ने बीजेपी पर लगाए नफरत फैलाने के आरोप

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर नफरत फैलाकर दिल्ली में फिर से दंगे जैसे हालात बनाने का आरोप लगाया है और लोगों से अपील की है कि वे किसी बहकावे में न आयें। राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा चाहती है कि देश हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहे ताकि लोग विभिन्न मुद्दों पर सवाल न पूछ सकें। उन्होंने होली के मौके पर राजधानी के उत्तम नगर की घटना का उल्लेख करते हुए कहा, उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है। एक तरफ एक जवान लड़के, तरुण, की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है। उन्हें और खून-खराबा नहीं चाहिए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी और उसका इकोसिस्टम नफरत के माहौल को बढ़ावा देकर हिंसा से राजनीतिक फायदा उठाना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया, वे चाहते हैं कि देश हिंदू-मुसलमान में उलझा रहे , ताकि लोग ये न पूछ सकें कि आखिर प्रधानमंत्री देश की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामरिक संप्रभुता को अमेरिका के हवाले करने पर क्यों मजबूर है। इसीलिए दिनदहाड़े देश की राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात खड़े किये जा रहे हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे किसी भी बहकावे में न आएं और एकता, भाईचारे व मोहब्बत बनाए रखें।

आदिवासी प्रमुखों ने की मुलाकात

आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया के साथ ग्रेट निकोबार द्वीप के आदिवासी प्रमुखों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। आदिवासी प्रमुखों ने प्रस्तावित ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि यह उनके जीवन-यापन के तरीके और द्वीप के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने यह भी बताया कि परियोजना की मंजूरी के दौरान उनकी सहमति भी उचित तरीके से नहीं ली गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और उनके अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए उनकी चिंताओं को उठाएगी।

अनिल अंबानी से सीबीआई ने की पूछताछ

नई दिल्ली (वार्ता)। देश के प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अंबानी

रिलायंस कम्युनिके शंस लिमिटेड से जुड़े कथित 2,929.05 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले की जांच के सिलसिले में गुरूवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो के समक्ष पेश हुए। सीबीआई ने 21 अगस्त, 2025 को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मुंबई से प्राप्त शिकायत के आधार पर रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड, मुंबई, उसके निदेशक अनिल अंबानी, अज्ञात सरकारी कर्मचारियों और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मामला एसबीआई को धोखा देने और 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोपों से संबंधित है।

50 हजार रिश्वत लेते पटवारी पकड़ाया

छतरपुर। सागर लोकायुक्त टीम ने छतरपुर में गुरुवार को कार्रवाई करते हुए एक पटवारी को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पटवारी राहुल अग्रवाल को कलेक्ट्रेट परिसर से पकड़ा गया। वह केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित गांव की महिला से मुआवजा राशि दिलाने के नाम पर रिश्वत मांग रहा था।

सूरत में 2.38 करोड़ के नकली नोट जब्त

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने नकली नोटों के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। नकली नोट छापने का काम सूरत के एक आश्रम में हो रहा था। पुलिस ने यहां छापेमारी कर नोट छापने की मशीनों के साथ 2.38 करोड़ रुपए के नकली नोट जब्त किए। इस रैकेट का मुख्य आरोपी और तथाकथित योग गुरु प्रदीप जोटांगिया समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

6 यूक्रेनी और 1 अमेरिकी नागरिक 11 दिन की हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने छह यूक्रेनी नागरिकों और एक अमेरिकी नागरिक को राष्ट्रीय जांच एजेंसी की 11 दिन की हिरासत में भेज दिया है। इन पर म्यांमार स्थित एथनिक आर्म्ड ग्रुप्स को प्रशिक्षण देने का आरोप है, जो भारत में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों का समर्थन करते हैं।

छत्तीसगढ़ में अब धर्मांतरण कराने पर उम्रकैद

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 पास हो गया है। अवैध तरीके से धर्मांतरण कराने के मामलों में दोषी पाए जाने पर 7 से 10 साल तक की जेल और कम से कम 5 लाख रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। यदि पीड़ित नाबालिग, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग से हो, तो सजा बढ़ाकर 10 से 20 साल तक की जेल और न्यूनतम 10 लाख जुर्माना देना होगा। वहीं, सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में 10 साल से लेकर आजीवन कारावास होगी। कम से कम 25 लाख रुपए जुर्माना लगेगा।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की हुई शुरुआत

चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा के अवसर पर प्रसिद्ध कंकाली देवी मंदिर प्रांगण अंतरा में की गई प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में जिले में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण, पुनर्जीवन एवं स्वच्छता सुनिश्चित कर जल संकट से निपटने के लिए ठोस पहल करना है। चौत्र नवरात्रि प्रतिपदा के पावन अवसर पर जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत झगरहा के ग्राम अन्तरा स्थित प्रसिद्ध कंकाली देवी मंदिर प्रांगण में प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई के साथ अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रशासन एवं समाज के सहयोग से संचालित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए श्रमदान किया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि धरती को हरियाली की चादर पहनाने हेतु जल स्त्रोंतो का संरक्षण आवश्यक है। जल है तो कल है, जल का काई विकल्प नहीं है। वर्षा के जल एवं जल स्त्रोतों का संरक्षण करके ही जल संवर्धन कर सकते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चौत्र प्रतिपदा से प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 30 जून तक सरकार एवं समाज की सहभागिता से संचालित किया जाना है। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पुराने जल स्त्रोंतों कुआं, तालाब, बावड़ी, स्टाप डैम आदि का जीर्णोद्धार, नदी नालों, की साफ-सफाई एवं पुनर्जीवन देने का कार्य किए जा सकते हैं। सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले भर में जन जागरूकता अभियान नवीन जल संरचनाओं के निर्माण, भू जल संवर्धन तथा जल संरचनाओं की साफ-सफाई तथा नवीनी करण, जल स्त्रोंतों को प्रदूषण मुक्त बनाने सिंचाई जलाशयों एवं नहरों की मरम्मत, जैसे कार्य किए जाएंगे। आपने कहा कि नई निर्मित जल संरचनाओं एवं पुरानी जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेख में दर्ज करने का कार्य भी किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बावड़ी की साफ-सफाई एवं उसके आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ और आकर्षक बनाने हेतु सामूहिक श्रमदान किया गया। बावड़ी की साफ-सफाई एवं उसके आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने हेतु कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अमृता गर्ग, जनप्रतिनिधि जनपद पंचायत अध्यक्ष सोहागपुर हीरावती कोल ग्राम पंचायत सरपंच सुशीला कोल, व्यापारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, परियोजना समन्वयक ग्रामीण आजीविका परियोजना, जिला खनिज अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, ग्रामीणजनों ने श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को बावड़ी जीर्णोद्धार का स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए।

मां भठिया सिंहवाहनी प्रांगण में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर होगी आयुष कान्हा महाराज जी की अमृत वर्षा भागवत ज्ञान यज्ञ का आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)

श्री वृंदावन धाम से पधारे आयुष कान्हा जी महाराज श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह अमृत वर्षा भठिया प्रांगण में होने जा रहा है 21 मार्च को कलश यात्रा प्रारंभ होगी रामनवमी के दिन पूर्णाहुति कथा विश्राम तत्पश्चात विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। आयुष कान्हा जी महाराज की उम्र केवल 12 वर्ष की है 12 वर्ष में ही आपने भागवत कथा के ज्ञान ज्ञान से लोगों में मनभावमे अमृत वर्षा कर रहे हैं और भक्त को भगवान से जोड़ने का जो दायित्व है वह महाराज जी निभा रहे हैं अभी आपकी अमृत वर्षा रीवा चिरहुला नाथ महाराज प्रांगण में चला मा सिंह वाहिनी की प्रेरणा से उन्हीं के छत्रछाया में उनके आशीर्वाद से माता रानी के प्रांगण में भी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ होने जा रहा है जिसमें मुख्य श्रोता माता रानी स्वयं होगी एवं उनके साथ दैनिक जजमान जिन्हें भी पूजा अर्चना करना होगा कोई बाध्यता नहीं रहेगी वह बैठ सकते हैं समस्त क्षेत्र की जनता जनार्दन से अनुरोध है कि महाराज जी की अमृत मयी वाणी का रसपान करने हेतु 21 मार्च से कथा पंडाल में पहुंचे माता रानी का दर्शन लाभ के साथ-साथ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ श्रवण कर अपने जीवन को धन्य करें भागवत कथा ज्ञान यज्ञ की मुख्य संरक्षक जगतगुरु दंडवती महाराज जी आश्रम खाम्ही डोल होंगे कथा के दौरान अन्य महापुरुषों के दर्शन लाभ मिलेगा चैत्र नवरात्रि के साथ-साथ हिंदू नव वर्ष की शुभारंभ हम सभी ज्ञान यज्ञ से ही प्रारंभ करें कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने मैं अपना सहयोग प्रदान करें।

अवैध रेत उत्खनन परिवहन पर की गई कार्यवाही, ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मुखबिर की सूचना पर ब्यौहारी पुलिस टीम द्वारा सनौसी तिराहा के पास घेराबंदी कर एक नीले रंग का स्वराज ट्रैक्टर नम्बर एमपी 18 जेडजे 1154) पकड़ा गया, जो अवैध रेत लोड कर बिक्री हेतु ले जा रहा था। ट्रैक्टर चालक शिवदास गुप्ता नवासी पपौंध ने पूछताछ में बताया कि वह वाहन मालिक अंकित गुप्ता के कहने पर झापर नदी से अवैध रेत लेकर आ रहा था। वैध दस्तावेज न होने के कारण पुलिस ने 7,30,000 रुपये कीमती ट्रैक्टर व रेत को जब्त कर लिया है। आरोपी चालक शिवदास गुप्ता पिता प्रेमचन्द्र गुप्ता उम्र 50 वर्ष निवासी पपौढ थाना पपौध एवं वाहन मालिक अंकित गुप्ता पिता सुरेश गुप्ता उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम सनौंसी थाना ब्यौहारी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मोहन राम तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत व्यापक सफाई अभियान संपन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग एवं कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह के निर्देशानुसार तथा नगर पालिका परिषद शहडोल के अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल एवं उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा (डोली) के मार्गदर्शन में मोहन राम तालाब में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत व्यापक सफाई अभियान का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' 19 मार्च से 30 जून तक संचालित किया जाएगा। मोहन राम तालाब में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पूजा सामग्री कुंड सहित तालाब परिसर की सामूहिक रूप से साफ-सफाई की गई। अभियान के दौरान नगर के पार्षद विकास तिवारी, पार्षद हीरालाल प्रजापति, पूर्व पार्षद प्रभात पांडे, नगर पालिका के कार्यालय अधीक्षक मोतीलाल सिंह, उपयंत्री एस.एस. तोमर, उपयंत्री पुनीत त्रिपाठी, सिटी मिशन मैनेजर सत्यकाम मिश्रा, स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया सहित जनप्रतिनिधियों, पार्षदगण, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्वच्छता मित्रों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी सहभागियों ने मिलकर तालाब परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी ने नागरिकों से अपील की कि वे जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित जल उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी के सहयोग एवं सहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मां काली माता मंदिर सिंहपुर बना ट्रस्ट, 14 वर्षों के संघर्ष के बाद भक्तों के चेहरों पर आई मुस्कान

लंबे इंतजार के बाद मिला आधिकारिक स्वरूप, क्षेत्रीय विकास और धार्मिक गतिविधियों को मिलेगी नई गति

शहडोल (स्वतंत्रमत)

लगभग 14 वर्षों के लंबे संघर्ष और प्रयासों के बाद आखिरकार सिंहपुर स्थित मां काली मंदिर को ट्रस्ट का दर्जा मिल गया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय से क्षेत्र के श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वर्षों से मंदिर के सुव्यवस्थित संचालन और विकास की मांग कर रहे भक्तों के चेहरे अब खिल उठे हैं। मां काली मंदिर, जो कि 50 गांव के क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, लंबे समय से ट्रस्ट गठन की प्रक्रिया में अटका हुआ था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने लगातार प्रयास किए, ज्ञापन सौंपे और कई बार प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और मंदिर को आधिकारिक रूप से ट्रस्ट का रूप दे दिया गया। ट्रस्ट बनने के बाद अब मंदिर के संचालन, रखरखाव और विकास कार्यों में पारदर्शिता आएगी। साथ ही धार्मिक आयोजनों को और भव्य रूप से आयोजित किया जा सकेगा। इससे न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सिर्फ एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि उनकी वर्षों की आस्था और संघर्ष की जीत है। अब उम्मीद जताई जा रही है कि मंदिर परिसर का विस्तार, सौंदर्यीकरण और अन्य विकास कार्य तेजी से किए जाएंगे। मां काली मंदिर ट्रस्ट के गठन से सिंहपुर क्षेत्र को एक नई पहचान मिलने की संभावना है, जिससे आने वाले समय में यह स्थान धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से और अधिक महत्वपूर्ण बन सकता है।

पटवारी, सचिव, रोजगार सहायक व शिक्षकों को जनगणना में सटीकता के निर्देश, प्रशासन सख्त

जनगणना कार्य के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम हॉल में जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण में विकासखंड के राजस्व निरीक्षक, पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, मोबिलाइजर एवं शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर एसडीएम ने जनगणना कार्य की महत्ता बताते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न विकास योजनाओं का निर्माण किया जाता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित प्रपत्रों को पूरी सावधानी और शुद्धता के साथ भरें। प्रशिक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभागियों को जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संग्रहण, डिजिटल माध्यमों के उपयोग एवं प्रपत्रों के सही तरीके से भरने की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उपस्थित कर्मचारियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। एसडीएम सुश्री मेरावी ने सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए, ताकि जनगणना कार्य समयबद्ध और सफलतापूर्वक पूर्ण हो सके। इस अवसर पर तहसीलदार रामप्रसाद मार्को, नायब तहसीलदार शशांक शेण्डे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरगा जलाशय परियोजना में करोड़ों की बर्बादी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) बरगा जलाशय लघु सिंचाई परियोजना में मिली बड़ी अनियमितताओं ने न केवल प्रशासन को झकझोरा है, बल्कि जनता के भरोसे को भी हिला कर रख दिया है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि भारी लापरवाही और वित्तीय अनियमितताओं के कारण परियोजना में करोड़ों रुपये व्यर्थ खर्च हो गए, जबकि प्रभावित किसानों को अपेक्षित लाभ तक नहीं मिला। कलेक्टर कार्यालय की भू-अर्जन शाखा द्वारा जारी निर्देशों में कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग डिंडौरी एस.के. शर्मा की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। वर्ष 2004 में स्वीकृत इस परियोजना के लिए भूमि अर्जन कर मुआवजा राशि का भुगतान किया गया, लेकिन अब परियोजना के निरस्तीकरण का प्रस्ताव सामने आया है, जिससे गंभीर प्रश्न उठते हैं-क्यों इतनी बड़ी रकम खर्च होने के बाद भी जनता तक लाभ नहीं पहुंचा? कलेक्टर ने 3 दिनों के भीतर कार्यपालन यंत्री से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें तकनीकी और प्रशासनिक खामियों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट की जानी है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि रिपोर्ट संतोषजनक नहीं मिली, तो दोषियों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

29 विभागों में सबसे फिसड्डी जल संसाधन विभाग नोटिस के बाद भी जवाब नहीं, अब एक्शन

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। जल संसाधन विभाग का प्रदर्शन सबसे खराब पाया गया है, जिसके चलते विभाग के कार्यपालन यंत्री एस.के. शर्मा पर कार्रवाई की गाज गिरना तय हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के 29 विभागों की समीक्षा में जल संसाधन विभाग को मात्र 58.86 प्रतिशत वेटेज स्कोर मिला, जिसके आधार पर इसे ष्ठ श्रेणी में रखा गया। यह जिले का सबसे निम्न प्रदर्शन माना गया है। बताया जा रहा है कि समय-सीमा बैठकों और विभागीय समीक्षाओं में कई बार सुधार के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद शिकायतों के निराकरण में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। विभाग की लापरवाही के कारण आम नागरिकों की समस्याएं लंबित बनी रहीं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था भी प्रभावित हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कार्यपालन यंत्री एस.के. शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, लेकिन निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने पर इसे अनुशासनहीनता माना गया। अब उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा गया है। जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि सीएम हेल्पलाइन जैसी संवेदनशील व्यवस्था में लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों की जवाबदेही तय कर भविष्य में और कड़े कदम उठाने की बात कही गई है, ताकि आम जनता की शिकायतों का समय पर और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

बीवी-जी राम जी अधिनियम 2025 लागू, ग्रामीणों को 125 दिन रोजगार की कानूनी गारंटी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय विजन के तहत ग्रामीण भारत को सशक्त और समृद्ध बनाने के उद्देश्य से बीवी-जी राम जी अधिनियम 2025 के क्रियान्वयन, जागरूकता और प्रचार-प्रसार के लिए कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने अधिनियम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के अकुशल वयस्क सदस्यों को हर वित्तीय वर्ष में 125 दिनों का मजदूरी रोजगार वैधानिक रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। यह कदम ग्रामीण विकास की सुदृढ़ रूपरेखा स्थापित करने में अहम है।

अधिनियम के तहत जल संरक्षण, आधारभूत अवसंरचना निर्माण, आजीविका संवर्धन और प्रतिकूल मौसमीय परिस्थितियों के शमन से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। सभी कार्य विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं के माध्यम से किए जाएंगे और राष्ट्रीय योजनाओं, जैसे पीएम गति-शक्ति, से एकीकृत होंगे।

कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि कृषि के व्यस्त समय, जैसे बुवाई और कटाई के दौरान, श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु अधिकतम 60 दिनों की अवधि में अधिनियम के तहत कार्य नहीं कराए जाएंगे। यह योजना केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित है, जिसमें वित्तीय भागीदारी पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों के लिए 90:10 और अन्य राज्यों के लिए 60:40 के अनुपात में होगी। प्राकृतिक आपदाओं या विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार विशेष छूट भी प्रदान कर सकती है। जिला कार्यक्रम समन्वयक योजना के क्रियान्वयन, निगरानी और समन्वय के जिम्मेदार होंगे, जबकि ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम अधिकारी और ग्राम पंचायत कार्य निष्पादन और श्रमिक पंजीयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। ग्राम सभाएं नियमित सामाजिक अंकेक्षण के जरिए पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि मजदूरी दरें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएंगी, और समय पर कार्य न मिलने पर पात्र हितग्राहियों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए योजना में बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण, स्पैटियल टेक्नोलॉजी आधारित योजना निर्माण, मोबाइल और डैशबोर्ड आधारित निगरानी, तथा साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण की व्यवस्था की गई है।

केंद्र स्तर पर अधिनियम के प्रचार-प्रसार हेतु तीन प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं-लोगो डिजाइन, वीडियो/रील निर्माण और क्विज प्रतियोगिता-, जिनमें चयनित प्रतिभागियों को आकर्षक नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रेसवार्ता में मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा ललित वैद्य, परियोजना अधिकारी मनरेगा प्रदीप कुमार शुक्ल, जिला प्रबंधक ग्रामीण आजीविका मिशन अर्पणा पांडेय और पत्रकारगण उपस्थित थे।

जिला बना प्रदेश में नंबर-1, एचपीवी टीकाकरण अभियान में रचा रिकॉर्ड

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले में चल रहे (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान में डिंडौरी ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे मध्यप्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। जारी जिला-वार रिपोर्ट के अनुसार डिंडौरी ने 66.26 प्रतिशत टीकाकरण के साथ प्रदेश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। पत्र में उल्लेखित जानकारी के अनुसार जिले को 7,913 का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध अब तक 5,243 हितग्राहियों का टीकाकरण किया जा चुका है। यह प्रदर्शन प्रदेश के अन्य जिलों की तुलना में सबसे बेहतर रहा है। इस उपलब्धि के पीछे कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत डिंडौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी की प्रभावी कार्ययोजना को प्रमुख कारण बताया गया है। प्रशासन द्वारा सतत मॉनिटरिंग, गांव-गांव जागरूकता अभियान और विभागीय समन्वय के चलते टीकाकरण अभियान को गति मिली। स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से जिले में टीकाकरण को लेकर सकारात्मक माहौल बना, जिससे लक्ष्य की दिशा में तेजी से प्रगति हुई। प्रशासन ने शेष लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण करने के लिए अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की अंतिम मुहर के बाद अब 30 सालों बाद मिला खरीददार को इंसाफ

जमीन बेचकर मुकर गया था मालिक, कब्जा करवाया जाएगा खाली

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जमीनी विवाद संबंधित मामले में पिछले तीस सालों से न्यायालय के चक्कर काट रहे एक परिवार को आखिरकार देश की सर्वोच्च अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिल ही गया। यह मामला तब शुरू हुआ जब शहर के एक व्यक्ति ने आधारताल क्षेत्र में एक जमीन खरीदी। जिसके सौदे से बाद में उक्त जमीन का सौदा करने वाला मालिक मुकर गया।

ये है पूरा मामला

दरअसल, साल 1995 में दीक्षितपुरा निवासी योगेश कुमार अवस्थी ने रेंगवा आधारताल की बेशकीमती 2 एकड़ जमीन को बेचने का सौदा सुभाष चंद्र केसरवानी के साथ किया था, लेकिन बाद में वे इस सौदे से मुकर गए तो यहाँ से विवाद शुरू हो गया और मामला लोअर कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक गया लेकिन हर स्तर पर फैसला खरीदार केसरवानी के हक़ में हुआ। फिर जब ज़मीन पर कब्ज़ा दिलाने की प्रक्रिया शुरू हुई। पीड़ित ने बताया कि इसी बीच योगेश कुमार अवस्थी की बेटी रश्मि अवस्थी द्वारा कानून की आँखों में धूल झोंककर उक्त जमीन को हड़पने का पारिवारिक खेल खेला गया, जिसका सुप्रीम कोर्ट की मुहर के साथ अब पूरी तरह से अंत हो गया है।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश राजेश बिंदल और न्यायाधीश विजय बिश्नोई की युगल पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने और हस्तक्षेप करने से इंकार करते हुए रश्मि अवस्थी की अपील को सिरे से खारिज कर हाईकोर्ट के रुख को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि हमें इस मामले में ऐसा कोई आधार नहीं मिला जिसके तहत विवादित आदेश में हस्तक्षेप किया जा सके।

बताया जा रहा है कि हाईकोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी की थी कि जहां एक ओर तो बेटी रश्मि, उसके भाई राजेश और माँ गीता कोर्ट में अपने हक की गुहार लगा रहे थे, वहीं दूसरी ओर अपील लंबित रहने के दौरान पिता की मृत्यु होते ही रश्मि ने अपनी मां और भाई के साथ मिलकर उसी विवादित ज़मीन के तीन हिस्से मेसर्स बालाजी गोल्डन टाउन, शकुन राय और शाहिदा नाज को गुपचुप तरीके बेच डाले, जो कि केवल खरीदार केसरवानी को उसके वास्तविक कानूनी हक से वंचित करने की दुर्भावनापूर्ण कोशिश थी।

क्रेता के पक्ष में होगी रजिस्ट्री

पीड़ित ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाईकोर्ट के फैसले पर अंतिम मुहर लगने से हुई केसरवानी की जीत के चलते रश्मि अवस्थी की वर्षों पुरानी लड़ाई का अंत हो गया है क्योंकि अब जमीन की रजिस्ट्री में टालमटोल की स्थिति में जिला अदालत अपने प्रतिनिधि के माध्यम से खरीददार केसरवानी के पक्ष में रजिस्ट्री करेगी। तदोपरांत पुलिस बल की मदद से जमीन को खाली करवाकर केसरवानी को कब्जा दिलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, मुकदमा चलने के दौरान डिक्रीशुदा जमीन को दूसरे व्यक्तियों को धोखे से बेचने और लाभ कमाने के कारण अवस्थी परिवार पर धोखाधड़ी के अपराध के दर्ज मामले में जिला अदालत द्वारा दंड दिए जाने के सम्बन्ध में फैसला लिया जाना है ।

नानी की संपत्ति पर नहीं चलता बेटी का हक

बताया जा रहा है कि इस मामले में हाई कोर्ट फैसला सुनाते हुए कहा था कि पारिवारिक संपत्ति विवाद में बेटी की हिस्सेदारी की दावेदारी खारिज करते हुए कहा कि हिंदू बेटी को हर सम्पत्ति में जन्मजात अधिकार नहीं होता है। यदि कोई संपत्ति किसी पुरुष को उसकी नानी से मिलती है तो ननिहाल से मिली संपत्ति कानूनी रूप से पुश्तैनी (पैतृक संपत्ति) नहीं मानी जाती है, बल्कि वह पिता की निजी अर्जित संपत्ति की श्रेणी में आती है। इसलिए पिता उस संपत्ति का पूर्ण स्वामी होने से उसे वह सम्पत्ति किसी अन्य को देने या बेचने का पूरा कानूनी हक होता है।

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार छिपाने परत पर चढ़ाई परत

सरपंच-सचिव के कारनामों की कलेक्टर से शिकायत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181, जिसे जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण का माध्यम माना जाता है, अब जनपद में बैठे अधिकारियों की लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। ताजा मामला ग्राम पंचायत हरदुली का है, जहां जनपद सदस्य अशोक पटेल ने सड़क निर्माण में हुए भारी भ्रष्टाचार को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

जनपद सदस्य अशोक पटेल ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत हरदुली में सरपंच विश्व देवी पंचदेव द्वारा गुणवत्ताहीन सामग्री और खराब सीमेंट से सड़क का निर्माण कराया गया। मानक के अनुरूप तराई न होने के कारण सड़क से गिट्टियां निकलने लगी थीं। हैरानी की बात यह है कि जब इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की गई, तो एल1, एल2 और फिर एल3 स्तर के अधिकारियों ने बिना किसी जमीनी जांच के, ऑफिस में बैठकर ही शिकायत को यह कहकर स्थगित या बंद कर दिया कि शिकायतकर्ता जनपद सदस्य है और यह मांग आधारित शिकायत है।

भ्रष्टाचार छिपाने का नया पैंतरा

शिकायतकर्ता के अनुसार, जब भ्रष्टाचार का मामला सोशल मीडिया पर उछला और कलेक्टर तक शिकायत पहुँची, तो अपनी गर्दन बचाने के लिए सरपंच और सचिव ने आनन-फानन में 2 माह पुरानी सड़क पर ही 2 इंच की एक और परत बिछा दी। जनपद सदस्य का कहना है कि पुरानी सड़क पर दोबारा परत चढ़ाना ही इस बात का पुख्ता सबूत है कि पहले किया गया निर्माण पूरी तरह मानक विहीन था।

कलेक्टर से जांच की मांग

जनपद सदस्य अशोक कुमार पटेल ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि यदि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि की शिकायत पर अधिकारी इस तरह का टालमटोल भरा रवैया अपना रहे हैं, तो आम नागरिक की सुनवाई कैसे होती होगी? उन्होंने मांग की है कि इस पूरे मामले की बारीकी से जांच कराई जाए और सरकारी धन का दुरुपयोग करने वाले दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

श्रीराम कथा की हुई शुरुआत शोभायात्रा में शामिल रहीं महिलाएं

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । चैत्र नवरात्र के प्रथम दिवस के अवसर पर बड़ी खेर माता मंदिर प्रांगण में होने जा रही दस दिवसीय श्रीराम कथा की कलश यात्रा गुरुवार को शाम कथा स्थल मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के छोटी मढ़िया ,बड़ी मढ़िया ,राम मंदिर ,शनी मंदिर ,हनुमान मंदिर ,राधा कृष्ण कुटी, बावली मंदिर में पूजन अर्चन करने के बाद नगर भ्रमण करते हुए कथा स्थल में पहुंची। जहां पर कथा वाचक प्रिया समर्थ ने श्रीराम कथा के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। बैंड बाजा के साथ सतरंगी आतिशबाजी के बीच कलश यात्रा का जगह जगह स्वागत हुआ। इस मौके पर कपिल गर्ग, राजीव तिवारी, धर्मेंद्र सिंह राजपूत ,हेमचंद असाटी आदि शामिल रहे।

जैन समाज ने मरीजों को बांटे फल और रोपे पौधे

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हिंदू नववर्ष के शुभ अवसर पर गोसलपुर मे दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय क्षेत्र समिति सम्मेद गिरी गोसलपुर ने शासकीय प्राथमिक स्वास्थ केंद्र गोसलपुर में मरीजों को फलों का वितरण किया और विद्या सागर सेवा आश्रम समिति गौशाला में समिति के सदस्यों ने पौधारोपण किया एवं गौवंशो को फल एवं हरा चारा खिलाते हुए गौशाला के गौसेवकों को वस्त्र वितरित किए गए इस कार्य मयंक तिवारी , आज़ाद जैन , आशीष जैन , संजय जैन ,आकाश जैन ,अमित जैन , यतेन्द्र जैन ,मनीष जैन ,समर्थ जैन,अर्चित नायक ,मुदित जैन ,संदीप जैन ,मयंक जैन ,सिद्धार्थ जैन आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारियों की जीआईएस कटौती राशि बढ़ाई जाए

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। मप्र जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि वर्तमान समय में प्रदेश के कर्मचारियों की समूह बीमा योजना के अन्तर्गत क्लास श्री कर्मचारियों से 200रू प्रतिमाह काटा जा रहा है जो की न्यूनतम राशि है जिसके तहत कर्मचारियों का बीमा सिर्फ दो लाख रूपये होता है जो कि आज के इस मंहगाई के दौर में बहुत कम है। अत: कर्मचारियों की समूह बीमा राशि प्रतिमाह बढ़ा कर 1000रू किया जाना चाहिए। क्योंकि जितनी न्यूनतम राषि कर्मचारियों की काटी जाएगी उतनी ही न्यूनतम राशि का बीमा हो पाएगा। परंतु यदि 1000 रूपये प्रतिमाह काटे जाते हैं तो कर्मचारियों का दस लाख का बीमा किया जा सकता है। संघ ने आगे बताया कि समूह बीमा योजना राशि कर्मचारियों के वेतन से काटी जाती है यदि 1000रू राशि कर्मचारियों के खाते से काटी जाती है तो इससे सरकार पर किसी प्रकार का वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

कर्मचारी ट्रांसफर के बाद भी रह सकते हैं अपने क्वार्टरों में

रेलवे बोर्ड के नए नियम से कर्मचारियों में खुशी की लहर

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । पश्चिम मध्य रेलवे सहित देश के हजारों रेल कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है जिनका तबादला दूसरे जोन या प्रोजेक्ट्स में होता रहता है। अब उन्हें ट्रांसफर होने पर पुराना रेलवे आवास नहीं छोडना होगा। रेलवे बोर्ड ने एक नया आदेश 18 मार्च को जारी कर पुराने रेलवे क्वार्टर को अपने पास रखने (रिटेंशन) के नियमों में ढील दी है। दूसरे शहर में ट्रांसफर होने पर कर्मचारियों को रेलवे क्वार्टर खाली करना पड़ता है, जिससे परिवार और बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ता है। अब कुछ खास जोन और प्रोजेक्ट्स में ट्रांसफर होने पर कर्मचारी अपना पुराना घर अपने पास रख सकेंगे। इसे दो श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी में निर्धारित लाइसेंस फीस पर-अगर किसी कर्मचारी का ट्रांसफर एसईसीआर, डब्ल्यूसीआर, ईसीओआर, एनईआर, ईसीआर, एसडब्ल्यूआर जैसी रेलवे, यूनिट्स या आरसीएफ, एमसीएफ जैसी वर्कशाप में होता है, तो वे तय फीस देकर पुराना घर रख सकते हैं। दूसरी श्रेणी में सामान्य लाइसेंस फीस पर- अगर पोस्टिंग नार्थ फ्रंटियर रेलवे , साउथ कोस्ट रेलवे, रायगढ़ (ओडिशा) या जम्मू जैसे नए डिवीजनों और यूएसबीआरएल जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में होती है, तो कर्मचारी सामान्य किराए पर ही पुराना घर रख पाएंगे।

हड़ताल पर जाने की धमकी से घबराया रेलवे

रनिंग स्टाफ का बढ़ा दिया भत्ता

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । सातवें वेतन आयोग लागू होने के साथ रेलवे के कर्मचारियों का भत्ता तो बढ़ा दिया गया था लेकिन रनिंग स्टॉफ के करीब साठ हजार से अधिक कर्मचारी ऐसे बचे थे, जिन्हें यह लाभ नहीं मिल रहा था। कर्मचारियों के इस मामले को लेकर एनएफआईआर और डब्ल्यूसीआरएमएस ने रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय, वित्त विभाग में अपनी दलील रखते हुए उच्च स्तरीय बैठक में अल्टीमेटम दिया कि यदि उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो देशव्यापी हड़ताल की जाएगी।जिसके बाद रेल प्रशासन ने स्वीकृति प्रदान कर दी । एनएफआईआर और मजदूर संघ के प्रयासों से 50 प्रतिशत डीए वृद्धि के साथ ही अब रनिंग स्टाफ के भत्ते में बढ़ोतरी सुनिश्चित हो गई है। लंबे समय से उठाई जा रही इस जायज़ मांग को आखिरकार मंजूरी मिल गई है। पिछले दिनो वित्त मंत्रालय सचिव और रेल मंत्री दोनों से मुलाकात में इस मुद्दे पर फिर से उनका ध्यान आकर्षित कराया गया था जिस पर उन्होने जल्दी आदेश जारी होने की बात कही थी। बोर्ड औपचारिक आदेश जारी कर सकता है। पचास प्रतिशत डीए की वृद्धि एक जनवरी 24 को की गई थी।

लकीस किचन प्रतिष्ठान पर प्रशासन की कार्रवाई

अवैध तेरह सिलेण्डर जब्त, जिसमें आठ घरेलू गैस सिलेण्डर

जबलपुर। जिला प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम ने सिविल लाईन के इंद्रा मार्केट स्थित लकीस किचिन प्रतिष्ठान पर छापेमार कार्रवाई की। जहां से टीम ने बिना किसी वैध दस्तावेज के गैस सिलेण्डरों का अवैध भण्डारण पाया। टीम ने दुकान व स्टोर से तेरह सिलेण्डर जब्त किये। जिसमें आठ घरेलू सिलेण्डर व पांच व्यवसायिक सिलेण्डर के साथ ही डबल बर्नर की दो भट्टिया जब्त की गई है। उक्त पूरी कार्रवाई दुकान संचालक लकी काटीदार की उपस्थिति में की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिला दंडाधिकारी के निर्देश गठित जांच दल जिसमें तहसीलदार व पुलिस की संयुक्त टीम ने इंद्रा मार्केट में लकीस चिकिन प्रतिष्ठान में दबिश दी। जहां घरेलू प्रवर्ग के 2 गैस सिलेण्डर को बर्नर गैस चूल्हा से रेगुलेटर पाईप से जोड़कर प्रतिष्ठान में खाद्य सामग्री रोटी, चावल दाल एवं सब्जी निर्मित की जाकर उपभोक्ताओं को विक्रय किया जाना पाया गया। इसके साथ ही व्यवसायिक प्रवर्ग के 2 खाली गैस सिलेण्डर प्रतिष्ठान में रखे पाये गये।

घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग

इस प्रकार घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक रूप से दुरूपयोग किया जाना पाया गया। लकीस किचन के बाजू से थोड़ी दूर पर स्थित प्रतिष्ठान के स्टोर रूम घरेलू प्रवर्ग के 6 सिलेण्डर जिसमें 1 सिलेण्डर आंशिक रूप से भरा हुआ था 5 खाली पाये गये तथा व्यवसायिक प्रवर्ग 3 सिलेण्डर जिसमें एक सिलेण्डर आंशिक रूप से भरा हुआ तथा 2 खाली पाये गये। मौके पर उपस्थित लकीस किचन के संचालक बिनोद कुमार काटीदार द्वारा उक्त सभी घरेलू एवं व्यवसायिक गैस सिलेण्डरों के वैध कनेक्शन के संबंध में किसी भी प्रकार के कोई दस्तावेज नही प्रस्तुत किये गये। बिनोद कुमार काटीदार ने अपने कथन में स्वीकार किया कि उसके द्वारा प्रतिष्ठान में घरेलू प्रवर्ग के गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक रूप से दुरूपयोग किया जा रहा है। टीम ने उक्त तेरह सिलेण्डर और भट्टी जब्त करते हुए प्रतिष्ठान के प्रोपराईटर के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की।

गर्मी के कारण कचरे के ढेरों में लग रही आग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गर्मी की शुरुआत के साथ ही कचरे के ढेरों में आग लगने की घटनाओं शुरू हो चुकी है। शास्त्री ब्रिज के नीचे जमा कचरा सुलगता हुआ ज्वालामुखी बन चुका है। शास्त्री ब्रिज के नीचे बना डंपिंग जोन अब स्थानीय निवासियों और राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। यहां आए दिन लगने वाली आग ने वायु प्रदूषण के स्तर को खतरनाक स्थिति में पहुंचा दिया है। गत दिवस एक ही दिन में शहर के दो अलग-अलग स्थानों पर कचरे के पहाड़ धधक उठे। सुबह 6.25 बजे शास्त्री ब्रिज के नीचे कचरे के ढेर में भीषण आग लग गई इसके कुछ ही घंटों बाद दोपहर में छुई खदान क्षेत्र में कचरे के ढेर ने आग पकड़ ली। यहां रांझी से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को बुझाया। इन घटनाओं ने नगर निगम के स्वच्छता अभियान की पोल खोलकर रख दी है। बुधवार को हुई आगजनी ने आसपास के रहवासी क्षेत्रों में दहशत फैला दी। बिलहरी क्षेत्र में भी हनुमान मंदिर के पास लगे पेड़ के सूखे पत्तों में आग लगने की खबर मिली जिसे स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड के आने से पहले ही बुझा लिया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि शहर का वातावरण किस कदर असुरक्षित होता जा रहा है।

विक्रमोत्सव पर गौरीघाट में सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। सृष्टि के आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा और भारतीय नव वर्ष विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ पर आज गौरीघाट में भव्य सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें माँ नर्मदा के पवित्र तट गौरीघाट में संतजनों के सान्निध्य में ब्रम्ह ध्वज का पूजन कर सूर्य उपासना की गई। कार्यक्रम में सूर्य उपासना के बाद सम्राट विक्रमादित्य नाटक का मंचन भी किया गया। इस अवसर पर स्वामी अखिलेश्वरानंद महाराज ने विक्रम संवत के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आज का दिन पूरे भारतवर्ष के लिए ही नहीं बल्कि पूरे ब्रम्हांड के लिए महत्वपूर्ण है। यह आनंद और उपकार का दिन है। यह सृष्टि के लिए कृतज्ञता का दिन है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि मुनियों ने भारतीय संस्कृति को पल्लवित व पुष्पित किया। भारत की संस्कृति अध्यात्म मूलक है, जहां जीव मात्र के प्रति मंगल कामना करने वाली संस्कृति है। कार्यक्रम के दौरान विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु, नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, डॉ. जीतेन्द्र जामदार, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार व सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत सहित सभी अधिकारी व जन सामान्य मौजूद थे।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आज से

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। भागवत जन कल्याण सेवा समिति, रांझी जबलपुर द्वारा भक्तिमय वातावरण में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन 20 मार्च से 26 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगी। कार्यक्रम के प्रथम दिवस, दिनांक 20 मार्च 2026 को दोपहर 3 बजे भव्य शोभायात्रा तुलसीनगर से प्रारंभ होकर कथा प्रांगण तक पहुंचेगी, जिसमें श्रद्धालुजन बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे।कथा व्यास के रूप में श्रीधाम वृंदावन से पधारे प्रख्यात वक्ता डॉ. संजयकृष्ण सलिल जी श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत महापुराण की दिव्य कथाओं का रसपान कराएंगे। कथा का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के सामने स्थित मैदान, रांझी में किया जाएगा। इस पावन आयोजन के मुख्य यजमान श्रीमती शांति मिश्रा हैं। आयोजक समिति ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करें, पुण्य लाभ अर्जित करें एवं धर्ममय वातावरण का लाभ उठाएं।

हनुमान जन्मोत्सव पर पोस्टकार्ड अभियान की शुरूआत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर में चल रहा एक अनोखा अभियान सुर्ख़ियों में बना हुआ है । दरअसल सिहोरा तहसील के अंतर्गत गोसलपुर कस्बे में हिंदुओं के आराध्य देव हनुमान जी के जन्मोत्सव पर्व के उपलक्ष्य में शासन से अवकाश घोषित कराने की मांग को लेकर पोस्टकार्ड व हस्ताक्षर अभियान नगर के विभिन्न वार्डों में चलाया जा रहा है। हिंदू सनातनी पोस्टकार्ड व हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य पर शासकीय अवकाश घोषित करने की मांग के पोस्टकार्ड मुख्यमंत्री कार्यालय भोपाल भेज रहे हैं। इस अभियान में जनता भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

सड़क हादसे में घायल वृद्ध की मौत

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। मदनमहल क्षेत्र में विगत 12 मार्च को सड़क हादसे में घायल हुए लार्डगंज पुलिस कालोनी निवासी 61 वर्षीय मुन्नालाल सिंह की उपचार दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

अवैध कॉलोनियों पर चला नगर निगम का बुलडोजर

नोटिस किया जारी, रजिस्ट्री की प्रक्रिया पर लगेगी रोक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर में अवैध निर्माण और बिना अनुमति विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ नगर निगम ने अपनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। नगर निगम की इस सक्रियता का मुख्य उद्देश्य शहर के व्यवस्थित विकास को सुनिश्चित करना और नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाना है। नगर निगम ने दो प्रमुख क्षेत्रों में कड़ी कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किए हैं और रजिस्ट्री पर रोक लगाने की प्रक्रिया शुरू की है। अब्दुल कलाम वार्ड कुदवारी में खसरा नंबर 135 पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाई जा रही कॉलोनी के मामले में इमरान और प्रकाश कुमार श्रीवास्तव को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया है। इसकी सूचना अनुविभागीय अधिकारी अधारताल को भी दी गई है।

इसी प्रकार अमखेरा क्षेत्र में खसरा नंबर 247 पर सुरेश कुमार द्वारा विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी शिवधाम की खरीद-बिक्री, नामांतरण और अंतरण पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए वरिष्ठ जिला पंजीयक को सूचित कर दिया गया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने नागरिकों के किसी भी कॉलोनी में प्लॉट खरीदने से पहले नगर निगम कार्यालय से उस भूमि की वैधता और स्वीकृतियों की जानकारी अवश्य प्राप्त करने की अपील की है।

खाली करवाया अवैध कब्जा

इसी प्रकार नगर निगम के अतिक्रमण निरोधी दस्ते ने लमती स्थित मानस चौक पर बड़ी कार्रवाई की। जनहित और सुगम यातायात को प्राथमिकता देते हुए नगर निगम ने यहाँ लगभग 2500 वर्गफुट क्षेत्र को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। निगमायुक्त के निर्देशन में टीम ने सुबह ही मानस चौक पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की, लगभग 2500 वर्गफुट क्षेत्र, जिस पर लंबे समय से अवैध कब्जा था, उसे पूरी तरह साफ कर दिया गया है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य मानस चौक और आस-पास के क्षेत्रों में यातायात के दबाव को कम करना और स्थानीय निवासियों के लिए आवागमन आसान बनाना है।

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन शैलपुत्री की हुई पूजा अर्चना

उमरिया (स्वतंत्रमत)

चैत्र नवरात्रि का पर्व प्रारंभ हो गया है। बैठकी के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। चैत्र की बैठकी के दिन जिला मुख्यालय के ज्वालामुखी मंदिर, शारदा देवी मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर, शाकाम्भरी देवी मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरो में प्रात: काल से ही भक्तों की भीड दर्षन के लिए उमडी। यह सिलसिला देर दोपहर तक चलता रहा। नवरात्रत को दृष्टिगत रखते हुए आकर्षक ढंग से सजाया गया है, जिसकी शोभा देखते ही बनती है। मंदिरो में घट स्थापना का सिलसिला बैठकी से प्रारंभ हो गया है जो आगामी नौ दिनो तक चलता रहेगा। इसके साथ ही बैठक के दिन भक्तों के द्वारा अपने अपने घरो में भी जवारे कलष स्थापित किए गए है। इसी तरह नौरोजाबाद के उंचेहरा धाम तथा चंदिया में चंडिका माता मंदिर में भक्तों की भीड माता की पूजा अर्चना करने पहुंची एवं परिवार की सुख समृध्दि की कामना की गई।

कलेक्टर ने चैत्र प्रतिपदा के अवसर पर मां विरासिनी की पूजा अर्चना

चैत्र प्रतिपदा के अवसर पर नवरात्र के प्रथम दिन कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बिरसिंहपुर पाली स्थित मां विरासिनी मंदिर में पूजा अर्चना की तथा घट स्थापित किया एवं जिले तथा प्रदेश के विकास एवं जिलावासियो एवं प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की कामना की। मां विरासिनी देवी में घट कलश स्थापना का विशेष महत्व माना जाता है। यहां रामनवमी के अवसर पर जवारे का आयोजन संपन्न होता है, जिसमें लाखों की संख्या में श्रध्दालु भाग लेते है। चौत्र नवरात्र में मां विरासिनी देवी मंदिर प्रांगण में नव दिवसीय मेला भरता है। जिसमें जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर प्रदेश के अन्य जिलों तथा अन्य प्रदेशों से व्यापारी भी आते है। इस अवसर पर एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, तहसीलदार, एसडीओपी पुलिस, नगर निरीक्षक, पुजारी, पत्रकार एवं बडी संख्या में श्रध्दालु उपस्थित रहे। विदित हो कि वरासिनी देवी मंदिर के लिए नवरात्रि विशेष होती है। समिति द्वारा भोग लगाकर विशाल भण्डारा आयोजित किया जाता है तथा दर्शनार्थियो को प्रसाद बांटा जाता है। मां विरासिनी देवी को नवरात्रि के अवसर पर विभिन्न नौ रूपों में दर्शन किया जाता है। महाअष्टमी के दिन देवी का विशेष श्रृंगार किया जाता है जो स्वर्ण जडित होता है। इस मंदिर का निर्माण 10वीं शताब्दी में कल्चुरी राजाओं द्वारा किया गया था। पाली स्थित मां विरासिनी मंदिर कटनी, शहडोल रेल एवं सडक मार्ग पर पडता है। ऐसा माना जाता है कि श्रद्धालुओ द्वारा कलश पूजन एवं दीपक जलाने से उनकी मनोकामनाएं पूरी होती है। रामनवमी के दिन काली नृत्य के साथ भव्य जवारा कलश यात्रा निकाली जाती है, जिसमें जिले सहित अन्य जगहो से श्रध्दालुगण शामिल होते है।ब्रम्हध्वज की स्थापना तथा सूर्य उपासना के साथ विक्रमोत्सव का हुआ शुभारंभ।

फ्रांस की थेरेपिस्ट इण्डियाजी पहुंची हार्टफूलनेस सेंटर उमरिया

उमरिया (स्वतंत्रमत) - हार्टफूलनेस संस्था से जुड़ी फिजियो थेरेपिस्ट इंडियाजी आज जिला मुख्यालय में स्थित हार्टफूलनेस सेन्टर 9 नम्बर कालोनी उमरिया पहुंची।उन्होने बताया कि हिन्दुस्तानी संस्कृति परम्परा आरोग्य शास्त्र की विधाऐं, योग,प्राणायाम ध्यान मुझे काफी पसंन्द आती है।हार्टफूलनेस संस्था से जुड़ने के पश्चात मुझे लगता है कि ध्यान ही ऐसा सूत्र है जो आपके शारिरीक व मानसिक स्वास्थ्य में क्रांति ला सकता है और इस परिवर्तन को मेंने महसूस किया है।शायोप्रस संस्थान व नव स्वदेश के विजय जोशी ने उन्हे मुद्रा योग ,सुजोक,एक्युप्रेशर के तरीकों के बारे मे बताया जो उनके प्रमुख फ्रोफेसन फिजीयो थेरेपिस्ट में काफी मददगार साबित होगा यह सब जानकर वह अत्यंत प्रसन्न हुई और कहा कि में पुन: भारत आने पर विस्तार से आपसे सीखूंगी यह वाकई मेरे लिये व मरीजों के लिये लाभप्रद होगा। हार्टफूलनेस संस्था के श्रीमती प्रणाली पिसे,श्रीमती अशोका, श्री विनायक पिसे ने उन्हे हार्टफूलनेस के अभ्यास ,सुबह के ध्यान व शाम की सफाई तथा रात को सोने के पूर्व की जाने वाली प्रार्थना के बारे में विस्तार से बताया व हार्टफूलनेस संस्था पुस्तक भेंट की। इण्डियाजी ने बताया कि विश्व आनन्द दिवस पर भोपाल मे आनंद के आयाम कार्यक्रम जो कि प्रशासन अकादमी में हार्टफुलनेस संस्था के गाईड कमलेश पटेल दाजी जी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के सनिध्य में सम्पन्न हो रहा है उसमें अपनी उपस्थिति के लिये मैं काफी उत्साहित हूं। इस दौरान श्रीमती रौनक सोनी,वंश,पार्थ ,मिस राखी की उपस्थिती अत्यंत सराहनीय रही।

विक्रमोत्सव नव वर्ष के अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य का किया गया मंचन

उमरिया (स्वतंत्रमत) - भारत का नववर्ष विक्रम संवत 2083 की शुरूआत चौत्र प्रतिपदा से हुई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार की पहल पर विक्रमोत्सव के उपलक्ष्य में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य का मंचन अंकित मिश्रा के नेतृत्व में रंग उत्सव नाट्य समिति रीवा व्दारा सामुदायिक भवन उमरिया में किया गया। यह आयोजन संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश,मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दल के कलाकारों ने ब्रम्हध्वज सूर्य उपासना के साथ किया। इस नाटक में सम्राट विक्रमादित्य के मालवा के शासक बनने के पहले,शको को हराकर सत्ता संभालने, कुलदेवी हरसिध्दी की उपासना,उनके नवरत्नों जिनमें कालिदास, वराहमिहिर,अमर सिंह, धन्वंतरि, क्षपणक, शंकु, वेताल भट्ट, घटकर्पर और वररुचि शामिल थे। इनके सहयोग से संस्कृति कला और ज्ञान के संगम से न्याय धर्म और कला की स्थापना का प्रस्तुतिकरण दिया गया। उनके काल में विक्रम संवत की शुरूआत कालगणना का शुभारंभ, राज्य विस्तार तथा सिंहासन बत्तीसी, बेताल पच्चीसी जैसी रचनाओं में प्रचलित कहानियों का मंचन किया गया।

ब्रम्हध्वज की स्थापना तथा सूर्य उपासना के साथ विक्रमोत्सव का हुआ शुभारंभ

सम्राट वि मादित्य एक सार्वभौमिक महानायक थे - कलेक्टर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्रदेश सरकार की पहल पर जिले में नव वर्ष विक्रम संवत का कार्यक्रम सामुदायिक भवन उमरिया में अतिथियों व्दारा ब्रम्हध्वज की स्थापना तथा सूर्य उपासना के साथ संपन्न हुआ। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने चौत्र नवरात्रि प्रतिपदा तथा नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व्दारा भारतीय संस्कृति,धर्म एवं कला के संरक्षण की दिशा में उठाया गया,यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होने कहा कि नृत्य नाटिका के माध्यम से वैदिक परंपराओ से अवगत होने का अवसर मिला है।आने वाली पीढ़ी को इस नृत्य नाटिका से प्रेरणा लेनी चाहिए।उन्होने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य एक सार्वभौमिक महानायक थे। उन्होने राज्य विस्तार के साथ ही अपनी न्यायप्रियता तथा राज्य संचालन से जनता का मन मोह लिया था। उनकी छवि एक आदर्श राजा की थी, उनके नव रत्नों व्दारा कला, संस्कृति और ज्ञान का अदभुत विकास किया गया। विक्रमादित्य सभी धर्मो का सम्मान करते थे,उनके काल में मंदिरो, विहारों एवं शिक्षा केंद्रो का निर्माण हुआ। सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि हिंदू नववर्ष का पर्व हमे हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति से जोड़ता है। सम्राट विक्रमादित्य ने संगठित प्रशासनिक प्रणाली विकसित की जिसमें न्याय व्यवस्था, अर्थ व्यवस्था, रक्षा व्यवस्था और शिक्षा का विशेष महत्व था। वे स्वयं जनता के मामलों को सुनते थे और उचित निर्णय लेते थे जिसके कारण लोक गाथाओ में उन्हें धर्म का संरक्षक माना गया। आपने कहा कि हिंदू नव वर्ष सनातन संस्कृति का वाहक है,इसकी शुरूआत ज्ञान, विज्ञान एवं धर्म से जोडकर की गई है।

वनविकास निगम के क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने चंदिया नर्सरी का किया निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्रमत) - मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम के क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक बृजेंद्र झा ने बुधवार 18 मार्च को उमरिया जिले की चंदिया नर्सरी का निरीक्षण किया। उन्होंने रोपणी और हाईटेक नर्सरी में चल रहे कार्यों का जायजा लिया और बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक झा ने रोपणी में बन रहे सागवान बेड की जानकारी ली और उनका अवलोकन किया। उन्होंने विशेष रूप से हाईटेक नर्सरी के कार्यों का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रेरित किया।चंदियों में हाईटेक रोपणी तैयार की जा रही है जिसमें की पॉलीहाउस में पौधों को तैयार किया जाएगा जिससे और अच्छे पौधे तैयार होंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया की कार्यकारिणी घोषित

परिषद क्षेत्र के नगर अध्यक्षों की भी हुई नियुक्ति

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के कार्यकारिणी एवं नगर पालिका क्षेत्र में कांग्रेस के नगर अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। जिला संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश संगठन महासचिव संजय कमले द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया की कार्यकारिणी घोषित की गई है जिसमें की 31 सदस्य होंगे अध्यक्ष इंजीनियर विजय कुमार कोल संगठन महासचिव एडवोकेट पुष्पराज सिंह, कोषाध्यक्ष' ओमप्रकाश गुप्ता, उपाध्यक्ष रामगोपाल दहिया, सुखसेन कोल, ज्ञान प्रकाश पटेल, प्रमोद उपाध्याय, बिहारी सिंह गौड़, अशोक मिश्रा,अमर बहादुर सिंह, महामंत्रीकृष्णा सिंह तिलकराज सिंह राजेश शुक्ला बाहोरी साहू, दुर्गा गुप्ता मोहम्मद नईम. संजय अग्रवाल वीरेंद्र सिंह सेंगर बेटीबाई रजक, सचिव माया सिंह अयोध्या प्रजापति.संतोष सिंह राठौड़ अंबिका चौधरी रामकिंकरपाल सुनील झारिया जियालाल बैग झालू कोल,प्रदीप तिवारी एवं सोशल मीडिया प्रभारी विक्की दहिया को बनाया गया है वही जिले के नगर पालिका क्षेत्र के नगर कांग्रेस कमेटी उमरिया में लाल भवानी सिंह, चंदिया प्रवीण अग्रवाल ,नौरोजाबाद कमलेश कठौतिया, मानपुर ,विकाश गुप्ता, पाली दादूराम विश्वकर्मा की नियुक्ति की गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया और नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर जिला संगठन प्रभारी इंजीनियर नीरज सिंह बघेल, विधानसभा सभा प्रभारी श्री कादिर सोनी, रत्नेश अवस्थी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष इंजीनियर विजयकोल, जयलाल राय, शारदा प्रसाद गौतम ,संजीव खंडेलवाल, शिशुपाल यादव,सुखराज सिंह, मुकेश तिवारी, कृष्ण पल सिंह, खानम नशीम अख्तर, मुख्तियार खान, मनोज सिंह, श्रीमति सावित्री सिंह, ध्रुव सिंह, गुलाम गौस, राजकुमार गुप्ता, मिथलेश राय, उमाशंकर पटेल, रवि मिश्रा, ऐशो राम सिंह, मनोज द्विवेदी, गौरी शंकर मिश्रा, श्री मति गंगा बाई कुशवाहा, सतेंद्र सिंह, अनुराग सिंह अशलम शेर, श्री मति अंजू सिंह, मनीष सिंह बरकडे रोशनी सिंह, राजकुमार सिंह चौहान, उषा कोल, संतोष सिंह सहित जिले के कांग्रेस जनों ने बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

थैलेसेमिया मरीजों के लिए रोगी सहायता समूह की बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला चिकित्सालय के सभागार में थैलेसेमिया मरीजों के लिए रोगी सहायता समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य मरीजों और उनके परिजनों को जागरूक करना तथा उपचार से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा करना था।डॉ मुकुल तिवारी ने बताया कि थैलेसीमिया एक आनुवंशिक (जेनेटिक) रक्त विकार है, जो माता-पिता से बच्चों में जीन के माध्यम से आता है। इस बीमारी में शरीर सामान्य हीमोग्लोबिन नहीं बना पाता, जिससे लाल रक्त कोशिकाएं जल्दी नष्ट हो जाती हैं और गंभीर एनीमिया (खून की कमी) हो जाता है। इसके गंभीर मामलों में नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन (खून चढ़ाने) की जरूरत होती है।बैठक मे विशेषज्ञों ने थैलेसेमिया के नियमित उपचार,समय पर रक्त चढ़ाने, आयरन चिलेशन थेरेपी और आवश्यक जांचों के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही मरीजों के परजनो को परामर्श दिया गया उनके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जनपद पंचायत की नई इमारत का किया भूमिपूजन

बालाघाट/कटंगी(स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटले ने 19 मार्च 2026 दिन गुरुवार को दोपहर 02 बजे बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी के लिए स्वीकृत नए जनपद पंचायत कार्यालय की इमारत के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। जनपद पंचायत परिसर में भूमिपूजन के लिए भव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, जनपद पंचायत अध्यक्ष कविता देशमुख, जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन, सुश्री प्रियंका परते, एसडीएम के.सी.ठाकुर, सीईओ गायत्री कुमार सारथी, जनपद उपाध्यक्ष भानु सिंह पटले सहित सभी जनपद सदस्य, जनपद पंचायत सहित अन्य विभागों के तमाम अधिकारी और कर्मचारी

मौजूद रहे। दरअसल, विगत दो वर्ष पूर्व 14 मार्च 2024 को कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटले कटंगी जनपद पंचायत में आयोजित शक्ति वंदन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए हुए थे। तब क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने कैबिनेट मंत्री से जनपद पंचायत के लिए नई इमारत की मांग रखी थी। तब मंच से ही कैबिनेट मंत्री ने जनपद पंचायत को नई इमारत देने की घोषणा की दी। जनपद पंचायत की नई इमारत का निर्माण 525.67 लाख रुपए की लागत से होगा और इसे अटल सुशासन भवन के नाम से पुकारा जाएगा। भूमिपूजन समारोह के मंचीय कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष कविता देशमुख ने कैबिनेट मंत्री से क्षेत्र की कुछ मांगों और समस्याओं को उनके सामने रखा। वहीं विधायक ने कैबिनेट मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कि कहा वह आज पंचायत मंत्री से कुछ नहीं मांगेंगे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करने के बाद कैबिनेट मंत्री, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने कुदाल चलाकर नई इमारत के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत में नौ कन्या पूजन किया। कैबिनेट मंत्री ने मंच से जनता को संबोधित करते हुए पर्यावरण और जल संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ी को कुछ दे पाएगें। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आज जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में शुरू हुआ, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति मिली है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की ऐसी बस्तियां जहां न्यूनतम आबादी है, वहां भी पक्की सड़कों का निर्माण कार्य सरकार के द्वारा किया जाएगा। मंत्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई नल-जल योजना से अब प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है लेकिन यह भी देखने में आया है कि कई जगह पर पानी का स्रोत नहीं मिलने के बाद भी काम कर दिया गया। सबसे पहले पानी के स्रोत का पता लगाने के बाद ही काम होना चाहिए। उन्होंने बताया कि अब इन योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित होगा।

भेंडारा में `जल गंगा संवर्धन अभियान 2026' का शुभारंभ, जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत खैरलांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत भेंडारा में गुरुवार 19 मार्च 2026 को जनपद स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 का शुभारंभ किया गया। यह अभियान मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशन तथा कलेक्टर श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में प्रारंभ किया गया है।कार्यक्रम में वारासिवनी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विवेक विक्की पटेल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधु शुक्ला, जनपद पंचायत

खैरलांजी के उपाध्यक्ष दुर्गा लिलहारे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी वृंदावन मीणा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, सरपंच-सचिव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।अभियान के ुभारंभ अवसर पर ग्राम के कुम्हारिया तालाब में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने श्रमदान करते हुए साफ-सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी वृंदावन मीणा ने अभियान की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी।

मंचीय कार्यक्रम में विधायक श्री विवेक विक्की पटेल एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधु शुक्ला ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जल के समुचित उपयोग, तालाबों एवं बावड़ियों के संरक्षण और नियमित रखरखाव के लिए सभी से सक्रिय भागीदारी की अपील की।

बकाया राशि न चुकाने पर तीन दुकानें सील, मौके पर 2.90 लाख की वसूली

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

बालाघाट में कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार राजस्व वसूली अभियान के तहत सख्त कार्रवाई की गई। आज दिनांक 19 मार्च 2026 को तहसीलदार बालाघाट श्री सुनील वर्मा के नेतृत्व में नजूल आरआई, हल्का पटवारी एवं राजस्व अमले द्वारा बकायादारों के विरुद्ध अभियान चलाया गया।कार्रवाई के दौरान सरेखा निवासी मनोज पिता रेवाशंकर द्वारा नजूल नवीनीकरण की बकाया राशि जमा नहीं करने पर उसकी तीन दुकानों को सील कर दिया गया। प्रशासन द्वारा पूर्व में नोटिस जारी किए जाने के बावजूद राशि जमा नहीं की गई थी, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त डायवर्सन एवं नजूल मद की बकाया राशि नहीं चुकाने वाले अन्य बकायादारों के विरुद्ध भी कुर्की की कार्रवाई की गई। राजस्व अमला जब मौके पर पहुंचा, तो बकायादारों ने तत्काल 2.90 लाख रुपये की राशि जमा कर दी।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया राशि नहीं चुकाने वाले सभी बकायादारों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कर्मचारी, मजदूर से मारपीट कर सीमेंट सड़क कार्य रुकवाया

पूर्व जिलाबदर नीरज पसीने के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। लालबर्रा नगर मुख्यालय में बस स्टैंड से समनापुर मार्ग का निर्माण कार्य प्रगतिरत है जो कि पुलिस थाना के पीछे से जनपद स्कूल की ओर लगभग 500 मीटर शेष मार्ग बनना है जिसका कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है उक्त कार्य का ठेका आइजॉल कंपनी इंदौर द्वारा लिया गया है। कंपनी के साइड इंचार्ज ज्ञानीराम बोपचे द्वारा मजदूरों के साथ मिलकर कराया जा रहा था, इसी बीच लालबर्रा का नीरज पसीने आया और कार्यरत इंचार्ज व मजदूरों को दीपक अग्रवाल के घर के सामने सड़क चौड़ीकरण व पुलिया निर्माण करने को लेकर बहस करने लगा साथ ही ज्ञानीराम बोपचे का गला दबाकर मारा और जान से मारने की धमकी दिया, बुरी बुरी गाली देकर निर्माण कार्य को भी रुकवा दिया। नीरज पसीने के भय, मारपीट से सड़क निर्माण कार्य में कार्यरत साइड इंचार्ज व मजदूरों ने पुलिस थाना लालबर्रा पहुंचकर टीआई श्री चतुर्वेदी जी को घटना बताई जिस पर नीरज पसीने के विरुद्ध मामला दर्ज किया।

कार्यालय नगर परिषद मानपुर जिला-उमरिया (म.प्र.)

क्रमांक/3643/न.परि./2026 — मानपुर, दिनांक 18/03/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीय प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट http://gem.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा का अंतिम तिथि
1.	GEM/2026/B/7355023	Fabricated Special Purpose Vehicle on Truck/Van (Q3)	24.03.2026
2.	GEM/2026/B/7367467	Signage Board (V4) (Q3)	08.04.2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://gem.gov.in की बेवसाइट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
मानपुर, जिला-उमरिया (म.प्र.)

नववर्ष में ध्वज रैली आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। माहिष्मती घाट पर नववर्ष के अवसर पर मां नर्मदा का दुग्धाभिषेक और ध्वज पूजा का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इसमें भाग लिया। इसके बाद संगम घाट तक ध्वजा रैली निकाली गई। माहिष्मती घाट से निकाली गयी ध्वजा रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और यह रैली मां नर्मदा पुल, दादा धनीराम, कारीकोन तिराहा, भगवान बिरसा मुण्डा तिराहा, बजरंग चौराहा से होकर संगम घाट पहुंची। माहिष्मती घाट पर आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती उईके ने माँ नर्मदा का पूजन और अभिषेक किया।

प्रशासन सख्त पांच सिलेंडर जब्त

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले की तहसील बम्हनी बंजर क्षेत्र में प्रशासन ने घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यवसायिक दुरुपयोग के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए सघन जांच अभियान चलाया। एसडीएम सोनल सिडाम के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के दौरान कई होटल और ढाबों में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का अवैध उपयोग सामने आया। जांच के दौरान बब्बू ढाबा और मयूर ढाबा से एक एक तथा शुभ रेस्टोरेंट से तीन घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। इस प्रकार कुल 5 सिलेंडर व्यवसायिक उपयोग में पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई।

महिला जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के तहत कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में नैनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत जामगांव में वित्तीय साक्षरता एवं महिला सशक्तिकरण विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना, बैंकिंग सेवाओं, बीमा, बचत, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, डिजिटल एवं मोबाइल बैंकिंग तथा सुरक्षित वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जानकारी दी गई।

पिपरिया बुदरा में कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में परियोजना बीजाडांडी के ग्राम पिपरिया बुदरा में शक्ति स्वागतम 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिका जन्म को उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर धात्री माताओं को पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई तथा बैंड-बाजे के साथ ग्रामीण महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। परियोजना अधिकारी सुश्री मनीषा तिवारी ने बालिकाओं को सशक्त एवं स्वस्थ बनाने पर जोर देते हुए उनकी शिक्षा के महत्व को बताया।

कलाकारों की प्रस्तुति ने बांधा समा

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत सृष्टि आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रस्तुति दल द्वारा ब्रह्म ध्वज का वंदन किया गया तथा अतिथियों द्वारा ब्रह्म ध्वज वंदन एवं पुस्तकों का वितरण किया गया। इस अवसर पर महाराजा विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित आकर्षक नाट्य प्रस्तुति दर्पण रंग समिति बरही कटनी के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई। कलाकारों की जीवंत अभिनय शैली और प्रभावशाली प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह की खूब वाहवाही बटोरी।

जनभागीदारी से जल संरक्षण की नई पहल, नगर परिषद बिछिया में जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्र मत)।

जिले के नगर परिषद भुआ बिछिया में जल संरक्षण और जल स्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। शासन के निर्देशानुसार प्रदेश भर में 19 मार्च से प्रारंभ हुए इस व्यापक अभियान के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी को केंद्र में रखकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर परिषद भुआ बिछिया के वार्ड क्रमांक 14 स्थित राम मंदिर के समीप एनीकट घाट में साफ सफाई अभियान चलाकर इस अभियान की शुरुआत की गई जिसका शुभारंभ भारतीय नववर्ष प्रतिपदा गुढ़ी पड़वा के पावन अवसर पर हुआ। इस अभियान को सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से जोड़ने का प्रयास भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कार्यक्रम में जनप्रति निधियों अधिकारियों कर्मचारियों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। जल गंगा संवर्धन अभियान केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं है बल्कि इसके दूरगामी पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ भी हैं। इस अभियान से भू-जल स्तर में सुधार होगा जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय में भी सुधार आएगा इसके अलावा जल अभाव और अल्प वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों को राहत मिलेगी। पर्यावरण संरक्षण को भी इस अभियान से बल मिलेगा क्योंकि

जल स्रोतों के संरक्षण से जैव विविधता को भी संरक्षण मिलेगा शहरी क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

जनभागीदारी से होगा जल संरक्षण

जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, पुनरुद्धार और संवर्धन करना है। इस अभियान के तहत कुओं, बावड़ियों, तालाबों, नदियों और अन्य जल स्रोतों की सफाई मरम्मत और पुनर्जीवन के कार्य किए जाएंगे। यह इस अभियान का तीसरा वर्ष है जो यह दर्शाता है कि सरकार और समाज दोनों ही जल संरक्षण के प्रति गंभीर और प्रतिबद्ध हैं नगर परिषद भुआ बिछिया में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान एनीकट घाट की साफ-सफाई के साथ-साथ निकाय की वाटरवाडी जल संरचना क्षेत्र की व्यापक स्तर पर सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में इस कार्य को और अधिक विस्तारित किया जाएगा जिससे क्षेत्र के सभी प्रमुख जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया जा सके।

अतिक्रमण हटाने संरचनाओं में सुधार

अभियान के अंतर्गत पुराने तालाबों चेकडैम और स्टॉपडैम की सफाई एवं मरम्मत का कार्य किया जाएगा इसके साथ ही जल स्रोतों के आसपास हुए अतिक्रमण को हटाने की भी कार्यवाही की जाएगी जिससे जल संचयन की क्षमता को बढ़ाया जा सके यह कदम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि अतिक्रमण के कारण जल स्रोतों का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित होता है और उनकी जल धारण क्षमता कम हो जाती है इसके अलावा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। घर घर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि वर्षा का अधिकतम जल संरक्षित किया जा सके।

अध्यक्ष रजनी मरावी का संदेश

इस अवसर पर नगर परिषद बिछिया की अध्यक्ष श्रीमति रजनी मरावी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार जनभागीदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम न समझें बल्कि इसे अपनी जिम्मेदारी मानते हुए सक्रिय रूप से भाग लें उन्होंने कहा जल ही जीवन है और यदि हम आज जल को बचाने के लिए प्रयास नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा। इस अभियान के माध्यम से हम सभी को मिलकर अपने जल स्रोतों को बचाने और उन्हें पुनर्जीवित करने का संकल्प लेना होगा।

सीएमओ ने की अपील

मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया ने भी इस अवसर पर नगरवासियों को संबोधित करते हुए जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांव गांव में श्रमदान के माध्यम से तालाबों और कुओं की सफाई की जानी चाहिए उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने घरों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था करें और जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि समाज और सरकार मिलकर कार्य करेंगे तो प्रदेश को जल समृद्ध राज्य बनाने का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

30 जून तक चलेगा अभियान

यह अभियान 19 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक लगातार चलाया जाएगा। इस अवधि के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा और उन्हें इस अभियान से जोड़ा जाएगा। स्कूलों कॉलेज सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं की भी इसमें सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इस कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी संस्कार बावरिया, पार्षदगण एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे साथ ही शशिकांत श्रीवास्तव, अजयपुरी गोस्वामी, हर्षलता मुकेश श्रीवास, नरेश कल्लू कसार, अशोक नानकानी, रिक्खीराम परस्ते, एच.आर. कुरैशी स्वच्छता नोडल अधिकारी, अशोक यादव जल प्रदाय प्रभारी, प्रसन्न यादव स्वच्छता पर्यवेक्षक, नारायण परते, संजय सरौते, अनीता रजक, घनश्याम चौहान, मनोज निगम, अवन बिसेन, कौशल्या तेकाम, रामकली, संतकुमार वर्मा, कपिल नंदा, राजेन्द्र पाण्डेय सहित अनेक कर्मचारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंत्री ने श्रमदान से किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ गुड़ी पड़वा के अवसर पर संगम घाट में मध्यप्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने स्वयं श्रमदान कर अभियान की शुरुआत करते हुए आमजन को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह अभियान पूरे प्रदेश में संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और इसका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। अभियान के तहत कुएं, बावड़ी एवं तालाबों की साफ-सफाई, गहरीकरण और जीर्णोद्धार जैसे

कार्य जनभागीदारी से किए जाएंगे जिससे वर्षा जल का संचयन और संरक्षण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण में अपना योगदान दें।

बोरी पीपरडाही में बोरी बंधान

जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकरजल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के शुभारंभ अवसर पर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बोरी पीपरडाही में जनभागीदारी से बोरी बंधान कार्य किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। सभी ने मिलकर श्रमदान करते हुए नाले में बोरी बंधान तैयार किया जिससे वर्षा जल का संचयन हो सके और भूजल स्तर में वृद्धि हो। ग्रामीणों ने भी अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से न केवल जल संकट में कमी आएगी, बल्कि खेती एवं पेयजल व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम पंचायत पोंडीमाल, बारोंची, तरावानी, छिंदगांव एवं लावरमुड़िया में जनभागीदारी के माध्यम से जल स्त्रोतों की साफ सफाई की गई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा तालाब, कुओं सहित अन्य जल स्त्रोतों की साफ-सफाई कर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

चेटीचंड महोत्सव शोभायात्रा आज

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सिंधी समाज के इष्ट देव वरुण अवतार भगवान झूलेलाल सांई के जन्मोत्सव चेट्रीचंड महोत्सव आज धूमधाम से मनाया जाएगा। सिंधु नवयुवक मंडल एवं मातृशक्ति के द्वारा सुबह 9 बजे विशेष ड्रेस कोड के साथ विशाल वाहन रैली निकली जाएगी रैली को पूज्य सिंधी पंचायत एवं समाज के वरिष्ठ जनों के द्वारा हरी झंडी दिखाई जाएगी अंबेडकर वार्ड स्थित गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ विशाल वाहन रैली में पुरुष, महिलाएं एवं युवा शामिल होकर भगवान झूलेलाल के जय घोष करते हुए शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए पुन: गुरुद्वारा साहिब में विराम लेंगे। भाई साहब हरनाम उदासी की उपस्थिति में श्री गुरुद्वारा साहिब में भजन कीर्तन एवं गुरु ग्रंथ साहिब के साप्ताहिक पाठ भोग का कार्यक्रम होगा। तत्पश्चात सामाजिक लंगर आयोजित होगा शाम को पूज्य मुखी साहब की उपस्थिति में पंडित वासुदेव शर्मा के द्वारा बहिराणा साहब की पूजा अर्चना संपादित होगी शाम को विशेष ड्रेसकोड के साथ विशाल शोभायात्रा का भव्य आयोजन होगा शोभायात्रा अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ होगी ।

महिला कबड्डी प्रतियोगिता में दिखा उत्साह

मण्डला(स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में संगम घाट में जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और ऊर्जा के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उस समय विशेष उत्साह देखने को मिला जब मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके स्वयं मैदान में उतरकर खिलाड़ियों के साथ कबड्डी खेलने लगीं। प्रतियोगिता में जिला प्रशासन की महिला टीम और महिला जनप्रतिनिधियोंमहिला सदस्यों की टीम के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। मंत्री श्रीमती उइके के नेतृत्व में महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की। पूरे मैच के दौरान खिलाड़ियों में जोश और खेल भावना देखने को मिली। मंत्री श्रीमती उइके ने मैदान में खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि यह शारीरिक एवं मानसिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण साधन है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगर में चकोर घाट पर विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत समाजिक जनप्रतिनिधियों एंव स्थानीय विभाग प्रमुखों की भागीदारी रही। इस समेकित पहल से मुख्यत: जन जागरूकता नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचना की साफ सफाई एवं मरम्मत नवीनीकरण जल गुणवत्ता परीक्षण जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने का संकल्प दोहराया गया। जल स्त्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई राजस्व रिकॉर्ड में जल संग्रहण संरचना व नहर को अंकित करना और मानसून में किए जाने वाले पौधारोपण हेतु आवश्यक तैयारी के कार्य प्राथमिकता पर किए जाने हेतु संकल्प लिया गया। उक्त कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आशुतोष महादेव ठाकुर, तहसीलदार हरि सिंह धुर्वे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी डा. लक्ष्मण सिंह सारस, राजस्व उप निरीक्षक प्रेम कुमार चौटेल, अभिलाष श्रीवास, यशवंत रजक, राजकुमार पंजवानी, राजकुमार साहू, गोपी नंदा, राम गोटिया, रोहित चौटेल, नरेश करोशी, ऋषि चंद्रौल, तनुज चौटेल, शिवाजी श्रीवास सहित नगर पालिका के अन्य कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

किसानों ने लिया मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले में मधुमक्खी पालन में कदम बढ़ाते हुए किसानों के लिए कृषि विज्ञान केन्द में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन योजनान्तर्गत 17 एवं 18 मार्च को दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमिनार सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सेमिनार हॉल में किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. दिवाली वाजपेयी के द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सेमिनार सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के 200 से अधिक मधुमक्खी पालन में रुचि रखने वाले किसानों ने भाग लेकर मधुमक्खी पालन कि बारीकियों को समझा। कार्यक्रम में डॉ. दिवाली वाजपेयी द्वारा कृषकों को मधुमक्खी पालन के दौरान रखे जाने वाली व्यवहारिक तकनीकी ज्ञान को साझा करते हुए कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि मधुमक्खी

पालन खेती के साथ साथ अतिरिक्त आमदानी कमाने का एक अच्छा साधन है। कार्यक्रम मे जिला पंचायत सदस्य शैलेश मिश्रा द्वारा समापन सत्र के दौरान अपने मार्गदर्शीय संबोधन में किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि मधुमक्खी का पर्यावरण संरक्षण एवं फसलों की उपज बढ़ाने में विशेष योगदान है जिले के किसानों के द्वारा मधुमक्खी पालन करना आय बढ़ाना तथा केवीके के वैज्ञानिकों के द्वारा जिले के किसानों को मधुमक्खी पर तकनीकी मार्गदर्शन देकर और अधिक सशक्त बनाना, एक सराहनीय कार्य है। कार्यक्रम में दीपा कुलेश सहायक संचालक उद्यानिकी द्वारा विभाग के माध्यम से मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करने एवं विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी मार्गदर्शन कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आरपी अहिरवार, डॉ. केके राणा, डॉ. प्रणय भारती, कु. केतकी धुमकेती एवं उद्यानिकी से पंकज मरकाम ने दिया। साथ ही हनी मेन के रूप में जाने जाने वाले नासिर कुरैशी ने दो दिवसीय सेमिनार में अपना विशेष तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

भव्यता से चैत्र नवरात्रि आरम्भ

नगर के देवी मंदिरों में जोर-शोर से तैयारियां

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

चैत्र नवरात्रि पर्व का शुभारंभ आज से हो गया है। पर्व को लेकर पूरे नगर में भक्ति और उत्साह का माहौल व्याप्त है। प्रमुख आस्था के केंद्र मां शीतला खेरमाई मंदिर सहित नगर के अन्य देवी मंदिरों में विशेष तैयारियां कर ली गई हैं। मंदिरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन और आकर्षक सजावट का कार्य अंतिम चरण में है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं। नवरात्रि के नौ दिनों तक मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चन, दुर्गा सप्तशती का पाठ, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। सुबह से ही भक्तजन माता के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचेंगे। महिलाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है, जो घट स्थापना कर

विधि-विधान से माता की आराधना करेंगी। मां शीतला खेरमाई मंदिर में इस विशेष आकर्षक सजावट के साथ-साथ देवी भक्तो के द्वारा कलश स्थापित कर प्रतिदिन सुबह शाम आरती का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा नगर के अन्य देवी मंदिरों में छोटी खेरमाई वार्ड 14 स्थित माता मंदिर , वार्ड 5 रेलवे दुर्गा मंदिर, निवारी स्थित शक्ति धाम मंदिर, में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने का सिलसिला आजनसे ही शुरू हो जाएगा। वहीं, नवरात्रि के समापन पर श्री रामनवमी पर्व के अवसर पर नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी, जिसमें भगवान श्रीराम, माता सीता लक्ष्मण और श्री हनुमान की आकर्षक झांकियां सजाई जाएंगी। शोभायात्रा में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की सहभागिता रहेगी। प्रशासन द्वारा भी पर्व को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कुल मिलाकर चैत्र नवरात्रि पर्व को लेकर नगर पूरी तरह भक्तिमय रंग में रंग चुका है।

नए शिक्षा सत्र से आरम्भ हो जाएगा नैनपुर में केंद्रीय विद्यालय

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर की बहुप्रतीक्षित मांग केंद्रीय विद्यालय नए सत्र से आरम्भ हो जाएगा। जिसमे प्रवेश की प्रक्रिया आज से आरम्भ की जा रही है। नैनपुर क्षेत्र को यह उपलब्धि चैत्र नवरात्र और हिन्दू नव वर्ष की शुरुआत के साथ हासिल हुई है। जिससे नगर में उल्लास का वातावरण बना हुआ है। वर्तमान में इसकी सुरुआत नगर के मध्य में स्थित नवीन माध्यमिक विद्यालय के भवन में की जा रही है। जिसकी प्रारंभिक प्रक्रिया पहले ही पूर्ण की जा चुकी है। बताया गया कि नैनपुर केंद्रीय विद्यालय में बाल वाटिका 1,2,3 और प्राथमिक कक्षा 1 से 5 तक के लिए प्रवेश हेतु पंजीयन 20 मार्च 2026 से शुरू किया जा रहा है।

कार्यालय
परियोजना संचालक आत्मा समिति मण्डला (म.प्र.)
E-mail: pdatmamandla612@gmail.com, pdatmamman-mp@nic.in
क्रं./आत्मा/निविदा./2025-26/724 मण्डला, दिनांक 18/03/2026

निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय आत्मा समिति जिला-मण्डला के द्वारा वर्ष 2025-26 मे आयोजित किये जाने वाले कृषि विज्ञान मेला हेतु टेंट एवं भोजन थाली सिस्टम एवं लंच पैकेट की आवश्यकता है। जिस हेतु कार्यालय को भोजन एवं टेंट की दर प्राप्त करने हेतु अल्प अवधि निविदा जारी किया जा रहा है। इच्छुक फर्म अपनी दरें बंद लिफाफे में दिनांक 23.03.2026 को कार्यालयीन समय तक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

परियोजना संचालक आत्मा
किसान कल्याण तथा कृषि विकास
जिला मण्डला

संपादकीय

तेल की धार-जंग की आग

ईरान ने गल्फ देशों के तेल और गैस रिफाइनरी पर प्रचंड हमला किया है। बदले की आग में दहक रहे ईरान ने कुवैत की दूसरी तेल रिफाइनरी पर अटैक किया है। ईरान ने कुवैत की मीना अब्दुल्लाह रिफाइनरी पर हमला किया है। इसके बाद इस प्लांट में आग लग गई है। ईरान ने दूसरा टारगेट सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको का सामरेफ रिफाइनरी को बनाया है।

कुल मिलाकर ईरान ने दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको की एक रिफाइनरी पर हमला कर अपने इरादे जता दिए हैं। उसने गुरुवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर यानबू में तेल की दिग्गज कंपनी सऊदी अरामको की सामरेफ रिफाइनरी पर हवाई हमला किया। यह हमला ईरान के ऊर्जा केंद्रों पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में हुआ है। ईरान ने कतर, यूएई, सऊदी अरब, कुवैत, कतर पर हमले की चेतावनी दी है और इन एनर्जी सेंटर्स को खाली करने की चेतावनी दी है। इन केंद्र में सामरेफ भी शामिल है। सामरेफ सऊदी अरामको और एग्जॉन मोबिल का एक संयुक्त उद्यम है। पिछले महीने के आखिर में युद्ध छिड़ने के बाद जब ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लगभग बंद कर दिया तब से यानबू खाड़ी के अरब देशों से निकलने वाले कच्चे तेल के दो मुख्य एक्सपोर्ट रास्तों में से एक बन गया है। हालांकि, सामरेफ पर हमले के बाद तुरंत साफ नहीं हो पाया कि वहां तेल की लोडिंग का काम चल रहा था या नहीं। बहरहाल, सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल ने कहा है कि मेरे देश पर और मेरे पड़ोसी देशों पर हुए हमले, जो इस संघर्ष में शामिल नहीं हैं, बस मेरी दिलचस्पी इन्हीं बातों में है। उन्होंने कहा कि हम इन हमलों को रोकने के लिए अपने पास मौजूद हर तरीके का इस्तेमाल करेंगे, चाहे वह राजनीतिक हो, आर्थिक हो, कूटनीतिक हो या कोई और।

दरअसल, इजरायल ने बुधवार को ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर बड़ा हमला किया था। ये दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र है। इसे ईरान और कतर दोनों साझा करते हैं। मिसाइल और एयरस्ट्राइक से गैस प्रोसेसिंग फैसिलिटी, टैंकों और आसालुयेह क्षेत्र में आग लग गई, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ और कई फेज बंद हो गए। यह युद्ध शुरू होने के बाद ईरान की ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर अब तक का सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को इस हमले की जानकारी नहीं थी और इजरायल आगे ऐसा नहीं करेगा, लेकिन अगर ईरान कतर पर फिर हमला करे तो अमेरिका साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर देगा। इसके बाद से ही ईरान गल्फ देशों पर बिफरा हुआ है। गुरुवार तड़के संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान की ओर से हबशान गैस संयंत्र और बाब क्षेत्र को निशाना बनाकर हमले किए गए। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के खिलाफ अपने युद्ध को और तेज कर रहे हैं। अबू धाबी के अधिकारियों का कहना है कि इन स्थलों पर गैस ऑपरेशन बंद कर दिया गया है। ईरान ने कतर में भी गैस संयंत्रों पर हमला किया है। एक मिसाइल विशाल रास लफ्फन लिक्विफाइड नेचुरल गैस प्लांट से टकराई, जिससे आग लग गई। आग बुझने से पहले काफी नुकसान हुआ है। ईरान की ओर से गल्फ देशों की तेल और गैस की रिफाइनरियों पर हमले से तेल और नैचुरल गैस की कीमतें तेजी से बढ़ गई, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर लगभग 118 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो युद्ध शुरू होने से ठीक पहले 73 प्रति बैरल से भी कम थी।

शक्ति जागरण से आत्मविजय तक का दिव्य उत्सव है चैत्र नवरात्रि

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

नवरात्रि महापर्व का भारतीय समाज में विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 19 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 27 मार्च को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला

और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुई अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का पर्व है, जो हमें संयम, साहस, तप और सदाचार का संदेश देता है। मां दुर्गा के ये नौ स्वरूप जीवन के नौ आयामों को प्रकाशित करते हैं और हमें अज्ञान से ज्ञान, भय से निर्भयता तथा दुर्बलता से सामर्थ्य की ओर ले जाते हैं। इस पावन पर्व पर प्रत्येक साधक अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर जीवन को सकारात्मक दिशा देने का संकल्प ले सकता है।

प. बंगाल की राजनैतिक लड़ाई

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

संसद के बजट सत्र के चालू रहते ही चुनाव आयोग ने देश के चार राज्यों असम, केरल, तमिलनाडु व प. बंगाल सहित केन्द्र प्रशासित क्षेत्र पुडुचेरी में विधान सभा चुनावों की घोषणा करके इनमें आदर्श आचार संहिता को लागू कर ?िदया है अत: स्वाभाविक है कि इन चुनावों के लिए होने वाली राजनैतिक लड़ाई की प्रति ध्वनियां हमें संसद से लेकर सड़क तक सुनाई पड़ने लगी हैं। इस सिलसिले में लोकसभा के आठ विपक्षी सांसदों की बहाली को भी नजर अन्दाज नहीं किया जा सकता है जिन्हें बजट सत्र के प्रथम चरण के दौरान सदन में अवांछित आचरण के लिए अध्यक्ष ने पूरे बजट सत्र में संसद की शेष बैठकों में शामिल होने से रोक दिया था। लोकतन्त्र में ऐसी कार्रवाई का समर्थन इसलिए आम तौर पर नहीं किया जाता है क्योंकि एक सांसद अपने क्षेत्र के लाखों लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और भारत का लोकतन्त्र सहभागिता का लोकतन्त्र कहलाता है अत: सदन से सांसदों का निलम्बन आम जनता की सहभागिता को ही नकारने का काम करता है अत: आठ सांसदों की बहाली का स्वागत किया जाना चाहिए और इसे भारतीय लोकतन्त्र में आम जनता के समुचित प्रतिनिधित्व के रूप में लिया जाना चाहिए।

चुनाव आयोग ने जिन राज्यों में इनकी विधानसभाओं के कार्यकाल के पांच साल पूरे हो जाने पर समय रहते चुनाव कराने की घोषणा की है वह लोकतन्त्र की सदैव जीवन्तता को शिखर पर रखने की संवैधानिक जिम्मेदारी है। जिन चार राज्यों में चुनावों की घोषणा की गई है उनमें सबसे अधिक चर्चा प. बंगाल की इसलिए हो रही है क्योंकि केन्द्र में 2014 में भाजपा की मोदी सरकार गठन होने के बाद 2016 में हुए राज्य विधानसभा चुनावों से इस प्रदेश की राजनीति में आधारभूत परिवर्तन हुआ है। राज्य में भाजपा एक शक्तिशाली राजनैतिक दल के रूप में उभरी है और इसने इससे पूर्व राजनैतिक धुरी रहे वामपंथी दलों को नैपथ्य में धकेल दिया है। हालांकि 2011 के चुनावों में राज्य की मुख्यमन्त्री सुश्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने वामपंथी दलों के लम्बे शासन का खात्मा करके सत्ता की बागडोर संभाल ली थी। इन चुनावों में भाजपा को मात्र चार प्रतिशत मत ही मिले थे मगर 2016 के चुनावों में इनमें कई गुना वृद्धि हुई और वामपंथी दलों की जगह इस पार्टी ने एक विकल्प के रूप में ले ली। पिछले 2021 के चुनावों में तृणमूल कांग्रेस बेशक 294 सदस्यीय विधानसभा में दो तिहाई से अधिक सीटें जीतने में कामयाब रही मगर भाजपा ने उससे लगभग छह प्रतिशत मत कम लेते हुए 77 सीटें जीत लीं। इससे भाजपा में तृणमूल कांग्रेस का एकमात्र विकल्प बनने की जिज्ञासा जागृत हुई। इसी वजह से हम आज देख रहे हैं कि भाजपा सुश्री ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल करने के लिए अपनी ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। मगर यह काम इतना आसान भी नहीं है जितना भाजपा के नेता सोच रहे हैं क्योंकि ममता बनर्जी की राजनीति शुरू से ही लोकोन्मुख रही है और वह सीधे सड़क पर संघर्ष करके जन नेता बनी हैं। पिछले 15 साल से सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने अपनी इस राजनैतिक कला का परित्याग नहीं किया है और हर संवेदनशील मौके पर वह आम जनता के बीच ही संघर्ष करती नजर आयी हैं। इसके साथ यह भी हकीकत है कि भाजपा ने इस राज्य में ममता दीदी के ही संगठन से कुछ मजबूत समझे जाने वाले स्तम्भों को अपने संगठन में लेकर सत्ताधारी पार्टी के विरुद्ध अलख जगाने का भगीरथ प्रयास किया है । इनमें 2020 से पहले तक ममता बनर्जी के खास सहयोगी माने जाने वाले नेता सुवेन्दु अधिकारी का नाम सबसे प्रमुख है जो फिलहाल विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। पिछले 2021 के चुनावों में राज्य की नन्दीग्राम सीट पर ममता दी व अधिकारी के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था जिसमें ममता दी मात्र 1900 से कुछ अधिक वोटों से हार गई थीं। बाद में उन्होंने कोलकोता क्षेत्र में पड़ने वाली भवानीपुरा सीट से उपचुनाव लड़कर 58 हजार मतों से जीत दर्ज की थी। परन्तु राज्य में हुए हाल ही में मतदाता सूची के पुनरीक्षण में इस क्षेत्र के 47 हजार के लगभग मतदाताओं का नाम कट गया है जबकि सुवेन्दु अधिकारी ने नन्दी ग्राम के साथ ही भवानीपुरा से भी चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। परन्तु ममता दीदी ने भी इस बार अधिकारी को नन्दीग्राम में ही घेरने की रणनीति को अंजाम दे दिया है और दो दिन पहले तक उनके परम विश्वास पात्र रहे पबित्र कार को नन्दीग्राम से चुनाव लड़ाने का ऐलान कर दिया है। ममता दीदी ने सुबह पबित्र कार को अपनी पार्टी में शामिल किया और शाम को उन्हें नन्दीग्राम से प्रत्याशी घोषित कर दिया। इससे यह अन्दाजा तो लग सकता है कि राज्य की राजनीति में विचारधारा का अब वह महत्व नहीं रह गया है जिसके लिए कभी प. बंगाल जाना जाता था बल्कि अब यह 'जैसे को तैसा' के स्तर पर आ गई है। प. बंगाल में होने वाले चुनावी रण में इस बात की परख पुन: होगी कि राज्य में मतदान पूरे शान्तिपूर्ण माहौल में हो पाता है कि नहीं क्योंकि चुनाव आयोग ने मतदान तारीखों की जानकारी देने के तुरन्त बाद ही समूचे राज्य प्रशासन को बदलते हुए मुख्य सचिव से लेकर पुलिस महानिदेशक व अन्य वरिष्ठतम अधिकारियों के तबादले कर दिये हैं जिस पर ममता बनर्जी ने सख्त आपत्ति भी दर्ज कराई है । इन परिस्थितियों से भी प. बंगाल के चुनावों का शेष अन्य तीन राज्यों के मुकाबले महत्व बढ़ गया है। लेकिन इस सन्दर्भ में महत्वपूर्ण यह देखना होगा कि भवानीपुरा सीट से ममता बनर्जी और सुवेन्दु अधिकारी का मुकाबला किस मोड़ पर आकर ठहरेगा। इस बार भाजपा ने सुवेन्दु अधिकारी को इस सीट से ममता बनर्जी से पहले ही अपना प्रत्याशी बनाकर उतार दिया था जबकि ममता दी ने उनका मुकाबला करने की घोषणा बाद में की। पिछले 2021 के चुनावों में ठीक इसका उल्टा हुआ था। अत: हम इसी राज्य में हम सबसे भीषण चुनावी संघर्ष देखेंगे।

असली प्रदूषण और नकली बुद्धि

संतोष उत्सुक

व्यंग्य

असली चीजों और भावनाओं के आराम के दिन आ गए हैं। ऐसे अच्छे दिन पहले आ गए होते तो कई तरह की बचत हो जाती। चलो कोई बात नहीं, देर आए दुरुस्त आए। यह तो दिल और दिमाग से महसूस किए जाने वाले सम्मान की बात है कि पुराना जिद्दी प्रदूषण कम करने के लिए नई बुद्धि, नए रास्ते खोज रही है। कृत्रिम बुद्धि का भावार्थ ही नई बुद्धि लिया जा रहा है। अब यह सवाल खिल उठा है कि जब प्राचीन बुद्धि, प्रदूषण को उचित तरीके से निबटाने में फेल हो गई तो नकली क्या करेगी। हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंट आर्टिस्ट की तरह महसूस करवाए और एयर क्वालिटी इंटेलिजेंस और प्रदूषण नियंत्रण के समाधानों को लागू करवा दे। बेचारी असली नैसर्गिक इंसानी बुद्धि को, अपने ही फैलाए प्रदूषण से परेशान होते ज़माना हो गया । दूसरा कोई स्वादिष्ट सामाजिक चारा नहीं बचा जिसे खाकर नया ज्ञान प्राप्त किया जाए और प्रदूषण को थाम लिया जाए। इसलिए इस संभावना को स्वीकार करना होगा कि कृत्रिम बुद्धि, असली प्रदूषण को अवश्य काबू में कर कर छोड़ेगी। अधिकांश बुद्धिजीवियों, अबुद्धिजीवियों, समाज सेवियों, असमाज सेवियों, राजनीतिक नेताओं, राजनीतिक अभिनेताओं, पर्यावरण विद्वानों और पर्यावरण चर्चा और खर्चा से सामाजिक महत्त्व प्राप्त करने वाले महानुभावों को स्पष्ट रूप से पता है कि इंसानी दिमाग में पकाए तौर तरीके, सरकारी उपाय, सख्त अनुशासन, ईमानदार और पारदर्शी प्रयास वगैरा सब बुरी तरह थककर, आराम घर में घुस गए हैं। असली बुद्धि असफल हो जाए तो ज़ाहिर है नकली बुद्धि का ही सहारा लेना पड़ेगा। अब उसके परिणामों और फायदों का मज़ा लेने का मौसम आया है। असली बुद्धि की नदी से निकले जानदार, ताक़तवर, शानदार और समझदार उपायों के चमकीले पत्थर तो कब से प्रयोग हो रहे हैं। ज़िंदगी में तो कब से दर्जनों नकली चीज़ों की बहार है। इसलिए भी मान सकते हैं कि नकली बुद्धि, असली से बेहतर काम करेगी। प्रदूषण का रियल टाइम डाटा उपलब्ध कराएगी। स्त्रोतों की सटीक पहचान करेगी जिससे उन जगहों की सूक्ष्म स्तर पर पहचान हो पाए। फिर उसके प्रभाव का वैज्ञानिक आकलन आसान हो सकेगा और लक्ष्य आधारित और समयबद्ध कार्रवाई सुझाई जा सकेगी। वास्तविक और व्यावहारिक कार्रवाई तो इंसानजी ही करेंगे या करवाएंगे जिसमें वह पूरी तरह माहिर हैं। इतिहास झूठ बोलता है कि सरकारी एजेंसियां कभी समन्वय आधारित कार्रवाई नहीं कर पाती। यह तो हमारी स्थापित लोकतान्त्रिक, चारित्रिक और सांस्कृतिक परम्परा है कि नए प्रयोगों को आत्मसात किया जाए। अब उसी योजना के तहत नकली बुद्धि आधारित मॉडल से पूछेंगे कि नगर निगम, जिला प्रशासन, प्रवर्तन एजेंसियां, तकनीकी संस्थान और इंसान ने नैसर्गिक बुद्धि का प्रयोग कर, उचित प्लेटफार्म पर काम का अभिनय वास्तविक अमल कितना किया। दिलचस्प है कृत्रिम बुद्धि सभी संस्थाओं की ज़िम्मेदारी तय करेगी और सदियों से इंसानी दिमाग में रह रही अक्ल उसे आदेश मानकर संभवत कार्रवाई भी करेगी। यह कुछ अमानवीय सा कार्य होगा। 'संभव' शब्द ज़िंदगी में आ ही जाता है। जब महाभारत में अनेक किंतु, परन्तु और कदाचित वगैरा आ सकते हैं तो भारत में भी आ ही सकते हैं। अलग अलग मोर्चों पर कार्रवाई करना वास्तव में मुश्किल होता है, शक्ति विभाजित हो जाती है। इसलिए अब एक साथ, बहुत ज़्यादा असली, प्रभाव पैदा करने वाली सख्त, कृत्रिम कार्रवाई की जा रही है। प्रदूषण फैलाने वाले, असली, चालाक और स्वार्थी बुद्धि वालों की नींद उड़ गई है। ऐसा अभी माना जा रहा है लेकिन सिर्फ माने जाने से क्या होता है जी । अभी तो असली बुद्धि और भावनाओं के आराम के दिन शुरू हुए हैं।

दूषित जलः विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो।

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से

बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्त्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्त्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्त्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है।

विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्त्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंतत: खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है।

इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए।

निश्चिततौर यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है। यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा। स्वच्छ जल की रक्षा दरअसल जीवन की रक्षा है, और यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

आस्था, इतिहास और चमत्कारों का संगम है जालौन देवी (जयंती माता) मंदिर

जालौन(वार्ता)

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में यमुना तट पर बीहड़ों के बीच स्थित जालौन देवी के नाम से प्रसिद्ध जयंती माता मंदिर आज भी श्रद्धा, रहस्य और प्राचीन इतिहास का जीवंत केंद्र बना हुआ है। बुंदेलखंड अंचल में इस मंदिर की विशेष मान्यता है और दूर-दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, बीहड़ों की गहराई और यमुना का शांत प्रवाह इस धाम को और अधिक दिव्य बना देता है।

मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि द्वापर युग में पांडव अपने वनवास और अज्ञातवास के दौरान इस क्षेत्र में पहुंचे थे। उस समय यह पूरा इलाका घने जंगलों और बीहड़ों से घिरा हुआ था, जहां साधना के लिए उपयुक्त वातावरण था। पांडवों ने महर्षि वेदव्यास के मार्गदर्शन में यहां मां चंडी देवी की कठोर तपस्या की। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें दर्शन दिए और कौरवों के विरुद्ध युद्ध में विजय का आशीर्वाद प्रदान किया। इसी जय के आशीर्वाद के कारण यह देवी जयंती माता के नाम से विख्यात हुईं। मंदिर में स्थापित मां जयंती का विग्रह लगभग 5000 वर्ष पुराना माना जाता है। यह प्राचीन प्रतिमा आज भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनी हुई है। मान्यता है कि यहां की गई पूजा-अर्चना का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है और सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण होती है।

माधौगढ़ तहसील के अंतर्गत ग्राम कंझारी के पास यमुना नदी के किनारे स्थित यह मंदिर जालौन खुर्द ग्राम पंचायत की सीमा में आता है। बीहड़ों के बीच स्थित होने के कारण इसका वातावरण अत्यंत रहस्यमयी और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। कभी यह क्षेत्र चंबल के कुख्यात बीहड़ों के रूप में जाना जाता था, लेकिन इसके बावजूद मंदिर की पवित्रता और महत्व हमेशा बना रहा।

इतिहास के एक दौर में यह मंदिर चंबल के कुख्यात डकैतों की आस्था का भी केंद्र रहा। मानसिंह, मलखान सिंह और फूलन देवी जैसे कई डकैत गुप्त रूप से यहां आकर माता के दर्शन करते थे और अपनी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते

थे। स्थानीय लोगों का मानना है कि मां जयंती की कृपा से ही वे कठिन परिस्थितियों में भी सुरक्षित रहते थे। यही कारण है कि बीहड़ों के बीच स्थित यह मंदिर उस दौर में भी सुरक्षित रहा। मंदिर से जुड़े कई चमत्कारी प्रसंग भी प्रचलित हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यहां आकर की गई प्रार्थना कभी व्यर्थ नहीं जाती। कई लोगों ने अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और कठिनाइयों से मुक्ति का अनुभव किया है। मंदिर के पुजारियों के अनुसार, विशेषकर रात के समय यहां देवी शक्ति का अद्भुत आभास होता है, जिसे कई श्रद्धालु महसूस कर चुके हैं।

जयंती माता मंदिर केवल जालौन तक सीमित नहीं है, बल्कि झांसी, इटावा, औरैया, कानपुर, हमीरपुर, भिंड, मुरैना और ग्वालियर सहित कई जनपदों के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं, जबकि नवरात्रि के अवसर पर यह संख्या हजारों में पहुंच जाती है। ब्लॉक प्रमुख कुठौंद अजीत सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति चैत्र नवरात्रि एवं हिंदी नववर्ष के अवसर पर यहां मां जालौन देवी महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 19 मार्च से 25 मार्च तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त भजन गायक अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इसके साथ ही आकर्षक झांकियां महोत्सव का विशेष आकर्षण होंगी, जिनमें मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों का जीवंत चित्रण किया जाएगा। महोत्सव के दौरान 19 मार्च से 27 मार्च तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और सजावट से भव्य रूप दिया जा रहा है। मंदिर के मुख्य पुजारी सर्वेश महाराज के अनुसार यह स्थान एक सिद्धपीठ है, जहां मां जयंती स्वयं विराजमान हैं। वहीं पुजारी मदन शुक्ला का कहना है कि यहां की गई साधना और पूजा का प्रभाव कई गुना अधिक होता है और मां अपने भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं।

नवरात्र के दौरान यहां भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। उपजिलाधिकारी माधौगढ़ राकेश कुमार सोनी के अनुसार एक नायब तहसीलदार को प्रभारी नियुक्त किया गया है और अन्य अधिकारी भी लगातार निगरानी करेंगे। क्षेत्राधिकारी जालौन शैलेंद्र कुमार बाजपेई ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के तहत कई थाना क्षेत्रों की पुलिस और पीएसी बल की तैनाती की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जालौन देवी के नाम से प्रसिद्ध जयंती माता मंदिर आज आस्था, इतिहास, चमत्कार और लोकविश्वास का अद्वितीय संगम बन चुका है। महाभारत कालीन कथाओं से लेकर डकैतों की आस्था और वर्तमान में भव्य धार्मिक आयोजनों की परंपरा-ये सभी इसे एक विशिष्ट और महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल बनाते हैं। चैत्र नवरात्रि महोत्सव 2026 के साथ एक बार फिर यह धाम श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर होने जा रहा है।

सद्दाम के बाद ढह गया था इराक, खामेनेई-लारिजानी की हत्या से क्यों नहीं रुका युद्ध, क्या है ईरान का मोजेक डिफेंस?

नई दिल्ली

साल 2003 में जब अमेरिकी सेनाओं ने इराक में सद्दाम हुसैन को मार गिराया, तो इराकी सेना लगभग रातोंरात गायब हो गई। सद्दाम का शासन एक क्लासिक टॉप-डाउन पिरामिड संरचना था। जिसमें शीर्ष हटा दो तो आधार को कोई निर्देश नहीं मिलेगा, यानी कोई अधिकार नहीं बचा। पूरा शासन ढह गया। लेकिन 2026 में दुनिया इसके उलट नजारा देख रही है। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख अली लारिजानी और कई वरिष्ठ कमांडरों की हत्या के बावजूद ईरान नहीं झुका। इसके बजाय ईरान जवाबी हमले जारी रखे हुए है, युद्ध का इलाका लगातार फैला रहा है। इसकी वजह है तेहरान द्वारा दो दशकों से परिपक्व की गई रणनीति जिसे कहते हैं मोजेक डिफेंस।

2026 के इस संघर्ष के शुरुआती हफ्तों में इजरायल ने डिकैपिटेशन स्ट्राइक्स पर जोर दिया, यानी ईरान के शीर्ष नेतृत्व और सैन्य कमांड को निशाना बनाया। पहले अली

खामेनेई और फिर 17 मार्च को अली लारिजानी की हत्या को निर्णायक झटका माना गया। लारिजानी, खामेनेई की मौत के बाद सैन्य कमांडर के रूप में उभरे थे। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, यह एक साथ नहीं होगा और आसान नहीं होगा, लेकिन अगर हम दृढ़ रहें तो उन्हें अपना भाग्य खुद तय करने का मौका देंगे। इजरायली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने इसे वास्तविक नेता के खात्मे का नाम दिया।

लेकिन ईरानी सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने मौतों की पुष्टि करते हुए कहा कि सिस्टम बरकरार है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा, अमेरिका और इजरायल को अभी तक यह समझ नहीं आया कि इस्लामिक रिपब्लिक की मजबूत राजनीतिक संरचना है, जिसमें स्थापित संस्थाएं हैं। किसी एक व्यक्ति की अनुपस्थिति से कोई फर्क नहीं पड़ता।

प्रोटोकॉल के तहत लारिजानी की मौत के बाद उनके डिप्टी ने घंटेभर में पूरा ऑपरेशनल अधिकार संभाल लिया। युद्ध की नौकरशाही रुकी नहीं, बस अगले लेवल पर शिफ्ट हो गई। मोजेक डिफेंस 2000 के मध्य में आईआरजीसी कमांडर जनरल मोहम्मद अली जाफरी के समय सामने आया था। यह सिर्फ युद्धक्षेत्र की रणनीति नहीं, बल्कि अस्तित्व के खतरे में राय की तैयारी का सिस्टमिक रीडिजाइन है। इसमें ईरान की सैन्य और सुरक्षा व्यवस्था को विकेंद्रीकृत नेटवर्क में बदला गया। यानी ऐसी अर्ध-स्वायत्त इकाइयां जो केंद्रीय नेतृत्व के बिना भी काम कर सकें। इसे इस तरह समझ सकते हैं कि अगर दुश्मन सिर काट दे तो शरीर खुद सोचकर लड़ सके और जीवित रह सके। आईआरजीसी को 31 प्रांतीय कमांड में बांटा गया है। प्रत्येक प्रांत मोजेक का एक टाइल है। अगर संचार टूट जाए, तो प्रांतीय कमांडर स्थानीय सुप्रीम लीडर बन जाता है। उन्हें पहले से अधिकार है कि वे स्वतंत्र जवाबी हमले करें। प्रत्येक प्रांत में स्वतंत्र ईंधन, भोजन और दवा स्टॉक हैं। लाखों पड़ोस-स्तरीय पैरामिलिट्री वॉलंटियर्स ग्रासरूट पर तैयार हैं। सैटेलाइट लिंक जाम हों या बंकर नष्ट हों, पूर्व-निर्धारित युद्ध योजनाएं चलती रहती हैं।

अमेरिका को टारगेट करने वाले मिसाइल बना रहे चीन और पाकिस्तान

नई दिल्ली

अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने सीनेट इंटेलिजेंस कमिटी के सामने 2026 की एनुअल थ्रेट असेसमेंट पेश करते हुए कहा है कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया, ईरान और पाकिस्तान अमेरिका के लिए सबसे बड़े परमाणु खतरा बने हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ये देश नए, उन्नत या पारंपरिक मिसाइल डिलीवरी सिस्टम विकसित कर रहे हैं, जिनमें परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के हथियार लगाए जा सकते हैं। इन मिसाइलों की रेंज अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती है। तुलसी गबार्ड ने कहा कि चीन और रूस ऐसे एडवांस्ड डिलीवरी सिस्टम बना रहे हैं जो अमेरिकी मिसाइल डिफेंस को भेद या चकमा दे सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि अमेरिका को इन बढ़ते खतरों से गंभीरता से निपटना होगा। उत्तर कोरिया के आईसीबीएम पहले से ही अमेरिकी धरती तक पहुंच सकते हैं और वह अपना परमाणु हथियारों का भंडार बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। गबार्ड ने बताया कि उत्तर कोरिया रूस और चीन के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है, जो वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर सकता है।

पाकिस्तान के बारे में गबार्ड ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें विकसित कर रहा है। इनमें संभावना है कि आईसीबीएम शामिल हों, जिनकी रेंज अमेरिका पर हमला करने लायक हो सकती है। उन्होंने पाकिस्तान को भी प्रमुख परमाणु खतरे के रूप में नामित किया।

गबार्ड ने अल-कायदा और आईएसआईएस को अमेरिकी हितों के लिए लगातार बड़ा खतरा बताया। ये दोनों संगठन अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में मजबूत मौजूदगी बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि इन आतंकी समूहों से विदेशों में अमेरिकी सुरक्षा को गंभीर जोखिम है।

खुफिया प्रमुख ने एक चौंकाने वाला आंकड़ा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि अमेरिका पर हमला करने में सक्षम मिसाइलों की संख्या 2025 में लगभग 3,000 थी, जो 2035 तक बढ़कर 16,000 हो जाएगी। यह तेज इजाफा अमेरिकी सुरक्षा के लिए बड़ी चिंता का विषय है। ईरान के मामले में गबार्ड ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अलग राय रखी। उन्होंने कहा कि जून 2025 में अमेरिका-इजराइल के हमले ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम पूरी तरह तबाह हो गया। उसके बाद ईरान ने संवर्धन क्षमता दोबारा बनाने की कोई कोशिश नहीं की। गबार्ड ने अपनी तैयार बयान में यह बात साफ की कि ईरान का परमाणु संवर्धन कार्यक्रम नष्ट हो चुका है और अब तक कोई पुनर्निर्माण नहीं हुआ। यह बयान ट्रंप प्रशासन की उस धारणा से अलग है जिसमें ईरान को तत्काल खतरा बताया गया था।

पेंटागन ने ईसन युद्ध में लागत बढ़ने के कारण 200 अरब डॉलर की मांग की

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने व्हाइट हाउस से ईरान युद्ध का समर्थन करने के लिए 200 अरब डॉलर से अधिक धनराशि के अनुरोध को मंजूरी देने के लिए कहा है। यह जानकारी स्पूतनिक ने वाशिंगटन पोस्ट के हवाले से गुरुवार को दी। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुरोध मौजूदा खर्च से कहीं अधिक होगा और एक ऐसी राशि है जिसका कांग्रेस में कड़ा विरोध हो सकता है।इसका उद्देश्य उन हथियारों के भंडार को फिर से भरना है जो पिछले तीन हफ्तों में अमेरिकी और इजरायली सेनाओं द्वारा किए गए हजारों हमलों के कारण तेजी से कम हो गए हैं।

क्रूज चलाकर तैरता हुआ होटल बनवा दिया, गंगा को कमाई का साधन बना दिया तो माई कहाँ रह गईः शंकराचार्य

वाराणसी, (वार्ता)

धार्मिक नगरी काशी में ज्योतिषपीठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने नव संवत्सर 'रौद्र' (विक्रमी 2083) के पावन अवसर पर समस्त विश्व के सनातन धर्मावलंबियों के नाम अपना वार्षिक संदेश जारी किया है। शंकराचार्य जी महाराज ने नव संवत्सर पर सनातनी पंचांग का विमोचन भी किया। प्रातःमंगलम् कार्यक्रम के 20वें वार्षिकोत्सव पर शंकराचार्य घाट पर बटुकों द्वारा नववर्ष के नव सूर्य को प्रथम अर्घ्य दिया गया।

शंकराचार्य जी ने कहा, माँ गंगा में नाव पर मांसाहार का सेवन घोर पाप है। वहीं कुछ लोग गंगा में क्रूज चलाकर तैरता हुआ होटल ही बना रहे हैं। लोगों को वहां ठहराया जा रहा है और उसमें भी अनाचार हो रहा है। आगे उन्होंने कहा कि क्रूज बनाकर होटल की तरह गंगा जी में चलाना सही नहीं है। उसमें रहकर लोगों को अपवित्रता करने की छूट नहीं देनी चाहिए। गंगा को कमाई का साधन बना दिया तो वो माई कहाँ रह गई!

आपकी कमाई हो रही है तो उसमें बहुत कुछ आता है। पहले की नावों में नाविकों द्वारा खुली और पारदर्शी व्यवस्था होती थी। अब क्रूज में कोई भी कुछ भी करे, आपने व्यवस्था बना दी है। जब आपने माहौल बना दिया तो नाविक भी पैसा लेकर सब कुछ करने दे रहा है। माई को कमाई का साधन बनाने की कोशिश विगत कई वर्षों से की जा रही है। इसी

का दुष्परिणाम है कि गंगा में नाव पर लोगों ने मांसाहार किया। यह सरकार गौ-ब्राह्मण सनातनी समाज के विरुद्ध है। यह कालनेमी है। शंकराचार्य जी ने अपने संदेश में ज्योतिषपीठारोहण के साढ़े तीन वर्षों की यात्रा का विवरण प्रस्तुत करते हुए देश की राजनीति और वैश्विक संघर्षों पर धर्म-सम्मत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

उन्होने बताया कि 12 सितंबर 2022 को पीठ का उत्तरदायित्व संभालने से लेकर 19 मार्च 2026 के सूर्योदय तक कुल 1284 दिन (3 वर्ष, 6 मास, 1 सप्ताह, 4 दिन) का समय धर्म की मर्यादा और लोक-कल्याण हेतु समर्पित रहा है। महाराजश्री ने बताया कि जगद्गुरुकुलम् काशी के निकट वैदिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के वैश्विक केंद्र का निर्माण तेज गति से जारी है। सवा लाख शिवलिंग मन्दिर छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में सामूहिक अनुष्ठान की शक्ति का प्रतीक है और यह मन्दिर अपने अंतिम चरण में है।

उन्होंने बताया कि धर्म-जागृति यात्रा में संपूर्ण भारत में दो लाख किलोमीटर से अधिक की अनवरत यात्रा संपन्न हुई है। गौ-प्रतिष्ठा अभियान में छह करोड़ आहुतियों वाला महायज्ञ, देशव्यापी ध्वज स्थापना यात्रा और वृन्दावन से दिल्ली तक की पदयात्रा द्वारा जन-चेतना का विस्तार किया गया।

राजनीति को धर्म के अनुशासन में लाने हेतु महाराजश्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि अब हिंदू समाज केवल 'वोट बैंक' नहीं रहेगा। उन्होंने प्रत्येक भारतीय को 'सनातनी राजनीति' करने और 'गो-मतदाता' बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सनातनी मत केवल उसे प्राप्त होगा जो गौ-माता को 'राष्ट्रमाता' का विधिक सम्मान दिलाने और गोवंश की हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध का साहस दिखाएगा।

विश्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर पूज्य महाराजश्री ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का न्यायपूर्ण विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने उद्घोषित किया- किसी भी स्वतंत्र देश की संप्रभुता पर आक्रमण करना घोर अन्याय और अधर्म है। उन्होंने साम्राज्यवादी विस्तारवाद को मानवता के लिए विनाशकारी बताते हुए विश्व शांति हेतु शास्त्र-सम्मत मर्यादा का आह्वान किया।

विक्रम के दुरई स्वामी को चीन में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया

नयी दिल्ली (वार्ता)। चीन के साथ संबंधों के फिर से धीरे-धीरे पटरी पर लौटने के बीच भारत ने ब्रिटेन में उच्चायुक्त विक्रम के दुरई स्वामी को चीन में अपना नया राजदूत नियुक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक वक्तव्य जारी कर बताया कि ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम के दुरई स्वामी को चीन में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। भारतीय विदेश सेवा के वर्ष 1992 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री दुरई स्वामी, प्रदीप कुमार रावत का स्थान लेंगे। श्री दुरई स्वामी इससे पहले भी बीजिंग में भारतीय दूतावास में काम कर चुके हैं। उन्हें विदेश मामलों का खासा अनुभव है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए आईएफएफडी करेगा दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को सम्मानित

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली (आईएफएफडी) में दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को सम्मानित किया जाएगा। इस फिल्म फेस्टिवल में दर्शकों के लिए जहां एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी वहीं दिग्गज कलाकारों को भी देखने, सुनने का मौका मिलेगा। 25 से 31 मार्च 2026 तक भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल दिल्ली में हिंदी सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को सम्मानित किया जाएगा। भारतीय सिनेमा की सबसे कालजयी पहचान मानी जाने वाली शर्मिला टैगोर को यह सम्मान उनके दशकों लंबे करियर और सिनेमा में उनके योगदान के लिए दिया जा रहा है। इस अवसर पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए शर्मिला टैगोर ने कहा, फिल्म फेस्टिवल ऐसे महत्वपूर्ण स्थान हैं जहाँ दुनिया भर का सिनेमा संवाद के लिए एक साथ आता है। मैं इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दिल्ली का हिस्सा बनकर खुश हूँ और इस सम्मान से बेहद अभिभूत हूँ। मैं फेस्टिवल में शामिल होने और उन विविध कहानियों और आवाजों का जश्न मनाने के लिए

उत्सुक हूँ जो सिनेमा को खास बनाती हैं। गौरतलब है कि शर्मिला टैगोर ने हिंदी और बंगाली दोनों ही सिनेमा में शानदार काम किया है और ऐसी परफॉरमेंस दी हैं जो देश के फिल्मी इतिहास में यादगार हैं। अपनी शालीनता, बेहतरीन रेंज और स्क्रीन पर अपनी जबरदस्त उपस्थिति के लिए पहचानी जाने वाली टैगोर ने भारत के सबसे प्रसिद्ध फिल्मकारों के साथ काम किया है। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और 100 से अधिक देशों से कुल 2,187 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं। इनमें 1,372 अंतरराष्ट्रीय और 815 भारतीय फीचर और नॉन-फीचर फिल्में शामिल हैं। भारत मंडपम के साथ-साथ शहर के विभिन्न मल्टीप्लेक्स और सार्वजनिक ओपन-एयर स्थानों पर भी फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी, ताकि उच्च गुणवत्ता वाला सिनेमा एक बड़े और विविध दर्शकों तक पहुँच सके।

पेड्डी के सेट पर पहुंचे टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन तिलक वर्मा

टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन तिलक वर्मा ने पेड्डी के सेट पर पहुंचकर सभी लोगों को चौंका दिया। राम चरण स्टारर फिल्म पेड्डी 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। इस फिल्म में जान्हवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। जब से इस प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ है, फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के बीच इसे लेकर जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। इसी बढ़ते उत्साह के बीच, टी 20 वर्ल्ड कप चैंपियन तिलक वर्मा ने पेड्डीके सेट पर पहुंचकर सभी को चौंका दिया।फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें तिलक वर्मा के इस खास दौरे की झलक दिखाई गई है। सेट पर मौजूद हर किसी ने तिलक का बड़े ही जोश और तालियों के साथ स्वागत किया। इस मौके पर राम चरण ने तिलक वर्मा को अपना साइन किया हुआ एक क्रिकेट बैट भी गिफ्ट किया। पूरी टीम की तरफ से राम चरण ने तिलक के आने पर खुशी जाहिर की और उन्हें शुक्रिया कहा, वहीं तिलक ने भी सेट पर बिताए पलों को यादगार बताया। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, टी 20 वर्ल्ड कप चैंपियन ञ्चतिलकवार्मा पहुंचे ञपेड्डी के सेट पर! उन्होंने फिल्म के स्पोर्ट्स सीक्वेंस की एक झलक देखी और वह इससे पूरी तरह प्रभावित नजर आए।पेड्डी दुनिया भर के सिनेमाघरों में 30 अप्रैल, 2026 को रिलीज होगी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी पेड्डी में राम चरण के साथ शिव राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू जैसे कलाकार नजर आएंगे।

शनाया का रोल ऑफर हुआ तो बहुत उत्साहित हुयी : मुस्कान बामने

मुस्मान बामने का कहना है कि सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल में जब उन्हें शनाया का रोल ऑफर हुआ तो वह बहुत उत्साहित हुयी। सोनी सब का चर्चित शो पुष्पा इम्पॉसिबल अपनी दिल छू लेने वाली कहानी और दर्शकों से जुड़ने वाले किरदारों के साथ लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है। कहानी में नया मोड़ तब आता है, जब शनाया (मुस्कान बामने द्वारा निभाया गया किरदार) की एंट्री होती है। शनाया एक आत्मविश्वासी और बेबाक युवती है, जो साउथ मुंबई से आती है। उसका विशेषाधिकारों से भरा नजरिया जब पुष्पा की चाल वाली जिंदगी से टकराता है, तो शो में नए समीकरण और दिलचस्प पल सामने आते हैं। इस टकराव से पुष्पा (करुणा पांडे) की यात्रा और भी गहरी हो जाती है।

मुस्कान बामने ने कहा, जब मुझे शनाया का किरदार ऑफर हुआ, तो मैं सचमुच बहुत उत्साहित थी। वह तुरंत ही अलग लगी, क्योंकि पुष्पा इम्पॉसिबल में अब तक जो दुनिया दिखाई गई है, उससे शनाया बिल्कुल अलग है। शनाया मज़बूत इरादों वाली, बेबाक और बेहद आरामदायक लाइफस्टाइल की आदी है। साउथ मुंबई से आने वाली एक लड़की का अचानक चाल के माहौल में खुद को ढालना मुझे बेहद दिलचस्प लगा। एक कलाकार के तौर पर, ऐसा किरदार निभाना रोमांचक है, जो कहानी की बनी-बनाई लय को तोड़ता है और अपने बोल्ड अंदाज़ के पीछे भावनात्मक परतें भी लेकर आता है।

देवी पार्वती का किरदार निभाना बेहद खास रहा : श्रेनु

श्रेनु पारिख का कहना है कि सोनी सब के शो 'गणेश कार्तिकेय' में देवी पार्वती का किरदार निभाना उनके लिये बेहद खास रहा है। सोनी सब के शो 'गणेश कार्तिकेय' के आने वाले एपिसोड्स में कहानी देवी पार्वती और भगवान शिव के दिव्य मिलन की ओर बढ़ती है। सती के बलिदान के बाद पुनर्जन्म लेकर पार्वती महादेव को जागृत करने के संकल्प के साथ तपस्या शुरू करती हैं। महादेव गहरे ध्यान और शोक में लीन रहते हैं, लेकिन पार्वती वर्षों तक कठिन तप और सेवा करती हैं। इस बीच, राक्षस तारकासुर (आमिर दलवी) का अत्याचार ब्रह्मांड को संकट में डाल देता है। कामदेव (करण चौधरी) प्रेमबाण से शिव का ध्यान भंग करने का प्रयास करते हैं, जिससे शिव प्रचंड क्रोध में कामदेव को भस्म कर देते हैं लेकिन पार्वती की अटूट भक्ति धीरे-धीरे शिव के दुःख को पिघलाती है और उनके नियति-निर्धारित मिलन की राह बनाती है। यह एक ऐसा क्षण है, जो ब्रह्मांडीय संतुलन को पुनः स्थापित करता है और उस पुत्र के जन्म का मार्ग प्रशस्त करता है, जो तारकासुर का अंत करेगा। 'गणेश कार्तिकेय' में देवी पार्वती का किरदार निभा रहीं श्रेनु पारिख ने साझा किया, इस चरण में देवी पार्वती का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद खास रहा, क्योंकि यह उनकी भक्ति और शक्ति की गहराई को दर्शाता है। देवी पार्वती के रूप में पुनर्जन्म लेने के बाद, वे देवी सती के बलिदान और भगवान शिव के दुःख की स्मृति साथ लेकर आती हैं। यही स्मृति उन्हें महादेव को संसार में वापस लाने के लिए दृढ़ संकल्प देती है।

सभी नागरिक संकल्प लें कि पानी व्यर्थ नहीं बहने देंगे और जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे : मंत्री प्रहलाद पटेल

गांव-गांव में स्वच्छता को अपनाएं और स्वस्थ समाज का निर्माण करें

मंत्री श्री पटेल ग्राम देवाकछार में लोकार्पण/भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि गांव-गांव तक नागरिकों के लिए शुद्ध पेयजल पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है, गांवों तक स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। अब समय आ गया है कि सभी ग्रामीणजन मिलकर गांव की समस्याओं का निपटारा गांव में ही करें। उन्होंने कहा कि आज के इस पावन अवसर पर सभी संकल्प ले कि बरसात के पानी को व्यर्थ नहीं बहने देंगे, बरसात के पानी को गांव में ही रोकने का प्रबंध करेंगे, इससे गांव में पानी की कमी नहीं होगी। उक्ताशय के विचार मंत्री श्री पटेल ने जिले के करेली ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम देवाकछार में लोकार्पण/ भूमिपूजन कार्यक्रम में व्यक्त किए। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने 79.97 लाख रुपये की लागत से नल-जल योजना का लोकार्पण किया। उन्होंने 17.30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले खेल मैदान और 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री रामसनेही पाठक, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा, नशे की वस्तुओं का त्याग करना होगा। उन्होंने कहा कि पहले गांव की दुकानों में किराना की सामाग्री जरूरत के हिसाब से मिलती थी, लेकिन अब गांव में ही नशे की वस्तुएं मिलने की खबर आती है। यह खबर स्वस्थ समाज के लिए ठीक नहीं है। गांव में किसी भी प्रकार के नशे की वस्तुएं न बिके, इसके लिए सभी को संकल्प लेना होगा, जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

उन्होंने कहा कि गांव के समग्र विकास की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों सहित सभी नागरिकों की है। गांव में पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की चिंता करते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में शुरू हुआ, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति मिली है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की ऐसी बस्तियां जहां न्यूनतम आबादी है, वहां भी पक्की सड़कों का निर्माण कार्य सरकार के द्वारा किया जाएगा। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई नल-जल योजना से अब प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आई है।

उन्होंने बताया कि अब इन योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित होगा। उन्होंने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए गंभीरता से कार्य करे। उन्होंने अपील की है कि पानी का दुरुपयोग न करें और सामूहिक रूप से जल संरक्षण के प्रयासों को आगे बढ़ाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध होता रहे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवनों का निर्माण किया गया है, ताकि विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन सुचारु रूप से हो सके। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सभी को शासकीय संपत्तियों की देखभाल करनी चाहिए और स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण पर उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बच्चों को खेल गतिविधियों के प्रति प्रोत्साहित करने की बात कही, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) के तहत पंचायतों को लगभग एक करोड़ रुपये तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और विकास कार्यों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद एवं पात्र हितग्राहियों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत सभी पात्र परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हो सके।

गायत्री शक्तिपीठ में सामूहिक गर्भ संस्कार संपन्न हुआ

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत। आओ गढ़े संस्कारवानपीढी शांतिकुंज के तत्वावधान में पूरे मध्य प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में सामूहिक गर्भ संस्कार संपन्न हुए दिनांक 17 मार्च को गायत्री शक्ति पीठ नरसिंहपुर पर भी 31 गर्भवती बहनों का गर्भ संस्कार किया गया जिसमें श्रीमती ओमवती मालवीय एवं श्रीमती माधुरी यादव द्वारा सभी का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया अतिथी सम्माननीय बहनों श्रीमती मिथिलेश शर्मा जीश्रीमती हेमलता शर्माजी श्रीमती संध्या कोठारी जीश्रीमती ज्योति तिवारी जीश्रीमती शकुन नामदेव जीएवं श्रीमती भारती दीक्षित जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर देव मंच पूजन किया गया कार्यक्रम में गर्भवती बहनों को गायत्री महामंत्र का दुपट्टा पहनाकर तिलक वंदन कर गायत्री महामंत्र लेखन एवं आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी की पुस्तिका प्रदान की गई गर्भवती बहनों का संस्कार संपन्न कराती हुई बहनों गायत्री परिवार ट्रष्टिश्रीमती मंजू श्रीवास्तव एवं बहनश्रीमती मिथिलेश सोनी द्वारा स्वस्थ एवं संस्कारवान संतान प्राप्ति हेतु गर्भवती बहनों कोआहार बिहार आदर्श दिनचर्या, ध्यान,गर्भ विज्ञान एवं संस्कार के बारे में बताया गया , गायत्री शक्तिपीठ नरसिंहपुर में चलाये जा रहे सभी अभियान एवं माता भगवती देवी जी की जन्म शताब्दी में होने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में अनुयाज समिति प्रमुख राम शंकर वर्मा जी के द्वारा जानकारी दी गई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता बहनों का स्वागत बहनश्रीमती भारती कौरव को बहनकल्पना चौकसे द्वारा गायत्री महामंत्र का दुपट्टा पहना तिलक वंदन कर परम पूज्य गुरुदेव केसाहित्य द्वारा सम्मानित किया गया कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेविका आदरणीय श्रीमती संध्या कोठारी जी एवं दुर्गा महिला मंडल की अध्यक्ष आदरणीयश्रीमती ज्योति तिवारी जी द्वारा गर्भवती बहनों को शुभकामनाएं दी गई एवं गायत्री परिवार द्वारा किए गए आयोजन प्रशंसा की कार्यक्रम में कार्यक्रम के आयोजन में महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास श्रीमती पुष्पा मदकोरिया जी एवं पर्यवेक्षक श्रीमती मोनिका चौहान जी एवं मंदिर परिव्राजक सहित वैशाली तनु लखन पटेल मोहित के विशेष सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

गौरैया को बचाने की दिशा में पहल बहुत आवश्यक

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। अनेक संगठनों से जुड़ी समाजसेविका भारती कौरव ने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार गौरैया चिड़िया की संख्या में 60 प्रतिशत तक कमी आई है। ग्लोबलाइजेशन के जमाने में तेजी से निर्माण हो रहे भवन सड़कें और इंडस्ट्रीज के कारण पेड़ पौधों की कटाई से इन पक्षियों के रैन बसेरा उजडते जा रहे हैं, साथ ही साथ मोबाइल टावर्स और मोबाइल से निकलने वाले रेडिएशन की वजह से इनकी प्रजनन क्षमता भी कम हो रही है। गोरैया को बचाने की दिशा में पहल और जागरूकता बहुत आवश्यक है। हमें जागरूकता अभियान के दौरान बताना होगा कि गौरैया, प्रजनन के दौरान अपने बच्चों को हानिकारक इल्ली और कीड़े खिलाती है, जो फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं।इनकी उपस्थिति एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है। इस तरह से वह पर्यावरण मित्र भी कहलाती है चूकि मार्च अप्रैल में ही गौरैयों का प्रजनन का समय होता है इसलिए हम सभी संकल्प लें और काम करना शुरू करें कि हमें किसी भी हाल में गौरैया को बचाना है और अपने घर की छत पर या किसी ऐसी जगह पर जहां पक्षियों के आने की संभावना होती है, वहां मिट्टी के बर्तन में पानी और गौरैया के लिए दाना रखें। साथ ही घर में कोई ऐसा सुरक्षित कोना उनके लिए छोड़ दें जहां वे अपना घोंसला बना सकें और यदि घर में कोई ऐसा कोना उपलब्ध न हो तो आजकल मार्केट में लकड़ी के और घास फूस के आर्टिफिशियल घोंसले मिलते हैं जिन्हें लाकर हम अपने घर में लगा सकते हैं फिर आप पाएंगे कि आपका घर चिड़ियों की चहचहाहट से चहक उठेगा तभी हम गोरैया को बचा पाएंगे। भारती कौरव ने बताया कि मैंने अपने घर में यह आर्टिफिशियल घोसले लगाए हैं और चिड़ियों के लिए एक हरा भरा कोना तैयार किया है क्या आपने अपने घर में पक्षियों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था की है यदि हां तो आप एक सच्चे पर्यावरण मित्र हैं।

भूमि की उर्वरता को बनाए रखने के लिए जैविक खेती को अपनाना अत्यंत आवश्यक : मंत्री पटेल

मंत्री पटेल के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला कार्यक्रम बुधवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल व गोटेगांव विधायक श्री महेन्द्र नागेश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री रामसनेही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्री सुनील कोठारी, श्री सीताराम नामदेव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और जिले से आए बड़ी संख्या में कृषकगण मौजूद थे। कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने मंच से हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। मेला के दौरान लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया गया। मंत्री श्री पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में किसानों की समृद्धि के साथ कुछ सामाजिक चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिनमें नशा और अपराध जैसी समस्याएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना और मूंग जैसी फसलों ने किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, जिससे जिले को समृद्धि मिली है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिले की पहचान उसकी उपजाऊ भूमि और कृषि समृद्धि से है। यहां के किसान एशिया की सबसे उपजाऊ भूमि पर खेती करने वाले किसानों में शामिल हैं। उन्होंने गिरते जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले की तुलना में अब भूजल स्तर में लगातार कमी आ रही है, जो भविष्य के लिए गंभीर संकेत है। उन्होंने जैविक खेती के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों और दवाइयों के अत्यधिक उपयोग से बचते हुए जैविक खेती को अपनाना चाहिए, ताकि भूमि की उर्वरता बनी रहे और आने वाली पीढ़ियों को भी स्वस्थ वातावरण मिल सके।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जिले का वैभव केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हमें कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग की दिशा में भी आगे बढ़ना होगा, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने बताया कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) के माध्यम से सराहनीय कार्य किया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

महिलाओं को प्रोत्साहन और सहायता देने की आवश्यकता है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और आर्थिक विकास में भागीदार बनें। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने किसानों से आव्हान किया कि वे योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसान मूंग की जगह उड़द की फसल लगाते हैं, तो सरकार द्वारा प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि यह पहल देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की गई है और किसानों को इसमें सहभागी बनना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि नरसिंहपुर जिला उत्पादन के साथ-साथ प्रोसेसिंग के क्षेत्र में भी अग्रणी बने। इसके लिए सामूहिक प्रयास और जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि भूमि की उर्वरता को बनाए रखने के लिए जैविक खेती को अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

इसके लिए गोबर आधारित खाद का उपयोग और गौपालन को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे प्राकृतिक खेती को सशक्त किया जा सके और किसानों का भविष्य सुरक्षित हो। कार्यक्रम को विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, विधायक श्री महेन्द्र नागेश सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

नदी पर बनने वाले पुल का भूमिपूजन

प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बुधवार को करेली ब्लॉक अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कपूरी में 127.04 लाख रुपये की लागत से खेदा नदी पर बनने वाले पुल का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री रामसनेही पाठक, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, श्री सुनील कोठारी, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

चैत्र नवरात्रि पर रिलीज़ हुआ बुंदेली भजन

करेली। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रसिद्ध बुंदेली भजन 'धीरे-धीरे बजना डुलाए सकियां' रिलीज़ हुआ है, जिसे दर्शकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। यह मध्यप्रदेश का एक लोकप्रिय पारंपरिक भजन माना जाता है। भजन के लेखक एवं कंपोज़र गिरधारीलाल जोशी हैं, जो छतरपुर निवासी हैं। भजन में अपनी मधुर आवाज़ से सचिन परिहार और आदर्श जोशी ने विशेष आकर्षण पैदा किया है। करेली निवासी सचिन परिहार इससे पहले सिम्फनी ऑफ इंडिया और दूरदर्शन नेशनल पर अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। सचिन परिहार, नगर पालिका करेली में कार्यरत रामकुमार जाटव सहा. रा. नि. के पुत्र एवं यशपाल जाटव शिक्षक के भतीजे हैं। अपने गायन से करेली शहर का नाम रोशन कर रहे हैं। भजन में करेली के शिक्षक आशीष दुबे के पुत्र पार्थ दुबे ने संगीत दिया है, वीडियो निर्देशन का कार्य करेली नगर के बैघनाथ चौरसिया के पुत्र प्रथम चौरसिया ने किया है। भजन के रिलीज़ होने पर क्षेत्र के संगीत प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है।

जिला दंडाधिकारी ने जिले की नहरों के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने जिले की नहरों के संबंध में तत्काल प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह प्रतिबंधात्मक आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के प्रावधानों के तहत जिले की सीमाओं में नहरों के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्यास संहिता 2023 के अंतर्गत दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार जिले में किसी भी स्थान पर नहरों के संचालन के कमांड के कृषकों द्वारा अतिक्रमण नहीं? किया जायेगा, जिससे सिंचाई कार्य बाधित न हो। गेटों पर कोई भी व्यक्ति उपस्थित होकर कर्मचारियों को भयभीत नहीं करेगा और ना ही वहां पर भीड़ इकट्ठी होगी। गेटों का संचालन केवल संबंधित विभाग के कर्मचारियों द्वारा किया जायेगा। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गेट का संचालन करने का प्रयास नहीं किया जायेगा। संबंधित विभाग के कर्मचारियों के साथ किसी भी व्यक्ति द्वारा अभद्रता या मारपीट नहीं की जायेगी। ऐसी घटनायें होने पर संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध तत्काल पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी। कोई भी व्यक्ति नहर में नहाने, कपड़े धोने, पशुओं को नहलाने, वाहन धोने आदि का कार्य नहीं करेगा। किसी भी व्यक्ति द्वारा नहर के पानी के बहाव का दिशा परिवर्तन नहीं किया जायेगा और ना ही पानी को रोका जायेगा। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार मुख्य नगर की आरडी में स्थित एचआर/ स्केप/ सीआर के अंतर्गत चनाटोला के अंतर्गत 63.42 स्कोप कम सीआर, तहसील गोटेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम जामुनपानी में 66.955 एचआर कम सीआर, बकौरी में 79.84 स्केप व बरहटा में 93.98 एचआर कम सीआर, तहसील नरसिंहपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम करहैया में 102.04 एचआर कम सीआर व ग्राम हिनौतिया में 117.275 सीआर और तहसील करेली के अंतर्गत आने वाले ग्राम सिमरिया में 130.42 सीआर, शाहपुर में सडूमर शाखा की आरडी 4.20 किमी व ग्राम खंचारी में सडूमर शाखा की आरडी 9.60 किमी स्थानों पर संबंधित विभाग द्वारा दल बनाकर पेट्रोलिंग कराई जायेगी और जारी आदेश का परिपालन सुनिश्चित किया जायेगा। आवश्यकता पड़ने पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तथा पुलिस के संयुक्त दल द्वारा भी पेट्रोलिंग की जायेगी। इस संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा संबंधित कार्यपालिक दंडाधिकारी एवं थाना प्रभारी से सम्पर्क कर उपरोक्तानुसार के लिए कहा जायेगा। उल्लेखनीय है कि कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर डिस्ट्रेट संभाग नरसिंहपुर के माध्यम से अवगत कराया गया है कि जिले के अंतर्गत मुख्य नहर की आरडी 63.42 से 135 किमी एवं समस्त वितरण प्रणाली में रबी एवं ग्रीष्म सिंचाई के लिए नहरों से पानी चलाया जा रहा है। कृषकों द्वारा किये जा रहे अतिक्रमण एवं अवरोध के कारण नहर संचालन की स्थिति बिगड़ रही है।

जिले में 19 मार्च को विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित होगा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। राज्य शासन के संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ अवसर पर सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में गुरूवार 19 मार्च 2026 को प्रातः 10 बजे से नरसिंह मंदिर परिसर में किया जाएगा। यह कार्यक्रम संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व परम्परा से श्री महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन के शिखर पर समय- समय पर स्थापित किए जाने वाले ब्रह्मध्वज को जिले के प्रमुख मंदिरों एवं स्थलों पर स्थापित कर संस्कृति विभाग के कलाकारों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिले के सभी गणमान्य नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति का आग्रह किया गया है।

श्रीमती मधु साहू का निधन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं समाज सेवी अनिल साहू की धर्मपत्नी श्रीमती मधु साहू का दिनांक 19/3/26, दिन गूरूवार को स्वर्गवास हो गया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। अंतिम यात्रा-आज दिनांक 20/3/26, दिन शुक्रवार को प्रात:10 बजे, उनके निवास स्थान पुरानी गल्ला मंडी गाडरवारा से मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

एनटीपीसी ने किया क्रिकेट कप का आयोजन

सीएसआर पहल से गांवों में खेल का उत्साह

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा सीएसआर पहल के अंतर्गत परियोजना प्रभावित ग्रामों के लिए चार दिवसीय ग्रामीण क्रिकेट कप का भव्य आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में सभी सात परियोजना प्रभावित गाँवों की टीमें बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग ले रही हैं। विशेष बात यह है कि इस प्रकार की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार किया जा रहा है, जिससे ग्रामवासियों में विशेष उत्साह और

खुशी का वातावरण निर्मित हुआ है। यह आयोजन खेल के माध्यम से आपसी भाईचारे, सहयोग, समन्वय एवं विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक पहल है। प्रतियोगिता का शुभारंभ परियोजना प्रमुख हिम्मत सिंह चौहान द्वारा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम, एनटीपीसी गाडरवारा में विधिवत रूप से किया गया, जिसमें बी बी पात्रा, मानव संसाधन प्रमुख एवं सभी ग्रामों के सरपंचों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस प्रतियोगिता में सातों गाँवों की टीमों से लगभग 180 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है, जो ग्रामीण क्षेत्र में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रतियोगिता का फाइनल मैच 21 मार्च को आयोजित किया जाएगा, जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार है। इसी के साथ सभी सातों ग्रामों को क्रिकेट एवं वॉलीबॉल किट भी प्रदान की गई, जिससे ग्रामीण युवाओं को खेल के प्रति और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

इस अनूठी एवं प्रभावशाली सीएसआर पहल के लिए ग्रामवासियों ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की है और एनटीपीसी गाडरवारा की इस पहल की भूरि-भूरि सराहना की है। इस प्रकार के आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को निखारते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता, सहभागिता और सामुदायिक विकास को भी बढ़ावा देते हैं, जो ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तिब्बत की आजादी के मुद्दे पर संसार भर के समर्थकों का अधिवेशन संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

तिब्बत की चीन से आजादी के मुद्दे पर संसार भर के समर्थक जुटे हिमाचल प्रदेश के मैकलोड़ गंज में। विदित हो तिब्बत संसार का शांति प्रिय, धार्मिक, स्वतंत्र देश था। 1950 में चीन ने धूर्तता पूर्ण, मक्कारी करते हुए, धोखे से तिब्बत में अपनी सेना भेज कर कब्जा कर लिया। तिब्बत के सर्वोच्च धर्म गुरु परम पावन 14 वें दलाई लामा को भाग कर 1959 में भारत में शरण लेनी पड़ी। भारत सरकार के सहयोग से हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के मैक्लोड गंज में तिब्बत की निर्वासित सरकार का गठन कर तिब्बत को चीन के कब्जे से मुक्त करवाने का संघर्ष, प्रयास प्रारंभ किया। भारत सहित संसार भर के तमाम देश चीन के इस कृत्य का विरोध करते हैं और उन देशों में तिब्बत की आजादी के समर्थक समूह अनेक प्रकार से गतिविधियों का संचालन करते हैं इसी क्रम में विगत 8 मार्च से 14 मार्च तक विश्व भर के तिब्बत की आजादी के समर्थक समूहों के प्रमुखों का मैकलोडगंज के दलाई लामा मंदिर और अन्य स्थानों पर जमावड़ा हुआ। 8,9,10 मार्च को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 11 मार्च को परम पावन दलाई लामा के 90 वें जन्म वर्ष को करुणा वर्ष के रूप में आयोजित किया गया। परम पावन दलाई लामा के दीर्घायु होने की प्रार्थना और कामना की गई। 12,13 मार्च को प्रत्येक 3 वर्ष में आयोजित होने वाला भारत के समस्त तिब्बत समर्थक समूहों का 8 वां अधिवेशन संपन्न हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक, मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार के सानिध्य में पूरे देश में प्रभावी जागरण का कार्य कर रहे संगठन भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन पंकज के नेतृत्व में भारत तिब्बत सहयोग मंच के देश भर के प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पदाधिकारी द्वारा भी पूरे कार्यक्रमों में सहभागिता की गई और भारत तिब्बत सहयोग मंच द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कटनी के पूर्व विधायक गिरिराज किशोर राजू पोद्दार द्वारा 13 मार्च को तिब्बत की आजादी के संदर्भ में महत्वपूर्ण सुझाव प्रेषित किए गए बहुत ही उत्साह पूर्वक, उल्लासमय, संकल्पित वातावरण में अधिवेशन समाप्त हुआ। समस्त प्रतिनिधियों द्वारा पूरे भारत और संसार में तिब्बत की आजादी के लिए किए जा रहे प्रयासों, संघर्षों को नए आयाम देने का संकल्प दोहराया। अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के प्रमुख बिंदु निम्नानुसार हैं यह घोषणा पत्र 8वीं अखिल भारतीय तिब्बत समर्थन समूह सम्मेलन 12-13 मार्च धर्मशाला का सार है। इसमें भारतीय नागरिक समाज और तिब्बती जनता के बीच एकजुटता को दोहराया गया है। मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं- भारत और तिब्बत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों की पुन: पुष्टि। तिब्बत पर चीन के कब्जे और तिब्बती संस्कृति, भाषा, धर्म तथा पर्यावरण पर खतरे को लेकर गंभीर चिंता। धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, बच्चों के लिए औपनिवेशिक शैली के बोर्डिंग स्कूल और पहचान मिटाने की कोशिशों की निंदा। दलाई लामा के पुनर्जन्म पर चीन के दावे को अस्वीकार करते हुए कहा गया कि यह निर्णय केवल तिब्बती बौद्ध समुदाय का अधिकार है। दलाई लामा के शांति, करुणा, अहिंसा और पर्यावरण जागरूकता के योगदान की सराहना। निर्वासित तिब्बतियों की केंद्रीय तिब्बती प्रशासन को वैध प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देने की मांग। दलाई लामा और चीनी सरकार के बीच सार्थक संवाद की अपील। भारत सरकार और जनता से तिब्बती बंनेम को समर्थन जारी रखने का अनुरोध। पूरे भारत में तिब्बत समर्थन समूहों को मज़बूत करना। शैक्षणिक कार्यक्रमों और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से जागरूकता फैलाना। सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पहलें आयोजित करना। युवाओं और नागरिक समाज की भागीदारी बढ़ाना। भारत में रह रहे तिब्बती समुदायों की समस्याओं पर ध्यान देना और उनकी संस्कृति व पहचान की रक्षा के लिए वकालत करना। संक्षेप में, यह घोषणा पत्र तिब्बती जनता के संघर्ष के लिए भारतीय समर्थन को शांति, जागरूकता और निरंतर सहयोग के माध्यम से मज़बूत करने का संकल्प है। 14 मार्च को पर्वतीय स्थल, दलाई लामा मंदिर अन्य मनोरम स्थान का भ्रमण किया गया 15 मार्च को तिब्बत की निर्वासित सरकार की सांसद तेनजिन चुजेन द्वारा तिब्बत की निर्वासित सरकार के संसद भवन और संसद के गर्भ गृह, अभिलेखागार और संपूर्ण परिसर का अवलोकन करवाकर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई, उल्लेख किया गया। प्रत्येक स्तर पर तिब्बत के नागरिकों द्वारा, तिब्बत के जनप्रतिनिधियों, प्रमुखों द्वारा बहुत ही भावपूर्ण ढंग से भारत की जनता भारत के नेतृत्व का बार-बार आभार प्रदर्शित किया गया कि तिब्बत की आजादी के लिए जैसे भारत की जनता ने अपने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया था वैसे ही समर्थन और संघर्ष किया जा रहा है। जब भी तिब्बत आजाद होगा तिब्बत के ल्हासा स्थित पोटाला हाउस में इतिहास लिखा जाएगा तो भारत का सहयोग और उसमें भी प्रमुख रूप से भारत तिब्बत सहयोग मंच के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारी भारत देश के नागरिकों के माध्यम से किए जा रहे सहयोग का प्रमुखता से वर्णन रहेगा। परम पावन दलाई लामा जी का भी कहना है बौद्ध धर्म भारत से तिब्बत गया। भारत का मैं पुत्र हूं, तिब्बत की आजादी भारत के बिना संभव नहीं है। हमने अपनी उम्र तिब्बत की आजादी के लिए, अपना जीवन तिब्बत की आजादी के संघर्ष के लिए लगा दिया है। अब तिब्बत की आने वाली पीढ़ियां और भारत देश के नागरिकों, युवाओं की पीढ़ियां इस संघर्ष को समझे कि तिब्बत की आजादी भारत की सुरक्षा है और इस तिब्बत की आजादी की मशाल को तब तक प्रज्वलित रखें जब तक तिब्बत आजाद नहीं हो जाता। अधिवेशन का ध्येय वाक्य भी यही था अगले वर्ष ल्हासा में मिलेंगे, बैठेंगे। जय भारत जय तिब्बत चीन की सीमा चीन की दीवार बाकी सब चीन का अवैध कब्जा है। चाइना गो बैक चीन पीछे हटो, तिब्बत को आजाद करो। 1962 के भारत चीन युद्ध में हथियाई गई भारत की जमीन को छोड़ो, पीछे हटो। इन्हीं सब नारों के साथ बहुत ही गरिमा पूर्वक तिब्बत समर्थक समूह का 7 दिवसीय अधिवेशन संपन्न हुआ।

धूमधाम से मनाया गया आयुध निर्माणी दिवस

कटनी (स्वतंत्रमत)। संपूर्ण भारत में 18 मार्च आयुध निर्माणी दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी आ. नि. कटनी में यह पर्व कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा मिलकर प्रफुल्लित मन से मनाया गया। आ. नि. बोर्ड एशिया का दूसरा एवं भारत का सबसे बड़ा रक्षा उपकरण निर्माता था। आ. नि. बोर्ड को चौथे रक्षा बल अर्थात सशस्त्र बलों के पीछे की सेना के रूप में भी जाना जाता था। इसी उपक्रम की बदौलत हमने तीन युद्ध जीते हैं तथा भारत आर्म्स, एम्यूनिसंस, एक्सप्लोसिव्स, वेपन स्पेयर्स, पैराशूट्स, लेदर तथा क्लोदिंग आइटम्स आदि 30 से अधिक देशों में निर्यात करता है। 18 मार्च के दिन प्रतिवर्ष जगह-जगह रक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी तथा विभिन्न आयु वर्ग में आयुध दौड़ आदि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। भारतीय आयुध निर्माणियाँ एक भव्य औद्योगिक संरचना हैं, इनका गौरवशाली इतिहास 224 वर्षों का है तथा ये भारत सरकार रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करती हैं। इस महान औद्योगिक संरचना का वर्तमान सरकार द्वारा अक्टूबर 2021 से निगमीकरण कर दिया गया है, जिसके कारणों पर आज भी प्रश्नवाचक चिन्ह है। सरकार ने इस बोर्ड को 7 डीपीएसयू में वितरित कर दिया है, जिससे विभिन्न आयुध निर्माणियों के लगभग 70 हजार कर्मचारियों में रोष है। 18 मार्च को ही 1802 में देश की पहली आयुध निर्माणी, काशीपुर कोलकता में उत्पादन प्रारम्भ हुआ था, अत: इस दिन को आयुध निर्माणी दिवस के रूप में मनाया जाता है। कटनी निर्माणी में भी केक काटकर उत्सव का श्रीगणेश किया। तत्पश्चात शिवाजी प्रताप, सुधीर त्रिपाठी, रजनीश शर्मा, शिव पाण्डेय, मुकेश आदि वक्ताओं के उद्बोधनों से समाए बंध गया। लगभग सभी वक्ताओं ने आयुध निर्माणियों की महत्ता एवं राष्ट्र सुरक्षा जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला। सभी कर्मचारियों ने आयुध कारखानों को बचाने तथा राष्ट्र का गौरव बढ़ाने की शपथ भी ली। भावेश दुबे ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के अंत मे संयुक्त संघर्ष समिति के महासचिव संजय तिवारी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया। यह पर्व सम्पूर्ण मर्यादा में चायवकाश के समय 9:30 से 10:00 के बीच औद्योगिक केंटीन सम्पन्न हुआ। मिष्ठान वितरण के पश्चात राष्ट्रभक्त, कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारीगण अपने-अपने अनुभाग में जाकर पुन: उत्पादन कार्य में रत हो गये।

भगवान महावीर जयंती पर 08 दिवसीय कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्रमत)। अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर स्वामी की जयंती पावन अवसर पर 08 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जावेगे। पंचायत अध्यक्ष संजय जैन ने बतलाया कि आगामी 25 मार्च दिन बुधवार को शांतिनाथ रूंगटा मंदिर एवं 26 मार्च दिन गुरूवार को महावीर कीर्ति स्तंभ एवं 28 मार्च दिन शनिवारे पार्श्वनाथ दिग. जैन कांच मंदिर से प्रात: 5:30 बजे प्रभात फेरी निकाली जावेगी। 29 मार्च दिन रविवार को प्रात: 6 बजे महावीर कीर्ति स्तंभ विशाल वाहन रैली तथा 30 मार्च दिन सोमवार को प्रात: 7 बजे महावीर चैक से श्रीजी की भव्य शोभायात्रा धर्मप्रभावना हेतु निकाली जावेगी। इस अवसर पर दिग. जैन सोशल ग्रुप रायल द्वारा जैन धर्मशाला में विशाल रक्त शिविर का आयोजन किया जावेगा। 31 मार्च दिन मंगलवार को दोपहर 1 बजे दिग. जैन सोशल ग्रुप रायल द्वारा महावीर कीर्ति स्तंभ झंडा बाजार में भोजन का वितरण किया जावेगा। पंचायत महासभा के सचिव विन्नी जैन, पीयूष एवं उपाध्यक्ष शरद सरावगी ने समस्त सधर्मी बन्धुओं एवं माताओं बहनो से कार्यक्रमों शामिल होने की अपील की है।

कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु महाविद्यालय के दो अधिकारी पहुंचे जबलपुर

कटनी (स्वतंत्रमत)

शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी नागेन्द्र यादव के निर्देशन में महाविद्यालय के दो अधिकारी मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयोजित संभाग स्तरीय अधिकारी/ कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु जबलपुर पहुंचे। यह प्रतियोगिता प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय, जबलपुर में संपन्न हुई। डॉ. अर्पित द्विवेदी, सहायक प्राध्यापक (गणित) ने शतरंज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा विजेता बने। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हो गए हैं। इसी प्रकार पंकज सेन, ग्रंथपाल ने टेबिल टेनिस प्रतियोगिता में उप-विजेता का स्थान प्राप्त किया। दोनों ने जिला स्तर पर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। महाविद्यालय परिवार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों को बधाई दी तथा आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जेपीवी डीएवी विद्यालय में कक्षा आठवीं एवं ग्यारहवीं के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम घोषित

कटनी (स्वतंत्रमत)

19 मार्च को जेपीवी डीएवी विद्यालय में कक्षा आठवीं एवं ग्यारहवीं के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय प्राचार्य एस. के. सिन्हा ने की। नववर्ष के आरम्भ एवं नवसंवत्सर के शुभ अवसर पर, साथ ही आर्य समाज स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में पूर्ण विधि-विधान से विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य द्वारा सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले पाँच विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, शील्ड एवं अंकसूची प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, उन विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी कक्षा में शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी बालक एवं बालिका वर्ग को भी प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों की भी पूर्ण उपस्थिति रही। परीक्षा परिणाम की घोषणा से पूर्व प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं तथा उन्हें निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अभिभावकों को यह संदेश भी दिया कि वे अपने बच्चों के परीक्षा परिणाम की तुलना अन्य विद्यार्थियों से न करें, क्योंकि प्रत्येक विद्यार्थी का परिणाम उसके व्यक्तिगत परिश्रम का फल होता है। कार्यक्रम सफलतापूर्वक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

डाइट कटनी के दल द्वारा स्कूलों का भ्रमण, सुधार के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार डाइट कटनी के दल द्वारा प्राथमिक शाला मझगवां, माध्यमिक शाला परसवारा, माध्यमिक शाला सिमरिया सानी का भ्रमण किया गया। मझगवां में कक्षा 2 के बच्चे हिंदी पढ़ रहे हैं, जोड़ कर रहे हैं किंतु अंग्रेजी के सरल शब्द नहीं पढ़ पा रहे हैं और न ही हासिल वाला घटाना कर पा रहे हैं। व्यवस्थित पुस्तकालय नहीं होना भी खेदजनक है। विद्यार्थियों की अभ्यास पुस्तिकाओं की जांच भी नियमित रूप से नहीं किया जाना पाया गया। संबंधित शाला प्रभारी को सोमवार को डाइट बुलाकर प्रशिक्षण प्राप्त करने एवं मंगलवार से आवश्यक अकादमिक सुधार कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। परसवारा में कक्षा 6 एवं 7 की मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की गई एवं छात्र छात्राओं से पुन: प्रश्न हल करवाकर देखे गए। जिन प्रश्नों को अधिकांश छात्रों ने हल नहीं किया है, उन्हें दोबारा अभ्यास कराने के निर्देश शिक्षकों को दिए गए। सिमरिया सानी में कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों से संयुक्त रूप से संवाद किया गया एवं नए शिक्षा सत्र की तैयारी, सोचने की गति बढ़ाने हेतु विषयवार गतिविधियों पर चर्चा तथा अंग्रेजी भाषा में संवाद करने हेतु तकनीकी के उपयोग पर चर्चा की गई। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा निर्मित खिलौनों एवं विज्ञान के माडल का अवलोकन भी किया गया। सिमरिया शाला प्रभारी इंद्रभान निगम द्वारा प्रतिदिन एक शिक्षक को शाला प्रमुख का दायित्व देने वाले नवाचार की सराहना की गई। इस नवाचार से प्रत्येक शिक्षक स्कूल के प्रति अधिक सजगता और जिम्मेदारी से कार्य कर रहे हैं।

जल ही जीवन है और इसी जीवन को बचाने का संकल्प बना जनआंदोलन

एतिहासिक धरोहर को बचाने का प्रयास मुख्य कार्यपालन अधिकारी ब्रतेश जैन द्वारा

कटनी (स्वतंत्रमत)

विजयराघवगढ़ एक ओर जहां आधुनिकता की दौड़ में गांवों की पहचान और परंपराएं धीरे-धीरे मिटती जा रही हैं वहीं ग्राम सिंघवारा से एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने उम्मीद की नई किरण जगा दी। जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ के साथ न सिर्फ जल संरक्षण का संदेश दिया गया बल्कि एक पिछड़े गांव को संवारने की सशक्त पहल भी शुरू हुई। करीब 100 वर्ष पुरानी प्राचीन बावडी जो कभी गांव की जीवनरेखा हुआ करती थी आज उपेक्षा और समय की मार से जर्जर हो चुकी थी। लेकिन 19 मार्च का दिन इस ऐतिहासिक धरोहर के लिए नया सवेरा लेकर आया। पूजा-अर्चना के साथ जैसे ही श्रमदान शुरू हुआ ऐसा लगा मानो गांव की आत्मा फिर से जाग उठी हो। मिट्टी और कचरे से भरी बावड़ी को साफ करते ग्रामीणों के चेहरे पर थकान नहीं बल्कि संतोष और गर्व साफ दिखाई दे रहा था। यह सिर्फ सफाई अभियान नहीं था बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और भविष्य को सुरक्षित करने का भावनात्मक प्रयास था। इस सराहनीय मुहिम के केंद्र में रहे जनपद पंचायत सीईओ ब्रतेश जैन जिनकी पहल ने इस भूले बिसरे जल स्रोत को फिर से जीवंत करने का रास्ता दिखाया। उनके नेतृत्व में शुरू हुआ यह अभियान अब जनआंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गिरते भू-जल स्तर को बचाने के लिए पुराने जल स्रोतों का संरक्षण ही सबसे बड़ा समाधान है। मुख्य अतिथि उदयराज सिंह चौहान ने भी भावुक शब्दों में कहा कि जल केवल संसाधन नहींहजीवन का आधार है। अगर आज हम नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। इस अभियान में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था राहत समर्पण सेवा समिति और एसीसी अदानी फाउंडेशन की टीम ने जिस समर्पण के साथ श्रमदान किया वह समाज के लिए प्रेरणा श्रोत रहा। ग्रामीणों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया और यह साबित कर दिया कि जब जनभागीदारी जुड़ती है तो बदलाव निश्चित होता है। यह पहल सिर्फ एक बावड़ी की सफाई तक सीमित नहीं है बल्कि एक पिछड़े गांव को नई पहचान देने का प्रयास है। एक ऐसा प्रयास जो इतिहास को सहेजते हुए भविष्य को संवारने का काम कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया की हम अपने जल स्रोतों को बचाएंगे अपनी धरोहर को संजोएंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित भविष्य देंगे। हम सब मिल कर गाव गाव यही संदेश पहुचाएगे। ग्राम सिंघवारा की यह पहल अब एक मिसाल बन चुकी है जहां एक छोटी सी शुरुआत ने पूरे समाज को जागरूक करने की ताकत दिखा दी। आने वाले समय मे योजनाओं के मार्गदर्शक मुख्य कार्यपालन अधिकारी ब्रतेश जैन ने प्रात: काल सहयोगी टीमों को लेकर सिघवारा गाव पहुचे गाव के लोगों को एकत्र कर उन्हे श्रमदान करने के लिए प्रेरित कर खुद भी एतिहासिक धरोहर को बचाने के लिए श्रमदान किया और ग्रामीणो को जागरूक करते हुए कहा जल संरक्षण के लिए तरह तरह से कार्य किए जाएगे सभी लोग बरसात के पानी को भी एकत्र करने के लिए अपने घरो के नजदीक सोकता बनाए ताकी आसपास का जल स्तर सामान्य बना रहे। वही श्रीजैन ने यह भी कहा की शासकीय योजनाओं को तभी फलीभूत किया जा सकता है जब स्थानीय लोगों मे जागरूक मिले और उनका सहयोग भी मिले। उन्होंने सिघवारा गाव के लिए कहा इस गाव की एतिहासिक धरोहर को सुरक्षित के साथ इस गाव को जिले मे प्रथम स्थान पर लाना है ताकि यह गाव पिछड़ा न रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान बना जनसहभागिता की मिसाल

कटाएघाट नदी की सफाई के लिए एक साथ उठे सैकड़ों हाथ

कटनी (स्वतंत्रमत)

राज्य शासन के निर्देश पर गुरुवार से प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रात: 8 बजे कटाए घाट स्थित कटनी नदी में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया, जो जनसहभागिता की उत्कृष्ट मिसाल बनकर सामने आया। राज्य शासन के निर्देश पर 19 मार्च से प्रारंभ यह अभियान 30 जून तक चलेगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर महापौर प्रीति संजीव सूरी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, वन मंडलाधिकारी गर्वित गंगवार एवं निगमायुक्त तपस्या परिहार सहित सैकड़ों की संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं आमजन ने सामूहिक श्रमदान कर नदी की सफाई करते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्र./276/ज.प्र. वि./2025-26 कटनी, दिनांक : 10/03/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नांकित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली के तहत पंजीकृत फर्मों से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। समस्त शर्तें व जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में किसी भी कार्यालयीन कार्य दिवस में अथवा https://mptenders.gov.in में देखी जा सकती है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_489270_1	Demolition Of Existing R.C.C.Elevated Service Reservoir, R.C.C. Ground Sump Reservoir, Pupm House And Construction Of New R.C.C. Elevated Service Reservoir (Capacity-250kl, Staging 12m), New R.C.C. Ground Sump Reservoir (Capacity-50 kl), Pump House, Construction Of Boundarywall For Above Components in Ward 42	180 दिवस रू. 49,01,337/-	रू. 5,000/- रू. 36,760/-	10/04/2026

नोट :- निविदा संबंधी समस्त संशोधन सिर्फ ऑनलाइन अपलोड किये जावेंगे, समाचार पत्रों में नहीं।

कार्यपालन यंत्री
वास्ते आयुक्त
नगर पालिक निगम, कटनी

वीरेंद्र सहवाग जैसा है अभिषेक : कुंबले

ऑफ-स्पिन के खिलाफ दिक्कतों तथा बेस्ट फॉर्म में लौटने पर शेयर किए विचार

नई दिल्ली (वार्ता)

अभिषेक शर्मा, वह निडर खिलाड़ी जिसने पिछले दो सीजन में टाटा आईपीएल में धूम मचा दी थी, 2026 में अच्छे फॉर्म की उम्मीद कर रहा होगा। जियोस्टार के आईपीएल टुडे लाइव पर बात करते हुए, जियोस्टार के एक्सपर्ट एबी डिविलियर्स और अनिल कुंबले ने अभिषेक की ऑफ-स्पिन के खिलाफ दिक्कतों, उनके इनकंसिस्टेंटनेस, उम्मीदों के दबाव और वह इन चुनौतियों का सामना करके अपने बेस्ट फॉर्म में कैसे लौट सकते हैं, इस पर अपने विचार शेयर किए। अनिल कुंबले ने कहा, मुझे लगता है कि अभिषेक शर्मा में एक महान खिलाड़ी बनने की सारी काबिलियत है। अगर आप उनके छोटे इंटरनेशनल करियर को देखें, तो वह पहले से ही नंबर वन टी20 इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं। वह गेंदबाजों पर हावी रहते हैं और उन्हें दबाव में डालते हैं, लेकिन इस तरह की डराने वाली बैटिंग स्टाइल के साथ, कंसिस्टेंसी बनाए रखना मुश्किल है, खासकर टीम के नजरिए से। अभिषेक के साथ इंडिया ने इसे अच्छे से मैनेज किया, क्योंकि नहीं तो यह थोड़ा मुश्किल हो सकता था। दूसरे बैट्समैन भी थे जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया, और उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए आपको ऐसी टीम की जरूरत होती है। इसीलिए उन्हें एसआरएच के लिए खेलने में मजा आया, जहां उन्हें खुलकर बैटिंग करने की आजादी है। एक चीज जो उन्होंने अब एडजस्ट कर ली होगी, वह है ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ उनकी दिक्कत, जिसे उन्होंने फाइनल में मैनेज किया और फिफ्टी बनाई। अगर आप एक महान खिलाड़ी और कंसिस्टेंट खिलाड़ी बनना चाहते हैं, तो सिर्फ यह जरूरी नहीं है कि आप क्या कर सकते हैं, बल्कि यह भी जरूरी है कि आपको क्या नहीं करना चाहिए, और इसे अपने दिमाग में कंट्रोल करना ही सबसे जरूरी होगा। अभिषेक शर्मा के क्रीज़ पर ज़्यादा देर तक टिके रहने पर कुंबले ने कहा, मैं उन्हें वीरेंद्र सहवाग जैसे किसी से जोड़ता हूँ, क्योंकि वह हर बॉल को हिट करने की कोशिश करते थे। जब वह टेस्ट क्रिकेट से वनडे क्रिकेट और फिर टी20 क्रिकेट में आए, तो उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपनी पारी को थोड़ा अलग तरीके से आगे बढ़ाना होगा। लेकिन वीरेंद्र सहवाग अभी भी 140-150 के स्ट्राइक-रेट से खेलते थे। इसलिए, अभिषेक शर्मा को इस बारे में सोचना शुरू करना होगा, यह कहते हुए कि, मैं 200 के स्ट्राइक-रेट से रन बना रहा हूँ, मुझसे उम्मीदें हैं, क्या मुझे अब 300 के स्ट्राइक-रेट से खेलना चाहिए? यानी 85-90। टी20 फ़ॉर्मेट में आपको इसी तरह की मैच्योरिटी चाहिए। शायद इस सीजन में आप अभिषेक शर्मा में इसी तरह की मैच्योरिटी देखेंगे, जिसकी एसआरएच उम्मीद कर रही होगी।

क्रिकेट का सबसे खतरनाक शब्द है उम्मीद

डिविलियर्स ने कहा, वह अब 20 का नहीं, बल्कि 25 साल का है। इसलिए, यह पक्का वह फेज है जहाँ उसे ज़्यादा ज़िम्मेदारी लेनी शुरू करनी होगी। मीडिया का प्रेशर होगा और लोग उससे और ज़्यादा कंसिस्टेंट बनने के लिए कहेंगे। हम जानते हैं कि टी20 वर्ल्ड कप के दौरान वह थोड़ा इनकंसिस्टेंट था, जो निराशाजनक था। फाइनल में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन इसके अलावा, यह उसके लिए एक शांत टूर्नामेंट था। वह कई बार अजीब था। आईपीएल 2025 में उसका प्रदर्शन ज़बरदस्त रहा, उसने लगभग 200 का स्ट्राइक-रेट बनाया और उसका एवरेज 30 के आस-पास रहा, जो टूर्नामेंट में 400 से ज़्यादा रन बनाने वाले ओपनिंग बैट्समैन के लिए अच्छा है। एक बार फिर, कंसिस्टेंसी शब्द दिमाग में आता है। यह एक पर्सनल चैलेंज है जिसे उसे मेंटली पार करना होगा, जो उम्मीदों के साथ आता है, और यह क्रिकेट का सबसे खतरनाक शब्द है, जब आपको लगता है कि पूरी दुनिया आप पर हावी हो रही है, और यह उस पर है कि वह इस पूरे समय उन मेंटल लड़ाइयों से लड़े। आने वाले सीज़न में।

कभी-कभी सही जगह पर पहुँचा देगा बॉलर

अपने गेम प्लान को और मज़बूत करने पर डिविलियर्स ने कहा, उनकी सफलता, और उनके करियर की लंबी उम्र और कंसिस्टेंसी का जवाब, अलग-अलग मैच-अप को समझने और उनका सम्मान करने में है। एक बॉलर आता है, मान लीजिए वह बुमराह है, और गेम दांव पर है। आप इसे कैसे हैंडल करते हैं? क्या आप उस पर अटैक करते हैं, या आप इसका सम्मान करते हैं और दूसरे छोर पर पहुँच जाते हैं? यहीं पर आपको एक बैटर के तौर पर खुद के प्रति सच्चा होना होता है। आपको महसूस करना होगा, यहाँ एक खतरा है, मैं कम्फर्टेबल नहीं हूँ, मैं इसे जाने नहीं दूँगा। मैं इसे कुछ मिनट दूँगा और देखूँगा कि क्या कुछ और सामने आता है। मुझे लगता है कि उनके गेम में अभी भी यही एकमात्र मिसिंग लिंक है। यह समझने की बात है कि कभी-कभी एक बॉलर आपको सही जगह पर पहुँचा देगा। यहीं पर उन्हें चालाक होने और अपने गेम प्लान पर सच में विश्वास करने की जरूरत है। उनके पास एक ब्लूप्रिंट होगा जो उनके लिए सालों से काम कर रहा है, और उन्हें बस उसे ठीक करना है, उस पर पहले से कहीं ज़्यादा विश्वास करना है, और उस पर टिके रहना है।

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के लिये 'नई जर्सी' लांच की

नई दिल्ली (वार्ता)। आईपीएल 2026 बस आने ही वाला है, जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की को-ओन्ड दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को नए सीजन के लिए अपनी ऑफिशियल जर्सी लॉन्च की। इसका डिज़ाइन उस खतरनाक टाइगर स्पिरिट से इंस्पायर्ड है जो टीम और उस शहर दोनों को दिखाता है जिसे वह रिप्रेजेंट करती है। कैप्टन फिल्म में पुरुष और महिला दोनों टीमों के कैप्टन, अक्षर पटेल और जेमिमा रोड्रिग्स, अपनी तरह के पहले जर्सी लॉन्च में एक साथ हैं, जिसमें दोनों टीमें एक साथ दिख रही हैं। यह एक शेयर्ड आइडेंटिटी को दिखाता है और दिल्ली कैपिटल्स की दोनों टीमों के बीच बढ़ते तालमेल को सेलिब्रेट करता है। नई जर्सी के लॉन्च पर बात करते हुए, दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ, सुनील गुप्ता ने कहा, यह जर्सी हमारे शहर, पहचान और मैदान पर हमारे निडर माइंडसेट का जश्न मनाती है। आईपीएल जर्सी लॉन्च कैंपेन में पहली बार, हमें अपनी महिला टीम की कप्तान, जेमिमा रोड्रिग्स को भी शामिल करते हुए गर्व हो रहा है, क्योंकि यह टीमों में एक जैसा दिल्ली कैपिटल्स कल्चर बनाने के हमारे कमिटमेंट को दिखाता है। नीले और लाल रंग में हमारे टाइगर्स तैयार हैं, और हम आगे एक रोमांचक सीजन की उम्मीद कर रहे हैं।

जॉन मूनी फील्डिंग कोच बने

आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स का क्षेत्ररक्षक कोच नियुक्त किया गया है। मूनी ने एंटोन रॉक्स और ज्ञानेश्वर राव की जगह ली है, जिन्होंने पिछले सत्र में यह भूमिका निभाई थी। 44 वर्षीय मूनी पहले वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं, हाल ही में उन्होंने एशिया कप के दौरान अफगानिस्तान टीम के साथ काम किया था। वह मुख्य कोच हेमांग बदानी के अगुवाई वाले कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए हैं, जिसमें मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच, इयान बेल सहायक कोच और वेणुगोपाल राव डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं। मूनी ने आयरलैंड के लिए 64 एकदिवसीय और 27 टी- 20 मैच खेले हैं।

हम विरोधी टीम का सम्मान करते हैं, लेकिन हमें उनके खिलाफ स्वयं पर भरोसा है: फुल्टन

नई दिल्ली (वार्ता)

एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 के आधिकारिक पूल ड्रॉ और कार्यक्रम की घोषणा के बाद, भारतीय पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने गुरुवार को कहा कि हम इस पूल में हर विरोधी टीम का सम्मान करते है, लेकिन हमें उनके खिलाफ स्वयं पर भरोसा है। भारत को पूल डी में शीर्ष वरीयता प्राप्त इंग्लैंड, चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और मजबूत टीम वेल्स के साथ रखा गया है। ग्रुप-चरण के सभी मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन स्थित वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। टीम के साथ शिविर में ड्रॉ को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फुल्टन ने कहा, हम उत्साहित हैं। यह एक मजबूत ग्रुप है, लेकिन विश्वकप में आप ठीक यही तो चाहते हैं कि आपकी परीक्षा सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ हो। टीम के शिविर में माहौल बहुत सकारात्मक है। खिलाड़ी प्रेरित और जीत के लिए भूखे हैं और अब जब हमें अपने विरोधियों के बारे में पता चल गया है, तो हमारी तैयारियों में हमें वास्तविक स्पष्टता और एकाग्रता मिलेगी। उन्होंने कहा, इंग्लैंड एक सुव्यवस्थित, शारीरिक रूप से मजबूत टीम है, जो हमारे पूल में शीर्ष वरीयता प्राप्त भी है। पाकिस्तान अपनी कलात्मकता, अप्रत्याशितता और समृद्ध हॉकी परंपरा के साथ आता है। यह ऐसी टीम नहीं है जिसे कभी हल्के में लिया जाए। वेल्स अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रहा है और वह ऊर्जा और दृढ़ संकल्प से भरा होगा। हम इस पूल में हर विरोधी का सम्मान करते हैं, लेकिन हम उन सभी के खिलाफ खुद पर भरोसा रखते हैं। भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह एक विशेष मुकाबला है जो भारत के स्वतंत्रता दिवस के दिन पड़ रहा है। इसलिए कोचिंग स्टाफ ने पहले ही एक विस्तृत रूपरेखा तैयार करना शुरू कर दिया है।

अर्जुन तेंदुलकर के बैट से इम्प्रेस हुए पंत

लखनऊ (वार्ता)। अर्जुन तेंदुलकर अपनी शादी के बाद आईपीएल के लिए अभ्यास करने मैदान में उतर आये हैं। अर्जुन अपनी नई आईपीएल टीम, लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मैदान में उतरे हैं, और उन्होंने अपने नए कप्तान ऋषभ पंत को दो मामलों में पहले ही इम्प्रेस कर दिया है। पहला, अपने बैट के वजन के लिए- जितना उनके पिता सचिन इस्तेमाल करते थे, उतना भारी नहीं लेकिन फिर भी भारी है, और दूसरा मार्च की शुरुआत में अपनी बहुत चर्चित शादी के तुरंत बाद ट्रेनिंग शुरू करने के लिए। अब तेंदुलकर जूनियर और पंत दोनों अपने नए खिलाड़ी से कुछ बड़ा प्रदर्शन देखना चाहेंगे, जिसने मुंबई इंडियंस के साथ दो आईपीएल सीजन में सिर्फ़ पाँच मैच खेले हैं और कुछ खास नहीं किया है।

विनय कुमार यादव ने प्लेऑफ में जीता खिताब

गुरुग्राम (वार्ता)

दिल्ली के विनय कुमार यादव ने गुरुग्राम के गोल्डन ग्रीन्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले गए 25 लाख रुपये के डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन 2026 में चंडीगढ़ के 15 साल के अर्जुनवीर शिशिर के खिलाफ प्लेऑफ में जीत हासिल कर अपना पहला खिताब जीता। तीस साल के विनय कुमार यादव (72-70-71), जो रात भर चौथे नंबर पर थे और लीड से तीन शॉट पीछे थे, ने तीसरे राउंड में एक-अंडर 71 का कार्ड बनाया और रेगुलर 54 होल के आखिर में टीनएजर अर्जुनवीर शिशिर (71-70-72) के साथ कुल तीन-अंडर 213 के स्कोर के साथ लीडरबोर्ड में टॉप पर रहे। पंद्रह साल के रूकी अर्जुनवीर, जो फील्ड में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे और रात भर दूसरे नंबर पर थे और लीड से दो शॉट पीछे थे, तीसरे दिन इवन-पार 72 के स्कोर की वजह से टॉप पर पहुँच गए। विनय कुमार यादव आखिरकार दूसरे प्लेऑफ़ होल (पार-5 18वें होल पर खेला गया) पर जीत गए। विनय की जीत ने उन्हें 3,17,875 रुपये का प्राइज मनी चेक दिलाया। इस तरह यादव 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में चौथे स्थान पर पहुँच गए। लक्ष्य नागर (72) और रात भर के लीडर सिद्धार्थ सेमवाल (75) दो-अंडर 214 पर तीसरे स्थान पर रहे।

एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती का इस्तीफा

के.की. मिस्त्री को मिली अंतरिम जिम्मेदारी

मुंबई (वार्ता)

देश के अग्रणी निजी ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने बैंक के संचालन में अनैतिकता के आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी चक्रवर्ती ने 17 मार्च 2026 को तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दिया था। बैंक ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को बताया कि उनका इस्तीफा 18 मार्च को दोपहर बाद तीन बजकर 17 मिनट पर प्राप्त हुआ। बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक से स्वीकृति मिलने के बाद केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति गुरुवार 19 मार्च से प्रभावी हो गयी है। चक्रवर्ती ने अपने त्यागपत्र में बैंक के संचालन के तौर-तरीकों पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने लिखा है, पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और चलन देखे हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं रहे हैं। यही मेरे निर्णय (इस्तीफे) का आधार है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनके इस्तीफे का और कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है। उनके कार्यकाल में बैंक के एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा है कि इस रणनीतिक पहल ने एचडीएफसी बैंक को देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बना दिया, हालांकि इस विलय का लाभ अभी पूरी तरह साकार होना बाकी है। चक्रवर्ती भारतीय प्रशासनिक सेवा से अप्रैल 2020 में सेवानिवृत्त हुए। उस समय वह वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव थे। वह मई 2021 में एचडीएफसी बैंक के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल हुए थे। स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनका तीन साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद मई 2024 में उन्हें दोबारा तीन साल के लिए स्वतंत्र निदेशक बनाया गया गया था। इस्तीफे की बात समाने आने के बाद गुरुवार को बैंक का शेयर आज एक समय 8.42 प्रतिशत लुढ़ककर 772 रुपये पर आ गया था।

चावल के साथ गेहूं में भी नरमी

नई दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल की औसत कीमत घट गयी। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चीनी में मजबूती देखी गयी जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 51 रुपये टूटकर 3,788 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गेहूं 26 रुपये सस्ता हुआ और 2,781 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत भी आठ रुपये घट गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव देखा गया। तुअर दाल की औसत कीमत 43 रुपये और उड़द दाल की 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल 14 रुपये और मसूर दाल 13 रुपये सस्ती हुई। चना दाल की कीमत दो रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 84 रिंगिट चढ़कर 4,612 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 65.67 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 258 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वनस्पति 122 रुपये और सूरजमुखी तेल 125 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल भी 83 रुपये चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल 39 रुपये और सोया तेल 34 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव छह रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। वहीं, चीनी 17 रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव- दाल चना 7705.69 रुपये, मसूर काली 8055.90 रुपये, मूंग दाल 10129.31 रुपये, उड़द दाल 10769.32 रुपये, तुअर दाल 11247.80 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं दड़ा 2781.44 रुपये और चावल 3788.39 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3275.74 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4313.41 रुपये और गुड़ 4972.63 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17613.19 रुपये, मूंगफली तेल 18735.77 रुपये, सूरजमुखी तेल 17182.23 रुपये, सोया तेल 14247.49 रुपये, पाम ऑयल 13364.08 रुपये और वनस्पति 14717.73 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

निर्यातकों के लिए 500 करोड़ रुपये की रिलीफ योजना

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण माल भाड़े और बीमा प्रीमियम में उछाल से प्रभावित निर्यातकों की मदद के लिए रिलीफ (रेजिस्टेंस एंड लाजिस्टिक्स इंरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फेसिलिटेशन) नाम से एक योजना शुरू की है। इसमें निर्यात ऋण बीमा योजना के तहत मदद की जाएगी और इस हस्तक्षेप के लिए करीब 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। निर्यात संवर्धन मिशन के तहत लागू की जा रही इस योजना में सरकार की ओर से एक समयबद्ध और लक्षित हस्तक्षेप किया जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है यह पहल उन भारतीय निर्यातकों को समर्थन देने के उद्देश्य से शुरू की गई है, जो असाधारण रूप से बढ़े हुए मालभाड़े (फ्रेट), बढ़े हुए बीमा प्रीमियम और खाड़ी क्षेत्र तथा व्यापक पश्चिम एशिया के समुद्री मार्ग में व्यवधान के कारण उत्पन्न युद्ध-संबंधी निर्यात जोखिमों से प्रभावित हुए हैं। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ी हुई सुरक्षा चिंताओं के कारण जहाज़ों के मार्ग बदलने पड़े हैं, यात्रा मार्ग लंबा हो गया है, ट्रांसशिपमेंट केंद्रों पर भीड़ बढ़ गई है और आपातकालीन संघर्ष-संबंधित अतिरिक्त शुल्क (सर्चार्ज) लगाए गए हैं।

शेयर बाजारों में फिर भारी गिरावट

मुंबई (वार्ता)

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रेपो दरों को स्थिर रखने के फैसले से निराश निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को भारी गिरावट देखी गयी। बीएसई का सेंसेक्स 2,496.89 अंक (3.26 प्रतिशत) लुढ़ककर 74,207.24 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 775.65 अंक टूटकर 23,002.15 अंक पर आ गया। यह दोनों का 11 महीने से ज्यादा का निचला स्तर है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बुधवार को समाप्त दो दिवसीय बैठक में नीतिगत दरों को 3.5 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखने का फैसला किया। इससे अमेरिका के साथ एशिया और यूरोप के शेयर बाजारों में भी बड़ी गिरावट आयी। सेंसेक्स की शुरुआत ही 1,953 अंक की गिरावट में 74,751 अंक पर हुई। हालांकि खुलने के तुरंत बाद यह 75,354 अंक तक चढ़ गया, लेकिन धीरे-धीरे इसका ग्राफ नीचे उतरता गया। इसका निचला स्तर 73,951 अंक रहा। निफ्टी का ग्राफ भी इसी तरह का रहा। बाजार में बिकवाली इस कदर सर्वव्यापी रही कि सभी सूचकांक और सभी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। मझौली कंपनियों का मिडकैप-50 सूचकांक 3.29 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.94 प्रतिशत गिर गया। ऑटो सेक्टर का सूचकांक चार प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गया। एनएसई में वित्त, बैंकिंग, आईटी, धातु और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में तीन फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। सबसे कम 1.98 प्रतिशत की गिरावट तेल एवं गैस सेक्टर के सूचकांक में देखी गयी। सेंसेक्स की सभी कंपनियां लाल निशान में बंद हुईं। इटरनल का शेयर साढ़े पांच प्रतिशत से ज्यादा टूट गया। बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी पांच प्रतिशत से अधिक गिर गये। एलएंडटी, इंडिगो, बजाज फिनसर्व और ट्रेंट में चार प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही।एक्सिस बैंक, इंफोसिस, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर तीन से चार प्रतिशत के बीच फिसल गये। बीईएल, टाइटन, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनीलिवर, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, सनफार्मा, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और एनटीपीसी के शेयर एक से तीन प्रतिशत तक लुढ़क गये।

सम्मेलन में दिखी नवीकरणीय ऊर्जा में प्रयासों की झलक

नई दिल्ली (वार्ता)

राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को शुरू हुए भारत बिजली सम्मेलन, 2026 में बिहार पैवेलियन में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य की पहल को दर्शाया गया। केंद्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में बिहार फोकस स्टेट के रूप में शिरकत कर रहा है। राज्य के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बिहार पैवेलियन का उद्घाटन किया। इस मौके पर विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह और नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार भी मौजूद थे। सम्मेलन में बिहार ने अपने ऊर्जा क्षेत्र के चार प्रमुख आयामों को प्रमुख रूप से दिखाया है, जो राज्य के बदलते स्वरूप और भविष्य की तैयारियों की झलक प्रदान करता है। पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के जरिये ग्रिड स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा के बेहतर एकीकरण की दिशा में कदम बढ़ाये जा रहे हैं। कजरा सोलर प्रोजेक्ट विद बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम स्वच्छ और भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति का उदाहरण बनकर सामने आया है।

'सृष्टि' के आरंभ की अमृत बेला का पर्व है नव संवत्सर

मुख्यमंत्री ने की ब्रह्म ध्वज की स्थापना, रवीन्द्र भवन में हुआ कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज गुड़ी पड़वा है। संपूर्ण सृष्टि में गुड़ जैसी मिठास फैल गई है। ऐसा इसलिए, क्योंकि हमारी भारतीय संस्कृति में आज से नव संवत्सर एवं नववर्ष का प्रारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि नव संवत्सर सृष्टि के आरंभ दिवस की अमृत बेला को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। आज से एक नए संवत् और भारतीय नववर्ष का प्रारंभ हो गया है। हमारे यहां संवत् सृष्टि के साथ, प्रकृति के सानिध्य में और शासक के पुरुषार्थ से प्रारंभ होता है। सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को परास्त किया। तत्कालीन समाज के अराजक तत्वों और आततायियों का दमन किया। उन्होंने अपनी संपूर्ण प्रजा को कर्जमुक्त बनाया। सच्चे अर्थों में सामाजिक सद्भाव की नींव रखी। वे लोकतंत्र के महानायक थे। उनके पुरुषार्थ से ही प्रारंभ किया गया विक्रम संवत् आज 2083 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य के ओजस्वी शासन उनके शौर्य, साहस, पराक्रम एवं न्याय के प्रतिमानों को आत्मसात करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का प्रयास किया। हम समाज के हर वर्ग के चहुंमुखी विकास के लिए प्रयासरत हैं। हमने वीर विक्रमादित्य शोधपीठ सहित वैदिक घड़ी की भी स्थापना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत

कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी नागरिकों को सृष्टि के आरंभ दिवस, गुड़ी पड़वा, चेटी चंड, नववर्ष विक्रम संवत् 2083 के आरंभ, घट स्थापना, नवरात्रि आरंभ, ज्योर्तिविज्ञान दिवस, नवरेह सहित आज देशभर में मनाये जा रहे सभी पर्वों की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रम्ह ध्वज की स्थापना कर कहा कि यह ध्वज हमें सदैव एकजुट रहकर देश-प्रदेश की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

विक्रमादित्य ने लोकतंत्र को बढ़ाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने अपनी शासन व्यवस्था से राज व्यवस्था को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदलने का सूत्रपात्र किया। उनका नेतृत्व और राज-काज शैली ऐसी थी, जिसमें बाद के शासकों को जनकल्याणकारी शासन व्यवस्था के लिए प्रेरित किया। आज यदि दो हजार साल बाद भी सम्राट विक्रमादित्य को याद कर रहे हैं, तो इसके पीछे यह भाव परिलक्षित होता है कि भारत राष्ट्र की सरकार और राज्य सरकारें, वीर विक्रमादित्य की शासन व्यवस्था को अंगीकृत करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज स्वस्फूर्त और अनुशासित समाज है। हमने हमेशा जियो और जीने दो सहित सबको लेकर चलने की भावना से जीना सीखा है। सम्राट विक्रमादित्य ने लोकतंत्र को बढ़ावा दिया, इसी से लोकतंत्र के सूत्र हम भारतीयों के शरीर में रक्त की तरह प्रवाहित है और अब यह हमारे अस्तित्व की पहचान भी बन गया है।

मप्र में सुशासन के नए प्रतिमान

स्वागत उद्बोधन देते हुए विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन के नए प्रतिमान स्थापित किए जा रहे हैं। वीर विक्रमादित्य की कर्मभूमि उज्जैन से देश में लोकतंत्र का दीप प्रज्वलित हुआ और मुख्यमंत्री डॉ. यादव उसी दीप को और अधिक प्रकाशमान बना रहे हैं। कार्यक्रम में सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाटक का मंचन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने सभी नाट्य कलाकारों का सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक विष्णु खत्री, महापौर मालती राय, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति, कमिश्नर भोपाल डिवीजन संजीव सिंह, कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सहित जन-प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण एवं स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

अग्नि दुर्घटना की एक्सपर्ट से करायेंगे जांचः मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को इंदौर में जंजीरवाला चौराहा स्थित जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभागृह पहुँचकर इंदौर के बंगाली चौराहा स्थित बृजेश्वरी एनेक्स में गत दिवस हुए अग्नि दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए बाबा महांकाल से दिवंगतों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और शोक संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने परिजन से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस दुर्घटना की एक्सपर्ट द्वारा हर पहलू की गहन एवं व्यवस्थित जाँच करायी जायेगी। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो, इस दिशा में राज्य सरकार आवश्यक कदम उठायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस हृदय विदारक दुर्घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन और विशेष डीजी आदर्श कटियार को घटना स्थल के निरीक्षण के लिए भेजा गया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकरलाल लालवानी, विधायकगण महेन्द्र हार्डिया, श्रीमती मालिनी गौड़ और गोलू शुक्ला, सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा भी मौजूद थे।

मोरगंज गल्ला मंडी में स्थापित की गई श्रीराम की प्रतिमा

नवरात्रि पर्व पहले दिन से ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दमोह (स्वतंत्र मत)। हिंदू नववर्ष चैत्र नवरात्रि पर्व गुरुवार से प्रारंभ हो गया है। पहले दिन शहर के प्रसिद्ध मां बड़ी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गई। हजारों की संख्या में श्रद्धालु सुबह 4 बजे से ही मां बड़ी देवी को जल अर्पित करने पहुंच गए। श्रद्धालुओं ने मां बड़ी देवी को जल अर्पित किया। भीड़ को नियंत्रित करने और भक्तों को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए मंदिर के चारों ओर पुलिस प्रशासन तैनात किया गया है। श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतार सुबह देर तक देखी गई। प्राचीन फुटेरा तालाब के सामने स्थित मां बड़ी देवी का यह मंदिर शहर के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसी मान्यता है कि मां बड़ी देवी अपने भक्तों की मुरादें पूरी करती हैं। दमोह के मोरगंज गल्ला मंडी स्थित श्रीराम मंदिर में चैत्र नवरात्रि के स्वागत की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बुधवार रात हनुमानगढ़ी मंदिर से भगवान श्रीराम की प्रतिमा की शोभायात्रा निकाली गई जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गल्ला मंडी पहुंची। श्रीराम उत्सव समिति हर साल हिंदू नववर्ष से पहले प्रभु श्रीराम की प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा निभाती है। इस वर्ष भी प्रतिमा की विधिवत स्थापना के लिए यह आयोजन किया गया। यह शहर का इकलौता ऐसा कार्यक्रम माना जाता है, जहां चैत्र नवरात्रि से पहले ही प्रभु श्रीराम की प्रतिमा स्थापित की जाती है। हनुमानगढ़ी मंदिर से शुरू हुई इस शोभायात्रा में छोटे बच्चों ने अखाड़े के हैरतअंगेज करतब दिखाए, जिन्हें देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। शहर के प्रमुख चौराहों पर फूल बरसाकर यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। नवरात्रि के दौरान पूरे नौ दिनों तक भगवान श्रीराम की विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती का आयोजन किया जाता है।

बड़ी खेर माता मंदिर में सजी माई की झांकी

दमोह। जैसा कि सभी को विदित है 19 मार्च गुरुवार को भारत का सबसे बड़ा पर्व चैत्र नवरात्र प्रारंभ हो गया है। साथ ही हिन्दू नववर्ष की शुरुआत भी इसी दिन से होना प्रारंभ हुई थी। पथरिया नगर का प्राचीन मंदिर बड़ी खेरापति माई मंदिर को आकर्षित झांकी के रूप सजाया है। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालु अपना पूर्ण सहयोग मां के चरणों में अर्पित कर रहे है। पथरिया में प्राचीन काल से ही खेरापति माई मंदिर प्रसिद्ध है। इसकी प्रसिद्धि का मुख्य कारण यहां मांगी हुई मनोकामनाओं का पूर्ण हो जाना है। यहां के श्रद्धालुओं का कहना है। की अगर मां के दरबार में सच्चे मन से कोई मनोकामना मांगी जाए तो वह कभी मां के दरबार से खाली हाथ नहीं जाता।

पशुपतिनाथ मंदिर से शुरू हुआ जल गंगा जल संवर्धन अभियान

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने आज भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर से जल गंगा जल संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंदिर परिसर में आमजन की सुविधा के लिए निर्मित प्याऊ का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन, पत्रकार उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। जल गंगा जल संवर्धन अभियान के माध्यम से जिले में जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाएंगे। यह अभियान 30 जून 2026 तक संचालित होगा। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत तालाबों, नदियों, कुओं, बावड़ियों सहित अन्य पारंपरिक जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जाएगा। साथ ही इन जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, गहरीकरण एवं मरम्मत के कार्य भी सुनिश्चित किए जाएंगे, जिससे वर्षा जल का अधिकतम संचयन हो सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल शासन का नहीं, बल्कि जन-जन का अभियान है। इसमें आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं शासकीय विभागों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

उन्होंने सभी से अपील की कि जल संरक्षण के इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखें। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में शुरू की गई प्याऊ व्यवस्था की सराहना की और कहा कि इससे श्रद्धालुओं एवं आमजन को गर्मी के मौसम में शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा, जो एक सराहनीय पहल है।

हिंदू नववर्ष पर लीनेस मैत्री क्लब का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। हिंदू नववर्ष के पावन अवसर पर लीनेस मैत्री क्लब द्वारा भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्लब की सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आध्यात्मिक माहौल में नववर्ष का स्वागत किया। शुभारंभ मां भगवती की पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार से हुआ। उपस्थित सभी सदस्यों ने सनातन धर्म के मूल्यों को आत्मसात करते हुए एकता, प्रेम और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। इस विशेष अवसर पर क्लब की महिलाओं ने पारंपरिक भारतीय परिधानों में सजकर सांस्कृतिक गरिमा और सौंदर्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। क्लब की अध्यक्ष रजनी खरे ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू नववर्ष केवल एक तिथि नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक सोच, पारस्परिक जुड़ाव और धार्मिक चेतना को बल मिलता है।समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ जिसमें सभी ने मिलकर नए वर्ष को सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक भावना के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

विक्रम संवत भारतीय ज्ञान, विज्ञान और गौरवशाली काल गणना का प्रतीक : राज्यमंत्री श्री पंवार

गुड़ी पड़वा और नव संवत्सर पर आयोजित किया गया 'विक्रमोत्सव'

भोपाल। मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने गुरुवार को राजगढ़ में गुड़ी पड़वा और नव संवत्सर (विक्रम संवत 2083) के पावन अवसर पर आयोजित विक्रमोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। जिला स्तरीय भव्य कोटि सूर्योपासना एवं सम्राट विक्रमादित्य केंद्रित नाट्य मंचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्री पंवार ने उपस्थित नागरिकों को हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राज्यमंत्री श्री पंवार ने अपने संबोधन में कहा कि गुड़ी पड़वा केवल एक पर्व नहीं है, बल्कि यह भारत की समृद्ध कालगणना, सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली इतिहास का प्रस्थान बिंदु है। उन्होंने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए बताया कि इसी दिन सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना का शुभारंभ किया था, इसीलिए यह दिवस संपूर्ण सृष्टि के प्रथम दिन के रूप में भी पूजनीय है। उन्होंने कहा कि इसी कालखंड में महान सम्राट विक्रमादित्य ने विक्रम संवत का शुभारंभ किया था। यह संवत हमारे प्राचीन भारतीय ज्ञान, विज्ञान और समय की सटीक गणना की समृद्ध परंपरा का जीवंत प्रतीक है।

राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन न्याय और लोक-कल्याण का आदर्श रहा है, जिससे प्रेरणा लेकर आज हम समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की ओर अग्रसर हैं। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि गुड़ी पड़वा विजय, आशा और नव-आरंभ का संदेश देता है। घरों पर स्थापित किया जाने वाला गुड़ी यानी विजय ध्वज हमें सदैव यह प्रेरणा देता है कि सत्य और धर्म की ही अंततः विजय होती है। उन्होंने आह्वान किया कि इस पावन अवसर पर हम सभी अपनी समृद्ध परंपराओं को आगे बढ़ाने, समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लें।

कार्यक्रम के दौरान सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य का मंचन भी हुआ। राज्यमंत्री श्री पंवार ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और गौरवशाली अतीत को समझने का अवसर मिलता है।

25 लाख का सामुदायिक भवन लोकार्पित

पथरिया (स्वतंत्र मत)। पथरिया जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत रजवांस में 25 लाख की लागत से सामुदायिक भवन का लोकार्पण राज्यमंत्री लखन पटेल के द्वारा किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत घोघरी में 15 लाख रुपए की राशि से नए सामुदायिक भवन के लिए स्वीकृत मिली। मंत्री पटेल के अनुसार रजवांस पंचायत शहर से लगी हुई है और इसका विकाश यानी शहर का विकाश कहलाता है। इसके उपरांत सरपंच श्रद्धा पति शरद जैन के कार्यों की भी मंत्री पटेल द्वारा सराहना करी गई और आगे भी इसी प्रकार से कार्य करने को प्रोत्साहित किया। मंत्री पटेल के द्वारा बताया गया कि आज का दिन भारत वर्ष के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। आज के दिन से ही हिन्दू नववर्ष की शुरुआत हुई थी। और चैत्र नवरात्रि का पावन उत्सव शुरू हुआ था। इसी दौरान आज के दिन को और खास बताते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान चरण 3 के अंतर्गत कई नए कामों को जोड़ा गया।

जल गंगा अभियान को मिलेगी नई रफ्तार

हटा की ऐतिहासिक तलैयों के पुनर्जीवन की उठी उम्मीद

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर की वर्षों से उपेक्षित पड़ी ऐतिहासिक तलैयों के दिन अब बदलने की उम्मीद जगी है। जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रशासन और जनसहयोग से इन प्राचीन जल स्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में पहल शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। चण्डी जी की तलैया, गायत्री शक्तिपीठ के सामने स्थित तलैया और गौरीशंकर मंदिर की तलैया जो कभी आस्था, परंपरा और जल संरक्षण का केंद्र थीं। अब फिर से अपनी पहचान पाने की ओर बढ़ सकती हैं। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इन जल स्रोतों की सफाई और संरक्षण के लिए आवाज उठाई है जिसे प्रशासन ने भी गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार जल्द ही इन तलैयों की साफ सफाई, अतिक्रमण हटाने और सौंदर्यीकरण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी। अभियान के तहत तलैयों से कचरा हटाया जाएगा। किनारों को व्यवस्थित किया जाएगा। धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य होंगे। नगर के जागरूक नागरिकों ने भी इसमें भागीदारी दिखाने का संकल्प लिया है। समाजसेवी संगठनों का कहना है कि यदि प्रशासन के साथ मिलकर कार्य किया जाएए तो ये तलैयां फिर से स्वच्छ और आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं। इन तलैयों का संबंध केवल जल संरक्षण से ही नहीं बल्कि नगर की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से भी है।

भोपाल में गूंजा गैसाबाद पुल और पानी का मुद्दा

डॉ. कुसमरिया ने अफसरों को घेरा

हटा (स्वतंत्र मत)।

हटा क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को लेकर पूर्व कृषि मंत्री एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने राजधानी भोपाल में लोक निर्माण विभाग और सेतु निर्माण के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने जोरदार तरीके से मुद्दे उठाए। गैसाबाद पुल से लेकर नगर की फोर लाइन में पेयजल पाइप शिफ्टिंग तक, हर मुद्दे पर उन्होंने अफसरों को कठघरे में खड़ा कर दिया। डॉ कुसमरिया ने साफ कहा कि गैसाबाद पुल निर्माण में शुरू से लेकर अंत तक गंभीर लापरवाही बरती गई। उन्होंने बिंदुवार बताया कि पहले पुल का स्थान बदला गयाए फिर बिना भूमि अधिग्रहण के ही निर्माण शुरू कर दिया गया। इतना ही नहीं, पुल बनते समय और बनने के बाद भी दोनों ओर की अप्रोच सड़क पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। हालात ये बने कि पुराना पुल बंद होने के बाद ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई जिससे क्षेत्रीय जनता और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सेतु निर्माण के मुख्य अभियंता से मुलाकात कर इन सभी खामियों को विस्तार से रखा। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने जांच समिति गठित कर जांच का आश्वासन दिया हैए साथ ही अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही दोनों ओर सड़क निर्माण कर आवागमन शुरू कराने की बात कही है। वहीं, नगर की फोर लाइन परियोजना में पेयजल पाइप लाइन शिफ्टिंग का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया गया। डॉ कुसमरिया ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखबीर सिंह से मुलाकात कर स्पष्ट किया कि बिना पाइप लाइन शिफ्टिंग के सीसी सड़क निर्माण करना व्यावहारिक नहीं है और इससे भविष्य में बड़ी समस्या खड़ी हो

सकती है। उन्होंने एमपीआरडीसी को निर्देशित करने की मांग रखी कि पहले जलप्रदाय योजना की पाइप लाइन शिफ्ट की जाएए उसके बाद ही सड़क निर्माण पूरा किया जाए। अधिकारियों ने सभी मुद्दों पर गंभीरता दिखाते हुए जल्द समुचित निराकरण का भरोसा दिलाया है। अब देखना होगा कि आश्वासन जमीन पर कब उतरते हैं क्योंकि हटा क्षेत्र की जनता लंबे समय से इन समस्याओं से जूझ रही है।

प्रकाश लारिया 'आप' के जिलाध्यक्ष बने

दमोह। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के निर्देशानुसार मप्र प्रभारी जितेंद्र तोमर के मार्गदर्शन में आम आदमी पार्टी दमोह की कार्यकारिणी की प्रथम सूची जारी की गई है जिसमें पूर्व में यूथ अध्यक्ष रहे। प्रकाश लारिया को जिला अध्यक्ष आम आदमी पार्टी दमोह नियुक्त किया गया है। साथ में अन्य साथियों को भी पदाधिकारी बनाया गया है जिनमें बीएस सोनी जिला अध्यक्ष लीगल बिंग, बिहारी लाल गुप्ता जिला अध्यक्ष ट्रेड बिंग, भीष्म नारायण पटेल जिला अध्यक्ष ओबीसी बिंग, फिरोज खान जिला सचिव, मुकेश रैकवार जिला सचिव, हेमंत राय जिला उपाध्यक्ष, राजकुमार रजक जिला उपाध्यक्ष, उमर मंसूरी जिला उपाध्यक्ष, खमन चैधरी जिला उपाध्यक्ष, प्रिंस चैरसिया जिला उपाध्यक्ष यूथ बिंग, रामलाल प्रणामी जिला संयुक्त सचिवको नियुक्त किया गया है।

त्योहारों को लेकर प्रशासन सतर्क

शांति समिति की बैठक में व्यवस्थाओं पर मंथन

हटा (स्वतंत्र मत)।

आगामी दिनों में होने वाले प्रमुख त्योहार नवरात्रि, ईदुल फितर, रामनवमी एवं परशुराम जयंती के शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर नगर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता तहसीलदार डॉ. आलोक जैन ने की। जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, धार्मिक गुरुओं एवं नागरिकों ने सहभागिता निभाई। बैठक में थाना प्रभारी सुधीर बेंगी ने त्योहारों के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी से सहयोग की अपील की। डॉ. सीएल नेमा ने जिला स्तरीय बैठक में रखे गए हटा से जुड़े प्रस्तावों की जानकारी देते हुए ईदगाह पहुंच मार्ग एवं जवारों के विसर्जन के दौरान नगर की सड़कों की खराब स्थिति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। सीएमओ राजेंद्र खरे ने ईदगाह मार्ग के सुधार कार्य की जानकारी देते हुए आश्वस्त किया कि त्योहारों से पहले आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएंगी। बैठक में नगर के विभिन्न स्थानों की समस्याएं भी सामने आई। जगदीश विश्वकर्मा ने घाटों की गंदगी, ब्रजेश गुप्ता ने रेस्ट हाउस मार्ग की खराब हालत जबकि रामनाथ राय ने उदय प्रोजेक्ट के तहत खुदे गड्ढों की समस्या उठाई। बैठक में झूलते बिजली तारों को ठीक करने, जुलूस मार्ग से अतिक्रमण हटाने तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग भी जोरदार तरीके से रखी गई। इस पर प्रशासन ने समय रहते सभी आवश्यक सुधार कार्य कराने का भरोसा दिलाया। अधिवक्ता पवन सिंह ने रामनवमी जुलूस की जानकारी देते हुए बताया कि 27 मार्च को जुलूस राम मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए दुर्गा होटल, थाना मंदिर चौराहा सहित प्रमुख स्थानों से गुजरेगा। वहीं पंचमी तिथि को चंडी माता की पालकी यात्रा दोपहर 3 बजे बजरिया बाजार से निकाली जाएगी। इन आयोजनों के सुचारू संचालन के लिए मार्गों से अवरोध हटाने पर जोर दिया गया।

बैठक में जुलूस के दौरान नाबालिगों द्वारा शराब सेवन एवं अराजकता फैलाने पर सख्त कार्रवाई की मांगसुनील राय द्वारा उठायी गई जिस पर पुलिस प्रशासन ने कड़ी निगरानी का आश्वासन दिया।

छोटे व्यापारियों पर लगाम, बड़ी होटलों में घरेलू गैस से जमकर बन रहे पकवान

जिला प्रशासन के दोहरे मापदंड से व्यापारियों में भारी आक्रोश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर में पिछले कई दिनों से घरेलू गैस को लेकर अफरा-तफरी की स्थिति मची हुई है। एक तरफ जहां कमर्शियल गैस सिलेंडरों की ब्रिकी में रोक लगा दी गई है, तो वहीं दूसरी ओर घरेलू गैस सिलेंडरों को लेकर भी गैस एंजेसियों में भारी मारामारी देखने को मिल रही है। इन हालातों में सड़कों पर ठेले-टपरें लगाकर खाद्य पदार्थ बेचने वाले छोटे कारोबारी जमकर जूंझते हुए नजर आ रहे है। एक तरफ जहां उन्हें खाद्य साम्रगियां बनाने के लिए कमर्शियल गैस नहीं मिल पा रही है, तो वहीं दूसरी ओर घरेलू गैस का इस्तेमाल करने पर जिला प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जा रही है। वहीं इस प्रकार कार्यवाही बड़े होटलों में न होने से छोटे व्यापारियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। उनका कहना है कि बड़े होटल व्यवसाई धड़ल्ले से घरेलू गैस का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन इसके बाद भी जिला प्रशासन द्वारा सिर्फ छोटे व्यापारियों के ऊपर कार्यवाही की जा रही है।

छोटे व्यापारियों ने लिया भट्टी का सहारा

व्यापारियों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी बड़ी होटल, रेस्टोरेंट में हो रहे घरेलू सिलिंडर के उपयोग पर रोक नहीं लगा

सके हैं। अब तक की गई कार्यवाही में इन होटलों के न तो नाम सामने आए हैं और न ही अवैध सिलिंडर की जब्ती की गई है। जबकि सबसे ज्यादा घरेलू सिलिंडर का उपयोग बड़ी होटलों में ही हो रहा है। इधर ऐसे हालातों के बीच सड़कों खाद्य पदार्थ बेचकर जीवन यापन करने वाले अधिकांश व्यापारियों ने गैस सिलेंडर की जगह अब चूल्हा और भट्टियों का सहारा ले लिया है। उनका कहना है कि ऐसी मुसीबत में उनका कारोबार ठप्प होने की कगार पर आ गया हैं। जिससे बचने के लिए अब उन्होंने सामान्य स्थिति होने तक चूल्हा और भट्टियों का सहारा अपना कारोबार

दुबारा से शुरू कर दिया है।

उपभोक्ताओं को चक्कर कटवा रहीं एंजेसियां

एक तरफ जहां जिला प्रशासन जिले में भरपूर गैस सिलेंडर होने की बात कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर कुछ और ही हालात नजर आ रहे है। कड़ी धूप में आम जनता को घंटो लाइन लगाने के बाद ही घरेलू गैस उपलब्ध हो पा रही है। इससे पहले एजेंसियों द्वारा आम जनता को चक्कर कटवाए जा रह हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि जब वे संबंधित गैस एजेंसी में सिलेंडर लेने के लिए जा रहे हैं तो वहां पर पर्ची कटवाने के बाद सिलिंडर लेने के लिए दूर गोदाम जाना पड़ रहा है। ऐसे में एक जगह से दूसरी जगह जाने पर उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बुकिंग नम्बर हुआ बंद

एक तरफ जहां जिला प्रशासन जिले में पर्याप्त गैस की आपूर्ति होने की बात कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर ये सारे दावे झूठे साबित हो रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि ना तो पहले की तरह फोन के माध्यम से घरेलू गैस की बुकिंग हो रही है और न ही हॉकर घरों में सिलेंडर बांटने के लिए आ रहे हैं। ऐसे में आम जनता से लेकर छोटे व्यापारियों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। **फोटो : अनिल तिवारी**

साथी की गवाही पक्ष में होने की खुशी में फोड़ा था जिला न्यायालय परिसर में बम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

विगत 17 मार्च को जिला अदालत के कोर्ट नंबर 2 के बाहर पटाखा जलाकर धमाका करने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि शहर के अलग-अलग इलाके में रहने वाले चार युवक पहले तो कोर्ट के गेट नंबर-3 से अंदर घुसे और फिर अचानक ही कोर्ट के बाहर धमाका कर दिया, हालांकि बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की जांच मे सामने आया कि, आतिशबाजी वाले सामान्य फटाखे थे, पर कोर्ट के अंदर जलाना गंभीर अपराध माना गया है। सोमवार की शाम को जब जबलपुर जिला कोर्ट में अदालत लगी थी, तभी अचानक ही धमाका होने लगा। आवाज सुनकर सभी वकील कोर्ट से बाहर निकल आए। जिस जगह ब्लास्ट हुआ था, वकील और पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि बम के अवशेष पड़े हुए थे। आसपास धुंआ फैला हुआ था। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ था। पुलिस को मौके से बम के अवशेष और माचिस बरामद हुई थी।

ये है पूरा मामला

विगत 17 मार्च की शाम करीब

ओमती थाना पुलिस की गिरफ्त में पांच आरोपी

5 बजे के बीच कोर्ट का अंतिम काम चल रहा था। इसी दौरान सीजेएम कोर्ट नंबर-2 के बाहर तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनते ही कोर्ट में मौजूद वकील इसे गंभीर घटना मानते हुए बाहर निकलने लगे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि धमाका साधारण बम से किया गया हो सकता है। घटना को लेकर जिला अधिवक्ता संघ ने विरोध जताते हुए इसे अदालत की सुरक्षा में बड़ी चूक बताया है। वकीलों ने कोर्ट परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों की लापरवाही पर कार्रवाई की मांग की है।

पूछताछ में कबूला जुर्म

घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी संपत उपाध्याय ने आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पकड़े गए आरोपियों के नाम तन्मय राजपूत, अनूप श्रीपाल, दक्ष राजपूत, पंकज राजपूत और अनुज राजपूत है। जो शहर के अलग-अलग इलाकों के रहवासी हैं। ओमती थाना पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने कबूल कर बताया कि सोमवार को उन्होंने ही कोर्ट में आतिशबाजी की थी। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि सोमवार को उनके एक साथी मनीष अहरिवार की पेशी थी। इसी केस से जुड़ी गवाही हुई, जो कि उनके पक्ष में थी, इसी की खुशी मनाने के लिए फटाका फोड़ा था।

गर्मी से राहत दिलाएगी पानी की फुहार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में बढ़ती गर्मी और वायु प्रदूषण से निपटने के लिए नगर निगम ने एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत, प्रारंभिक चरण में शहर के व्यस्त चौराहों पर वॉटर मिस्ट फॉगर सिस्टम लगाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य हवा में मौजूद धूल कणों को नियंत्रित करना है। नगर निगम ने कलेक्ट्रेट चौराहा, तीन पत्ती चौक और मॉलवी चौक पर फॉगर स्थापित कर दिए हैं। अन्य बड़े चौराहों पर भी इन्हें लगाने की तैयारी चल रही है। इन स्थानों का चयन उन क्षेत्रों के आधार पर किया गया है, जहां वायु गुणवत्ता अधिक पाया गया है। यह फॉगर सिस्टम तकनीकी रूप से ऑटो टाइमर से संचालित होता है। चौराहों के किनारे पाइपलाइन के जरिए पानी पहुंचाया जाता है, जिसमें एक मोटर और ऑटो टाइमर लगा होता है। यह टाइमर निर्धारित समय के अनुसार फॉगर को चालू और बंद करता है, जिससे नियमित अंतराल पर पानी की महीन फुहार हवा में छोड़ी जाती है। नगर निगम के अनुसार, बड़े चौराहों पर फॉगर लगभग 3 घंटे तक संचालित किए जाते हैं, जबकि छोटे चौराहों पर इनकी संचालन अवधि कम रखी गई है।

कार सवार बदमाशों से मिला अवैध हथियारों का जखीरा

क्राइम ब्रांच व पाटन पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, चार देशी पिस्टल, आठ कारतूस जब्त

जबलपुर (स्वतंत्रमत)। दमोह से अवैध हथियारों की खेप लेकर शहर आ रहे दो कार सवार बदमाशों को क्राईम ब्रांच की टीम ने पाटन पुलिस के साथ मिलकर पाटन-तेंदूखेड़ा मार्ग पर धर दबोचा। जिनके पास से पुलिस ने चार देशी पिस्टल, आठ कारतूस बरामद किये है। पुलिस ने उक्त हथियार व स्विफ्ट डिजायर कार और तीन मोबाईल जब्त करते हुए आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की।

पुलिस कंट्रोल रूम में अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की सूचना पर पाटन पुलिस के साथ मिलकर पाटन-तेंदूखेड़ा मार्ग पर घेराबंदी कर काले रंग की स्विफ्ट डिजायर क्रमांक एमपी 30 जेडजी 4139 को रोका। जिसमें दो व्यक्ति सवार थे। जिन्होंने पूछताछ में अपने नाम मयंक राजपूत पिता स्व. सुरेन्द्र राजपूत उम्र 28 वर्ष निवासी जबलपुर नाका गुप्ता कोल्ड्रिंग के पीछे थाना देहात दमोह तथा कार चालक के बाजू वाली सीट में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम राहुल उर्फ सूरज सिंह

लोधी पिता राजकुमार लोधी उम्र 27 वर्ष निवासी सिविल वार्ड नम्बर-4 बीएन कॉलेज के पास कोतवाली जिला दमोह बताया। पुलिस ने कार की पीछे वाली सीट पर लाल रंग के कपड़े के थैले से चार नग देशी पिस्टल एवं आठ कारतूस बरामद किये। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो एप्पल कंपनी के मोबाईल व एक नोकिया कंपनी का मोबाईल और उक्त डिजायर कार जब्त की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस आरोपियों से उक्त हथियारों के संबंध में पूछताछ कर रहीं है।

कड़े मुकाबले में छिंदवाड़ा को पराजित कर जबलपुर बना चैंपियन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला सीनियर महिला एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता 2025-26 का फाइनल मैच जबलपुर और छिंदवाड़ा जिले के बीच एमपीसीए स्टेडियम नीमखेड़ा में खेला गया। जबलपुर जिले ने छिंदवाड़ा को 28 रनों से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर जिले ने निर्धारित 50 ओवरों में 5 विकेट पर 298 रन बनाए। भूमि पटेल और आफिया खान ने 103 रनों की साझेदारी की, जबकि पायल बाल्मिक ने नाबाद 102 रनों की पारी खेली।

छिंदवाड़ा की पूनम अहिरवार ने 2 विकेट लिए। जवाब में छिंदवाड़ा जिले की टीम 49.4 ओवरों में 270 रनों पर ऑल आउट हो गई। सान्या चौरसिया ने 106 रनों की शतकीय पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकीं। जबलपुर की सोनाली रजक ने 6 विकेट लेकर मैच में अपनी टीम की जीत पक्की की। जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ के सचिव सुशील रजक ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ बैटर सान्या चौरसिया, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज सोनाली रजक और वूमन्स ऑफ द सीरीज भूमि पटेल को पुरस्कृत किया गया इस मौके पर सुशील रजक, प्रार्थना विश्वकर्मा, श्रुति उपस्थित रही । अम्पायर की भूमिका त्रिलोक नायडू, प्रतीक खरे ने निभाई।

खेतों तक पहुंचेगा पानी, बढ़ेगा भू-जल स्तर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जल सरंक्षण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन एवं भू-जल स्तर में वृद्धि के उद्देश्य को लेकर प्रदेश भर में वर्ष प्रतिपदा पर आज गुरुवार से प्रारंभ हुये जल गंगा संवर्धन अभियान की जिले में शुरुआत जनपद पंचायत जबलपुर के ग्राम सिलुआ पड़रिया में लगभग तीन वर्ष पूर्व बने अमृत सरोवर में जन सहभागिता से गाद निकासी (डी-सिल्टिंग) का कार्य शुरू कर की गई। जल सरंक्षण और जल संवर्धन के उद्देश्य से पिछले दो वर्षों में चलाए गये जल गंगा संवर्धन अभियान को मिली सफलता को देखते हुये मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप राज्य शासन ने लगातार तीसरे वर्ष 19 मार्च से 30 जून तक इस अभियान को चलाने का निर्णय लिया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जबलपुर जिले में समाज की भागीदारी और विभिन्न विभागों की सहभागिता से नवीन जल सरंचनाओं के निर्माण, भू जल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण सरंचनाओं की साफ-सफाई, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम

सिलुआ पड़रिया के अमृत सरोवर का हुआ कायाकल्प शुरू, 30 जून तक चलेगा जल गंगा संवर्धन अभियान

करने तथा मानसून में किये जाने वाले पौधारोपण की तैयारी जैसे कार्य किये जायेंगे।

सिंचाई का महत्वपूर्ण स्त्रोत

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ के अवसर पर ग्राम पंचायत सिलुआ पड़रिया स्थित अमृत सरोवर से स्थानीय नागरिकों के सहयोग से गाद निकासी (डी-सिल्टिंग) के प्रारंभ किये गये कार्य में जनपद पंचायत जबलपुर की अध्यक्ष चन्द्र किरण गोस्वामी एवं जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत ने भी सहभागिता की।

ग्राम सिलुआ पड़रिया का अमृत सरोवर आसपास के कृषकों के लिए सिंचाई का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है। सरोवर में एकत्र गाद को हटाने से इसकी जलधारण क्षमता में वृद्धि होगी, जल संचयन में सुधार होगा तथा भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। इसके परिणामस्वरूप आगामी ग्रीष्मकाल में जल उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ-साथ कृषकों को सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनोद पांडेय तथा सहायक यंत्री एवं उपयंत्री जनपद भी उपस्थित रहे।

शराब के लिये रुपये न देने पर की मारपीट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी पुलिस को व्हीकल मड़ई निवासी 36 वर्षीय शंकर सिंह ने बताया कि शाम चार बजे वह घर पर था। उसी समय अजय, टण्डी उर्फ सोनू आकर उससे शराब पीने के लिये एक हजार रुपये मांगने लगे। उसने रूपये देने से मना किया तो दोनों गालीगलौज करते हुए हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगे। जिससे उसके चेहरे व शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

चौसठ योगिनी मंदिर में की छेड़छाड़ से जुड़ी टीवी धारावाहिक की शूटिंग

कोर्ट पहुंचा मामला, थाना प्रभारी से तलब की रिपोर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भेड़ाघाट क्षेत्र में बने शहर के प्रसिद्ध चौसठ योगिनी मंदिर में कथित आपत्तिजनक दृश्यों की शूटिंग का मामला अब अदालत की चौखट तक पहुंच गया है। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी शुभांगी पालो की अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गोरखपुर थाना प्रभारी से विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की है। इस मामले में कोर्ट ने 9 अप्रैल तक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल शूटिंग को लेकर आरोप लगाया है कि टीवी धारावाहिक लक्ष्मी निवास में जबलपुर के प्रमुख धार्मिक स्थलों-चौसठ योगिनी मंदिर (भेड़ाघाट) और ग्वारीघाट को पृष्ठभूमि बनाकर आपत्तिजनक और अशोभनीय दृश्य फिल्माए गए हैं। आरोप है कि मंदिर परिसर के भीतर छेड़छाड़ जैसे दृश्य दिखाए गए, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं और धार्मिक मर्यादा को ठेस पहुंची है।

विस्तृत रिपोर्ट पेश करने दिए निर्देश - शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह के दृश्य धार्मिक स्थलों की गरिमा और पवित्रता को ठेस पहुंचाते हैं। बताया जा रहा है कि धारावाहिक के ये दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद स्थानीय लोगों और धार्मिक संगठनों में नाराजगी बढ़ गई। आमजन ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कार्यवाही की मांग की है। सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस को पूरे मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। अब पुलिस की जांच के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्यवाही तय होगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**